RNI NO-UPHIN/2023/84340

सबसे तेज प्रयागराज

सब पर नजर, सटीक खबर

नगर संस्करण | sabsetejprj2023@gmail.com | गुरुवार, 20 अगस्त 2026 | वर्ष: 04, अंक: 150 पृष्ठ: 08, मूल्य: 2 रू. | प्रयागराज से प्रकाशित हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

नीट का सिस्टम फूलप्रूफ, तोड़ना मुश्किल: केंद्र सरकार

पेपर तैयार करने से लेकर एग्जाम सेंटर में पहुंचाने तक पूरी प्रक्रिया को बेहद गोपनीय रखा जाता है: केंद्र सरकार

नई दिल्ली/एजेंसी

सरकार ने बुधवार को सुप्रीम कोर्ट में कहा कि नीट परीक्षा सिस्टम पूरी तरह सुरक्षित है। इसमें सेंध लगाना मुश्किल है। पेपर तैयार करने से लेकर एग्जाम सेंटर में पहुंचाने तक पूरी प्रक्रिया को बेहद गोपनीय रखा जाता है। वहीं, सुप्रीम कोर्ट ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी से यूपीएससी जैसा मजबूत परीक्षा सिस्टम बनाने को कहा। कोर्ट ने कहा कि नई टेक्नोलॉजी समझने वाले अधिकारियों को शामिल करना चाहिए। साथ ही अनुभवी अधिकारियों के बार-बार ट्रांसफर से बचने की सलाह दी।

जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस आलोक अराधे की बेंच ने यूनाइटेड डॉक्टर्स फ्रंट, और अन्य की याचिकाओं पर सुनवाई की। इनमें एनटीए को भंग करने और पेपर लीक रोकने के लिए मजबूत निगरानी सिस्टम की मांग की गई है।

सुप्रीम कोर्ट ने दोबारा कहा- यूपीएससी जैसा सिस्टम बनाएं

सुप्रीम कोर्ट ने तीन महीने बाद दोबारा कहा कि एनटीए को यूपीएससी की तरह ऐसा मजबूत सिस्टम बनाना चाहिए, जिसमें परीक्षा कराने का अनुभव अधिकारियों के ट्रांसफर होने के बाद भी संस्था के पास बना रहे।

कोर्ट ने कहा कि कागज पर प्रक्रिया बेहतर दिख सकती है, लेकिन असली चुनौती यह सुनिश्चित करना है कि एक परीक्षा के बाद अगली परीक्षा तक व्यवस्था में वही कमजोरियां दोबारा न लौटें।

केंद्र ने कहा- नीटी पेपर की सुरक्षा के कई स्तर, 10 दलीलें दीं

500 सवालों का प्रश्न बैंक 13 भाषाओं में तैयार होता है...

13 भाषाओं में प्रश्न बैंक: 500 सवालों का प्रश्न बैंक 13 भाषाओं में तैयार होता है। ट्रांसलेशन एक्सपर्ट करते हैं।

2 प्रिंटिंग प्रेस में छपते हैं पेपर: पेपर सीलबंद कवर में दो तय प्रिंटिंग प्रेस भेजे जाते हैं। वहां सीसीटीवी और सीआईएसएफ की निगरानी रहती है। प्रिंटर को भी पता नहीं होता कि पेपर किस परीक्षा का है।

बॉक्स डिजिटल चाबी और कोड से खुलता है: पेपर ले जाने वाले व्यक्ति के पास डिजिटल चाबी होती है, लेकिन बॉक्स खोलने का कोड उसके पास नहीं होता। यह कोड एनटीए महानिदेशक की अनुमति से दिया जाता है।

पेपर लोहे के बक्से में रखते हैं: पेपर ऐसे लोहे के बॉक्स में रखे जाते हैं, जिसे बंद करने के बाद बिना लॉक तोड़े खोला नहीं जा सकता। 24 पेपर के पैकेट में सवालों का क्रम अलग-अलग होता है। पैकेट पर वॉटरमार्क नंबर, शहर, केंद्र और पैकेट नंबर दर्ज होता है।

जीपीएस से ट्रैक होती है गाड़ी..

पेपर के दो सेट अलग-अलग बैंकों के स्ट्रॉन्ग रूम में रखे जाते हैं।

बैंक से परीक्षा केंद्र तक पेपर ले जाने वाली गाड़ी में जीपीएस लगा होता है। उसकी छोटी से छोटी गतिविधि रिकॉर्ड होती है। पुलिस सुरक्षा में पेपर केंद्र तक पहुंचते हैं।

परीक्षा से पहले बॉक्स खोला जाता है: परीक्षा शुरू होने से कुछ घंटे पहले 2 छात्रों की मौजूदगी में बॉक्स खोला जाता है। इसकी वीडियोग्राफी भी होती है।

24 छात्रों के लिए अलग पैकेट: हर कक्षा के 24 छात्रों के लिए अलग पैकेट होता है। कक्षा समन्वयक यह पैकेट छात्रों को देते हैं और छात्र खुद इसे खोलते हैं।

1. प्रश्नबैंक: कई मॉडरेटर (सब्जेक्ट एक्सपर्ट) प्रश्न बैंक बनाते हैं। फिर 100-100 सवाल चुनकर 4 अलग पेपर तैयार होते हैं। इनमें से 2 पेपर एनटीए महानिदेशक चुनते हैं। किसी को पहले से पता नहीं होता कि अंतिम पेपर कौन-सा होगा।

2024 में बनी थी राधाकृष्णन कमेटी, 101 सिफारिशें दी थीं

केंद्र सरकार ने 22 जून 2024 को पूर्व इसरो चीफ के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता वाली एक एक्सपर्ट कमेटी बनाई थी। कमेटी ने एनटीए के एग्जाम में जरूरी सुधार, पेपर लीक और दूसरी गड़बड़ियों पर 101 सिफारिशें की थीं।

नई परीक्षा टीम बनेगी- सरकार ने एनटीए में बड़े बदलावों का ऐलान किया है। परीक्षा टीम को नए सिरे से बनाया जाएगा और 600 एक्सपर्ट हटाए गए हैं। साइबर सिक्योरिटी, साइकोमेट्रिक्स और पेपर सेटिंग के निजी विशेषज्ञ जोड़े जाएंगे। 3 हफ्ते में 20-25 अधिकारी नियुक्त होंगे।

परीक्षा प्रोटोकॉल में बदलाव होंगे

परीक्षा प्रोटोकॉल भी बदले जाएंगे। सुरक्षित कमरे, बाहरी नेटवर्क से अलग सिस्टम और इलेक्ट्रॉनिक उपकरण जमा कराने की व्यवस्था सख्त होगी। एनटीए की प्रक्रियाओं का ऑडिट भी कराया जाएगा।

ऑफिस नए कैंपस में शिफ्ट होंगे- एनटीए के कार्यालयों को नए परिसर में शिफ्ट किया जाएगा। सुरक्षा की जिम्मेदारी सीआईएसएफ को दी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट का एनटीए को निर्देश, नीट परीक्षा में सुधारों को संस्थागत रूप दें

उच्चतम न्यायालय ने नेशनल टेस्टिंग एजेंसी (एनटीए) को निर्देश दिया है कि वो नीट परीक्षा में सुधारों को संस्थागत रूप दे। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच कहा कि कागज पर तो व्यवस्था मजबूत दिखती है लेकिन इसे स्थायी और संस्थागत रुप देना जरुरी है।

मामले की सुनवाई के दौरान बुधवार को सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने परीक्षा प्रक्रिया का विस्तृत ब्यौरा दिया। तुषार मेहता ने कहा कि एनटीए की मौजूदा व्यवस्था लगभग अभेद्य है। हालांकि किसी भी स्तर पर मानवीय गलती या मानवीय हस्तक्षेप की संभावना बनी रहती है। उन्होंने कहा कि एक विषय के लिए कई मॉडरेटर करीब पांच सौ प्रश्नों का बैंक तैयार करते हैं, ताकि एक व्यक्ति यह तय न कर सके कि परीक्षा में कौन से सौ प्रश्न आएंगे। इसके बाद मॉडरेटरों का दूसरा समूह सौ-सौ प्रश्न चुनकर चार अलग-अलग प्रश्नपत्र तैयार करता है। इनमें से दो प्रश्नपत्र एनटीए के महानिदेशक परीक्षा के लिए चुनते हैं।

बुजुर्गों के भरण-पोषण और सम्मान के लिए बेटे-बहू तो संपत्ति से बेदखल कर सकता है ट्रिब्यूनल: कोर्ट

नई दिल्ली/एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने वरिष्ठ नागरिकों के अधिकारों को लेकर एक अहम फैसले में साफ कहा है कि अगर किसी बुजुर्ग के भरण-पोषण, सुरक्षा और सम्मान के लिए जरुरी हो तो संबंधित ट्रिब्यूनल उनकी संपत्ति से बेटे-बहू को बेदखल करने का आदेश दे सकता है। जस्टिस पीएस नरसिम्हा की अध्यक्षता वाली बेंच ने ये आदेश दिया। कोर्ट ने कहा कि वरिष्ठ नागरिकों की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना कानून का अहम उद्देश्य है। उच्चतम न्यायालय ने उच्च न्यायालय के उस फैसले को भी रद्द कर दिया, जिसमें बेटे और बहू को संपत्ति से बाहर करने के ट्रिब्यूनल के आदेश को रद्द कर दिया गया था।

मामला लखनऊ के विकास नगर स्थित एक मकान से जुड़ा हुआ है। मकान के मालिक रविकांत गुप्ता ने अपने बेटे के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। गुप्ता का आरोप था कि उनके बेटे ने 81 वर्षीय उनकी मां यानी अपनी दादी को घर में नहीं रहने दिया और कथित तौर पर उन्हें घर छोड़ने के लिए मजबूर किया गया। इसके बाद बुजुर्ग महिला को वृद्धाश्रम जाना पड़ा।

Reg. No.: 0917500106

सत्यम शिवम हास्पिटल

टिकरी, कौड़िहार, प्रयागराज

संचालित सत्यम पब्लिक एजूकेशनल सोसाइटी 9/9/1A लुकरगंज प्रयागराज के द्वारा

नोट :- हमारे यहाँ हर समय विशेषज्ञ डॉक्टर उपलब्ध है और सभी प्रकार का इलाज कुशलता से किया जाता है।

- 150 बेड की व्यवस्था
- आई0 सी0 यू0
- एन0 आई0 सी0यू0
- आपरेशन थियेटर
- वेन्टीलेटर, वाई0 पैप
- ओ0पी0डी0
- ई0 सी0 जी0
- डिजिटल एक्स-रे
- पैथोलॉजी
- अल्ट्रासाउण्ड
- नार्मल डिलीवरी
- आपरेशन से डिलीवरी की व्यवस्था
- 24 घंटा ऑक्सीजन की सुविधा
- 24 घंटा इमरजेन्सी की सुविधा
- एम्बुलेन्स की सुविधा उपलब्ध

निर्देशक : संजय शुक्ल

सम्पर्क सूत्र : 9451181332, 9198860735

4

कालेज कोड 01083

सत्यम् शिवम् शुभम् ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स

टिकरी, धरवनपुर, प्रयागराज

सम्बद्ध प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भैय्या) विश्वविद्यालय, प्रयागराज

छात्रवृति की सुविधा भी उपलब्ध है।

Website : http.sssgroup.co.in

हेल्पलाइन नं.: 9451181332, 9198860735

संजय शुक्ल
चेयरमैन

Course
B.A., M.A., B.Sc, M.Sc., (Ag)
B.Com., M.Com., LL.B.
B.A.LL.B., B.Pharma
D.Pharma, ITI, BTC.

राजकुमारी शुक्ला
निर्देशक

1

गीता और रामचरितमानस का अध्ययन कर स्वयं के साथ करें राष्ट्र निर्माण : डॉ. उमेश पालीवाल

कानपुर। राष्ट्र निर्माण के लिए सबसे पहले स्वयं का निर्माण जरूरी है। इसके लिए युवाओं और भावी पीढ़ी को श्रीराम और भगवान श्रीकृष्ण के चरित्र से प्रेरणा लेकर गीता और रामचरितमानस का अध्ययन करना चाहिए और उनके संदेशों को जीवन में उतारना चाहिए। यह बातें बुधवार को श्रीमद्भगवद्गीता वैदिक न्यास के राष्ट्रीय अध्यक्ष डॉ. उमेश पालीवाल ने छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय में आयोजित 14वें गोस्वामी तुलसीदास जयंती समारोह के दौरान कहीं।

श्रीमद्भगवद्गीता वैदिक न्यास द्वारा पोषित एवं संचालित श्रीमद्भगवद्गीता एवं वैदिक वाङ्मय शोधपीठ, छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय (सीएसजेएमयू) और सनातन सेवा सत्संग समिति उत्तर प्रदेश के संयुक्त तत्वावधान में बुधवार को श्रावण शुक्ल सप्तमी के अवसर पर गोस्वामी तुलसीदास जयंती समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम के दौरान विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित गोस्वामी तुलसीदास की प्रतिमा का पंचोपचार पूजन और अभिषेक किया गया।

वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई सभागार में आयोजित समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्ज्वलन से हुआ। इसके बाद गणेश वंदना, श्रीमद्भगवद्गीता के 12वें अध्याय का पाठ और विनय पत्रिका का गायन किया गया। विद्यार्थियों ने गोस्वामी तुलसीदास के जीवन पर आधारित लघु नाटिका का मंचन भी किया।

समारोह में राष्ट्र उत्थान में श्रीमद्भगवद्गीता एवं श्रीरामचरितमानस

की भूमिका' विषय पर संगोष्ठी हुई। मुख्य वक्ता पंचायती अखाड़ा महानिवार्णी, मुंबई के महामंडलेश्वर स्वामी चिदम्बरानंद सरस्वती ने तुलसीदास के जीवन चरित्र और भगवान श्रीराम के आदर्शों पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि सामाजिक बुराइयों को समाप्त कर समन्वयकारी और सभ्य समाज की स्थापना करना वर्तमान समय की आवश्यकता है।

रामकृष्ण मिशन कानपुर के सचिव स्वामी नरेश्वरानंद ने कहा कि गीता को जीवन में उतारने के लिए निरहंकारी होना आवश्यक है। उन्होंने गीता को कर्मयोग की शिक्षा देने वाला ग्रंथ बताते हुए फल की इच्छा के बिना कर्म करने की भावना पर विस्तार से चर्चा की।

दिव्य प्रेम सेवा मिशन हरिद्वार के अध्यक्ष डॉ. आशीष गौतम ने कहा कि तुलसीदास ने श्रीरामचरितमानस में तत्कालीन परिस्थितियों और श्रीराम के जीवन चरित्र को समन्वित रूप में प्रस्तुत किया है। मानस में समाज, परिवार और राजधर्म की आदर्श परिकल्पना का मार्गदर्शन मिलता है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. विनय पाठक ने कहा कि विश्वविद्यालय में श्रीमद्भगवद्गीता पर शोध कार्य शोधपीठ के माध्यम से किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि भगवान श्रीराम के चरित्र को शब्दों का स्वरूप देने वाले गोस्वामी तुलसीदास की प्रतिमा विश्वविद्यालय परिसर में स्थापित होना गौरव की बात है।

डॉ. उमेश पालीवाल ने न्यास की ओर से पिछले पांच वर्षों में किए गए कार्यों की जानकारी दी। सनातन सेवा सत्संग मंडल के अध्यक्ष सुधीर भाई मिश्र ने बताया कि समिति पिछले 13 वर्षों से तुलसी जयंती सहित विभिन्न धार्मिक एवं सांस्कृतिक आयोजनों को सनातन परंपरा के अनुरूप आयोजित करती आ रही है। न्यास के केंद्रीय सचिव एवं महामंत्री परमानंद शुक्ला ने कहा कि श्रीरामचरितमानस और श्रीमद्भगवद्गीता का अध्ययन जीवन में सकारात्मक बदलाव लाता है।

वर्षा के कारण जल-जमाव वाले क्षेत्रों में प्रशासन ने तेज कराई जल निकासी

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जनपद में लगातार हो रही वर्षा के कारण विकास खण्ड कड़ा की ग्राम पंचायत गनपा तथा विकास खण्ड मूरतगंज की ग्राम पंचायत सैयद सरावा में जल-जमाव की सूचना प्राप्त होते ही जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने तत्काल संज्ञान लेते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए।

जिलाधिकारी के निर्देश पर राजस्व, ग्राम्य विकास एवं पंचायती राज विभाग की संयुक्त टीमों को दोनों स्थानों पर तत्काल भेजा गया। टीमों द्वारा मौके पर पहुंचकर जल-जमाव की स्थिति का जायजा लेते हुए जल निकासी का कार्य तेजी से कराया जा रहा है, ताकि ग्रामीणों को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

प्रशासन द्वारा वर्षा एवं जल-जमाव की स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। आमजन की सुविधा एवं सुरक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए आवश्यकतानुसार सभी जरूरी कार्रवाई सुनिश्चित की जा रही है। संबंधित अधिकारियों को भी क्षेत्र में सतर्क रहते हुए जल-जमाव वाले स्थानों पर तत्काल कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं।

महेवाघाट पुलिस द्वारा जिला बदर अभियुक्त को किया गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी । जिलाधिकारी द्वारा दिनांक 25.05.2026 को अभियुक्त मनीष सेन पुत्र चम्पा सेन निवासी ग्राम हटवा अब्बासपुर थाना महेवा घाट जनपद कौशाम्बी को जिला बदर किया गया था । इसके संबंध में अभियुक्त को नोटिस तामीला कराते हुए अवगत कराया गया था एवं नियमानुसार डुग-डुगी बजाकर गांव में प्रचार प्रसास किया गया था ।

दिनांक 18.02.2026 को थाना महेवाघाट पर मुखविर द्वारा सूचना दी गयी कि जिलाबदर अभियुक्त मनीष सेन अपने घर पर आया हुआ है । प्राप्त सूचना के आधार पर थाना महेवाघाट पुलिस टीम द्वारा अभियुक्त मनीष सेन पुत्र चम्पा सेन निवासी ग्राम हटवा अब्बासपुर थाना महेवाघाट जनपद कौशाम्बी को शाहपुर के भवनसुरी मार्ग से गिरफ्तार किया गया ।

चौपाल लगा कर आमजनमानस को पुलिस ने किया जागरूक

स्वाती मिश्रा

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस महानिदेशक द्वारा बढ़ते हुए साइबर क्राइम अपराध से बचाव के लिए सार्वजनिक स्थानों जैसे स्कूल, कॉलेजो व अन्य सार्वजनिक स्थानों में साइबर अपराध से जागरूक करने हेतु निर्देशित किया गया है । उपरोक्त क्रम मे साइबर क्राइम थाना द्वारा थाना मोहब्बतपुर पइन्सा में चौपाल लगा कर आम जनमानस को विभिन्न प्रकार के साइबर अपराध से सम्बन्धित अपराध के बारे में बताया व जागरूक किया गया और गृह मंत्रालय भारत सरकार द्वारा चलाई जा रही साईबर हेल्प लाईन नंबर 1930 वा www.cyber-crime.gov.inके बारे में जानकारी दी गई, जिस पर तत्काल कॉल वा वेबसाईट में जाकर अपनी शिकायत दर्ज कराने के बारे में जानकारी प्रदान की गई । जिससे आमजनमानस साइबर फ्रॉड से बच सकें । कार्यशाला में बताया गया कि प्रलोभन में आने के चलते लोग अपनी जिंदगी भर की कमाई खो बैठते हैं । इसलिए किसी भी प्रलोभन में न आएं । उन्होंने बैंक से संबंधित, क्यूआर कोड स्कैन, वाट्सएप हैक, ओएलएक्स के माध्यम से ठगी, केवाइसी, हनी ट्रेपिंग, डुप्लीकेट एप, आनलाइन लोन स्कैम, केबीसी, इंटरनेट मीडिया से ठगी, एटीएम, सेक्सटार्शन, कंप्यूटर संबंधी फ्राड और बचाव के संबंध में जानकारी दी गयी व साइबर ठगी होने पर 1930 पर सूचना देने की अपील की गयी । हमें जागरूक रहने की जरूरत है ।

आपसी मनमुटाव को भुलाकर एक दम्पति साथ रहने को हुए राजी

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक फतेहपुर अभिमन्यू मांगलिक महोदय के कुशल निर्देशन में परिवार परामर्श केंद्र पुलिस लाइन, जनपद फतेहपुर में पति-पत्नी के मध्य पारिवारिक विवाद से संबंधित मामलों में मध्यस्थता/ काउंसलिंग की दैनिक कार्यवाही के क्रम में बुधवार को प्रभारी निरीक्षक संगीता सिंह व काउंसलर श्रीमती साधना देवी द्वारा प्रकरण में समझौता कराया गया व सहयोगार्थ म0आ0 प्रियंका सिंह मौजूद रहीं।

दो थानों की पुलिस ने एक-एक वांछित अभियुक्त पकड़े

सबसे तेज प्रयागराज

फतेहपुर । एसपी अभिमन्यु मांगलिक के निर्देशन में वांछित/वारण्टियों की गिरफ्तारी व अपराध एवं अपराधियों के विरुद्ध चलाए जा रहे अभियान के क्रम में अपर पुलिस अधीक्षक फतेहपुर के मार्गदर्शन तथा क्षेत्राधिकारी जाफरगंज के कुशल पर्यवेक्षण में थाना लल्लौली पुलिस द्वारा बुधवार को डीपी एक्ट थाना लल्लौली की विवेचनात्मक कार्यवाही के दौरान उपरोक्त अभियोग से संबंधित वांछित अभियुक्त साहिल सिंह पुत्र मिजाजी उर्फ इन्द्रजीत सिंह निवासी ग्राम ओनई मजरे कोर्राकनक, थाना लल्लौली, जनपद फतेहपुर उम्र लगभग 21 वर्ष को शंकरपुर मोड़, थाना क्षेत्र लल्लौली से गिरफ्तार किया गया।

थाना हुसैनगंज पुलिस द्वारा अपहरण में वांछित अभियुक्त आशीष कुमार कोरी पुत्र मनोज कुमार निवासी ग्राम बनपुरवा मजरे बसोहनी थाना हुसैनगंज जनपद फतेहपुर उम्र करीब 22 वर्ष को भिटौरा बाईपास थाना क्षेत्र हुसैनगंज से गिरफ्तार किया। वादी आकिल पुत्र आस मौहम्मद निवासी ग्राम नवीनगर थाना जहांगीराबाद जनपद बुलन्दशहर ने थाना जहांगीराबाद पर उसकी 06 वर्षीय बच्ची की अभियुक्त उस्मान पुत्र अकबर निवासी ग्राम नवीनगर थाना जहांगीराबाद जनपद बुलन्दशहर द्वारा ट्यूबैल की होज में डुबा कर हत्या करने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी।

बुधवार को थाना जहांगीराबाद पुलिस टीम द्वारा घटना कारित करने वाले अभियुक्त उस्मान उपरोक्त को ग्राम नवीनगर के जंगल से गिरफ्तार किया गया हैं।

डीएम की बड़ी कार्रवाई: 75 बीघा ककरोली भूमि से 115 खातेदारों के नाम निरस्त

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। जिलाधिकारी डॉ. अमित पाल ने तहसील-चायल की ग्रामसभा-बरौलहा की सुरक्षित श्रेणी की ककरोली भूमि पर कई वर्षा से विधिविरूद्ध दर्ज खातेदारों का नाम निरस्त किया है। गांव की 75 बीघा भूमि पर खातेदारों का नाम 45 वर्षों से गैर कानूनी ढंग से दर्ज चला आ रहा था। जमींदारी उन्मूलन सन् 1952 से चकबन्दी तक कुल 23 गाटा, क्षेत्रफल 121 बीघा 14 विस्वा ककरोली खाता की भूमि दर्ज रही। विधि के अनुसार ककरोली भूमि सार्वजनिक उपयोगिता की सुरक्षित भूमि मानी गई है। ऐसी प्रकृति की भूमि धारा 77 उत्तर प्रदेश राजस्व संहिता से आच्छादित भूमि है, जिसे पट्टा नही दिया जा सकता है। किन्तु वर्ष 2006, तथा 2016 में तत्कालीन भूमि प्रबन्धक समिति द्वारा प्रस्ताव पारित कर पट्टा स्वीकृत कराया गया था। ककरोली खाते की भूमि में से करीब 75 बीघा भूमि पर नाम दर्ज कराने में खातेदार सफल रहे ।

उप जिलाधिकारी चायल प्रेरणा गौतम ने ऐसी दर्ज प्रविष्टियों को निरस्त करने के लिए स्वप्रेरणा आख्या दी है। जिलाधिकारी द्वारा सम्बन्धित पक्षों को सुनवाई का अवसर देकर 115 दर्ज खातेदारों का नाम निरस्त कर भूमि को पुनः ग्रामसभा के खाते की ककरोली भूमि दर्ज करने का आवेदन दिया गया है। इसके पूर्व भी इसी ग्राम की ककरोली भूमि लगभग 20 बीघा का नाम निरस्त कर ग्रामसभा में दर्ज कराया गया था।

बरौलहा गांव की ककरोली भूमि पर दूसरे गांव सिकन्दरपुर बजहा, इमली गांव, बुआराम का पूरा, भगवतपुर आदि के काश्तकार भी फर्जी ढंग से भूमि में नाम दर्ज कराएं है। इसी भूमि पर जनता जूनियर हाई स्कूल बरौलहा, के0पी0 डिग्री कालेज का भी नाम दर्ज है, जिसमें विद्यालय संचालित बताया गया है। सार्वजनिक उपयोगिता की सुरक्षित भूमि पर किसी भी व्यक्ति को स्वत्व हासिल नही हो सकता है। ऐसी भूमियों को चिन्हित कराकर अभिलेख दुरूस्त किए जाएंगे।

जिलाधिकारी ने अपने निर्णय की प्रति निदेशक, उच्च शिक्षा, उत्तर प्रदेश एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी को जनता जूनियर हाई स्कूल की मान्यता के सम्बन्ध में नियमानुसार विचार करने के लिए प्रेषित की गई है।

वारण्टी अभियुक्त को गिरफ्तार किया गया

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। पुलिस अधीक्षक कौशाम्बी के निर्देशन में जनपद में अपराध एवं अपराधियों के विरूद्ध चलाये गये अभियान के क्रम में थाना सराय अकिल पुलिस टीम द्वारा वारण्टी अभियुक्त ज्ञान सिंह पुत्र राम सूरत निवासी चिरारी थाना सराय अकिल जनपद कौशाम्बी को गिरफ्तार किया।

6 वर्षीय बच्ची की हत्या करने वाला शातिर अभियुक्त गिरफ्तार

सबसे तेज प्रयागराज

बुलंदशहर । मंगलवार को वादी आकिल पुत्र आस मौहम्मद निवासी ग्राम नवीनगर थाना जहांगीराबाद जनपद बुलन्दशहर ने थाना जहांगीराबाद पर उसकी 06 वर्षीय बच्ची की अभियुक्त उस्मान पुत्र अकबर निवासी ग्राम नवीनगर थाना जहांगीराबाद जनपद बुलन्दशहर द्वारा ट्यूबैल की होज में डुबा कर हत्या करने के सम्बन्ध में तहरीर दी गयी।

बुधवार को थाना जहांगीराबाद पुलिस टीम द्वारा घटना कारित करने वाले अभियुक्त उस्मान उपरोक्त को ग्राम नवीनगर के जंगल से गिरफ्तार किया गया हैं।

ट्रेनों में यात्रियों की सुरक्षा और अपराध नियंत्रण को लेकर डीजी रेलवे ने की समीक्षा

सबसे तेज प्रयागराज

लखनऊ। यात्रियों की सुरक्षा और ट्रेनों में अपराध नियंत्रण को लेकर पुलिस महानिदेशक रेलवे, उत्तर प्रदेश प्रकाश डी. ने बुधवार को राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) के अधिकारियों के साथ ऑनलाइन समीक्षा गोष्ठी की। इस दौरान विभिन्न सुरक्षा चुनौतियों की समीक्षा करते हुए अधिकारियों को प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए।

समीक्षा गोष्ठी में पुलिस महानिरीक्षक रेलवे लखनऊ रामकृष्ण भारद्वाज, अपर पुलिस अधीक्षक/स्टाफ ऑफिसर अनिल कुमार, पुलिस महानिरीक्षक रेलवे प्रयागराज एन. कोलांची सहित सभी पुलिस अधीक्षक रेलवे, क्षेत्राधिकारी रेलवे और चिन्हित थाना प्रभारी मौजूद रहे।

डीजी रेलवे ने अभ्यस्त एवं पुराने

अपराधियों के सत्यापन और निगरानी की स्थिति की समीक्षा की। हत्या, दुष्कर्म, मोबाइल चोरी और बच्चा चोरी जैसी गंभीर घटनाओं की रोकथाम के लिए प्रभावी कार्रवाई के निर्देश दिए गए। ट्रेनों में पत्थरबाजी की घटनाओं को रोकने के लिए ब्लैक स्पॉट चिन्हित कर कार्ययोजना तैयार करने को कहा गया।

जहरखुरानी की घटनाओं को गंभीरता से लेते हुए उनकी रोकथाम के लिए प्रभावी कार्ययोजना लागू करने तथा ट्रैक अवरोध की घटनाओं पर सतर्क निगरानी रखने के निर्देश दिए गए। साथ ही लंबित अभियोगों, जांच और शिकायत प्रार्थना पत्रों का विधिक तरीके से शीघ्र निस्तारण करने पर जोर दिया गया।

पुलिसिंग को पारदर्शी और प्रभावी बनाने के लिए बॉडी वार्न कैमरा और ब्लूटूथ स्पीकर जैसे आधुनिक सुरक्षा उपकरणों के संचालन की भी समीक्षा की गई।

ट्रेन में तैनात स्कार्ट ड्यूटीकर्मियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश दिए गए।

इसके अलावा ऑपरेशन मुस्कान, मिशन शक्ति, ऑपरेशन दहन, ई-सम्मन, ई-साक्ष्य और जीरो एफआईआर की प्रगति की समीक्षा करते हुए इन अभियानों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।

सड़क सुरक्षा के प्रयासों का दिखा असर, सड़क दुर्घटनाओं में उल्लेखनीय कमी

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में सड़क दुर्घटनाओं को नियंत्रित करने एवं सड़क सुरक्षा व्यवस्था को और प्रभावी बनाने के लिए किए जा रहे निरंतर प्रयासों का सकारात्मक परिणाम सामने आया है। वर्ष 2025 की तुलना में वर्ष 2026 में जनवरी से जुलाई तक सड़क दुर्घटनाओं, दुर्घटनाओं में मृतकों तथा घायलों की संख्या में उल्लेखनीय कमी दर्ज की गई है।

एडीएम फाइनेंस राकेश कुमार ने बुधवार को बताया कि उपलब्ध तुलनात्मक आंकड़ों के अनुसार जनवरी से जुलाई 2025 के दौरान जनपद में कुल 251 सड़क दुर्घटनाएं हुई थीं, जबकि वर्ष 2026 की समान अवधि में यह संख्या घटकर 179 रह गई। इस प्रकार सड़क दुर्घटनाओं में 72 मामलों की कमी अर्थात लगभग 28.7 प्रतिशत की कमी दर्ज की गई है।

इसी प्रकार वर्ष 2025 में जनवरी से जुलाई तक सड़क दुर्घटनाओं में 139 व्यक्तियों की मृत्यु हुई थी, जबकि वर्ष 2026 की समान अवधि में यह संख्या घटकर 111 रह गई। इस प्रकार दुर्घटनाओं में मृतकों की संख्या में 28 की कमी अर्थात लगभग 20.1 प्रतिशत की कमी आई है। वहीं दुर्घटनाओं में घायल व्यक्तियों की संख्या भी वर्ष 2025 के 194 से घटकर वर्ष 2026 में 153 रह गई, जो लगभग 21.1 प्रतिशत की कमी को दशार्ता है।

जिलाधिकारी ने कहा कि सड़क दुर्घटनाओं में कमी लाना केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की सामूहिक जिम्मेदारी है। यातायात नियमों का पालन, निर्धारित गति सीमा में वाहन चलाना, हेलमेट एवं सीट बेल्ट का अनिवार्य रूप से प्रयोग तथा वाहन चलाते समय सावधानी बरतना दुर्घटनाओं को रोकने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। जिला प्रशासन द्वारा सड़क दुर्घटनाओं में और अधिक कमी लाने के लिए प्रभावी एवं निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं।

कड़ा धाम पहुंचे कांग्रेस नेता, मां शीतला के दरबार में टेका माथा

ब्यूरो चीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशांबी। कांग्रेस के संगठन सृजन अभियान के तहत कड़ा ब्लॉक प्रवास पर पहुंचे कांग्रेस नेताओं ने प्रसिद्ध कड़ा धाम में मां शीतला माता के दर्शन-पूजन किए। नेताओं ने मां के दरबार में शीश नवाकर क्षेत्र की सुख-समृद्धि, शांति और जनकल्याण की कामना की।कड़ा धाम 51 शक्तिपीठों में प्रमुख आस्था केंद्र माना जाता है। धार्मिक मान्यता है कि यहां मां सती का दाहिना कर (हाथ)गिरा था। मां शीतला के दरबार में पहुंचकर कांग्रेस नेताओं ने विधिवत पूजन-अर्चन किया और मां का आशीर्वाद लिया।इस दौरान कांग्रेस के एआईसीसी प्रभारी शिव कुमार डाहरिया, प्रदेश से जिला प्रभारी राजन दुबे, कौशांबी जिलाध्यक्ष गौरव पांडेय, आशीष कुमार, पप्पू मिश्रा, तलत अजीम, बरसाती लाल पांडा, कौशलेश द्विवेदी समेत बड़ी संख्या में क्षेत्रीय लोग मौजूद रहे। नेताओं ने कहा कि मां शीतला की कृपा से सभी के जीवन में सुख, शांति और समृद्धि बनी रहे।

फर्जी नियुक्ति पत्र और वेतन पर्ची से 6.40 करोड़ का बैंक ऋण घोटाला, 12 के खिलाफ एफआईआर

अमेठी। भारतीय स्टेट बैंक की अमेठी शाखा की आंतरिक जांच में राजीव गांधी पॉलीटेक्निक, मुसाफिरखाना और ग्रामोद्योग सेवा संस्थान के नाम पर कथित फर्जी दस्तावेज तैयार कर बैंक से करीब 6.40 करोड़ रुपये का ऋण लेने का मामला सामने आया है। बैंक के मुख्य प्रबंधक राहुल सिंह ने बुधवार को मुसाफिरखाना कोतवाली में तहरीर देकर 12 लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया है। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

बैंक की तहरीर के मुताबिक 15 मार्च 2022 से 15 जून 2024 के बीच राजीव गांधी पॉलीटेक्निक और ग्रामोद्योग सेवा संस्थान के कर्मचारी बताकर अलग-अलग जिलों की एसबीआई शाखाओं से कुल 64 एक्सप्रेस क्रेडिट लोन स्वीकृत कराए गए। इनमें 11 ऋण अमेठी जिले की शाखाओं से लिए जाने की बात सामने आई है। बैंक के अभिलेखों के अनुसार कथित वित्तीय धोखाधड़ी की रकम करीब 6.40 करोड़ रुपये है। हालांकि अंतिम राशि अभिलेखों के मिलान, सत्यापन, ब्याज, शुल्क और अन्य समायोजनों के बाद निर्धारित होने

की बात कही गई है। आरोप है कि कथित फर्जी कर्मचारियों के एसबीआई खातों में पहले पॉलीटेक्निक के एचडीएफसी और बैंक ऑफ बड़ौदा के चालू खातों से डमी क्रेडिट भेजा गया। इसके बाद फर्जी नियुक्ति पत्र, वेतन पर्ची और फॉर्म-16 तैयार कर उन्हें वास्तविक दस्तावेज के रूप में प्रस्तुत किया गया। इन्हीं दस्तावेजों के आधार पर बैंक खाते खुलवाकर एक्सप्रेस क्रेडिट लोन स्वीकृत कराए गए। शुरूआत में कुछ किस्तें जमा की गईं, लेकिन बाद में कई ऋण खाते एनपीए हो गए।

तहरीर में पॉलीटेक्निक के मैनेजर अमित द्विवेदी, प्रधानाचार्य देवेंद्र प्रसाद शुक्ला, निदेशक सरोज कुमार, सहायक राहुल नायक समेत कई लोगों के नाम दर्ज हैं। अमित द्विवेदी, पुष्पा देवी, राहुल नायक और अंकित शुक्ला समेत अन्य लोगों के नाम पर ऋण स्वीकृत होने की बात कही गई है। इसके अलावा अमित कुमार पांडेय, अंकिता, अनुराज और शैलेंद्र कुमार समेत अन्य लोगों पर भी संस्थान का कर्मचारी बताकर ऋण लेने का आरोप है। बैंक ने पुलिस को कर्मचारियों की सूची, ऋण खाता विवरण, कथित फर्जी नियुक्ति पत्र, वेतन पर्ची, फॉर्म-16 की प्रतियां, बैंक स्टेटमेंट और धनराशि के लेनदेन से संबंधित फंड ट्रेल भी उपलब्ध कराया है।

भाजपा पार्षद के बेटे ने अधिवक्ता को मारी गोली

पुरानी दोस्ती के बीच पार्टी में हुआ विवाद

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। सलोरी स्थित ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज गेट के पास मंगलवार देर रात कहासुनी के दौरान अधिवक्ता को गोली मार दी गई। आरोप है कि भाजपा पार्षद के बेटे ने पिस्टल से ताबड़तोड़ कई राउंड फायरिंग की। जान बचाकर भाग रहे अधिवक्ता अंकित सिंह को दौड़ाकर गोली मारी गई, जो उनके दाहिने पैर में लगी। घायल अधिवक्ता को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। मौके से कर्नलगंज पुलिस ने पिस्टल के खोखे बरामद किए हैं। हालांकि, देर शाम तक घायल की ओर से पुलिस को तहरीर नहीं दी गई थी।

पुलिस के अनुसार, 30 वर्षीय अधिवक्ता अंकित सिंह के पिता ईश्वर शरण डिग्री कॉलेज में कर्मचारी हैं।

अंकित की भाजपा पार्षद के बेटे से पुरानी दोस्ती बताई जा रही है। सोमवार रात दोनों पक्ष के लोग पार्टी कर रहे थे। इसी दौरान किसी बात को लेकर अंकित और पार्षद के बेटे के बीच कहासुनी हो गई।

आरोप है कि विवाद बढ़ने पर पार्षद के बेटे ने पिस्टल निकालकर फायरिंग शुरू कर दी। अंकित जान बचाने के लिए भागे तो आरोपित ने उन्हें दौड़ाकर गोली मार दी। कॉलेज गेट के पास पैर में गोली लगने से अंकित लहूलुहान होकर गिर पड़े। देर रात अचानक गोलियां चलने से इलाके में अफरातफरी मच गई।

सूचना पर कर्नलगंज पुलिस मौके पर पहुंची, लेकिन तब तक आरोपित अपने साथियों के साथ फरार हो चुका था। पुलिस ने घायल को अस्पताल पहुंचाया और घटनास्थल से खोखे बरामद किए।

कर्नलगंज थाना प्रभारी संजय सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आपसी कहासुनी के दौरान गोली चलने की बात सामने आई है। घायल का निजी अस्पताल में इलाज चल रहा है। तहरीर मिलने के बाद आरोपितों के खिलाफ विधिक कार्रवाई की जाएगी।

जल भराव की समस्याओं को देखने पहुंचे डीएम संबंधित को सख्त दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा बुधवार को नगर आयुक्त सीलम सांई तेजा के साथ जार्ज टाउन पहुंचकर वहां पर अत्यधिक वर्षा की वजह से हुए जल-जमाव की स्थिति की जानकारी लेते हुए नगर निगम, गंगा प्रदूषण ईकाई एवं जल निगम को पानी के निकासी की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सीवर लाइनों का निरीक्षण करते हुए यदि कहीं पर कोई रूकावट हो, तत्काल उसको साफ करायें। उन्होंने कहा कि अस्थायी व्यवस्था के रूप में पम्पों के माध्यम से तत्काल पानी की निकासी सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि जब तक जल निकासी की स्थायी व्यवस्था न हो, तब तक पम्पों की व्यवस्था को बनाये रखें और आवश्यकतानुसार उनका संचालन सुनिश्चित करें और यह भी सुनिश्चित किया जाये कि किसी भी दशा में वहां जल-जमाव की स्थिति न होने पाये।

भारी बारिश से मऊआइमा के कई मोहल्ले जलमग्न

भाजपा जिलाध्यक्ष निर्मला पासवान ने जायजा ले शुरू कराया जल निकासी कार्य

सबसे तेज प्रयागराज

मऊआइमा। क्षेत्र में हुई भारी बारिश के कारण मंडल मऊआइमा नगर के चौहान का पूरा, सोनवा का पूरा एवं कटरा दयाराम में भीषण जलभराव की स्थिति उत्पन्न हो गई है। कई घरों में पानी भरने से आम जनजीवन पूरी तरह अस्त-व्यस्त हो गया और लोगों को भारी नुकसान का सामना करना पड़ा।

घटना की सूचना मिलते ही भाजपा जिलाध्यक्ष (गंगापार) निर्मला पासवान तत्काल प्रभावित क्षेत्रों में पहुँचीं और स्थिति का जायजा लिया। समस्या की गंभीरता को देखते हुए उन्होंने मौके से ही संबंधित प्रशासनिक अधिकारियों से फोन पर वार्ता की और तुरंत राहत कार्य शुरू करने के निर्देश दिए।

जिलाध्यक्ष की पहल पर तत्काल मौके पर जेसीबी मशीनें उपलब्ध कराई गईं, जिससे नालों की सफाई और जल निकासी का कार्य युद्धस्तर पर शुरू किया जा सका।

इस दौरान प्रभावित परिवारों को ढांढस बंधाते हुए निर्मला पासवान ने कहा, "मुश्किल की इस घड़ी में भारतीय जनता पार्टी का प्रत्येक कार्यकर्ता प्रभावित परिवारों के साथ मजबूती से खड़ा है। संकट की इस स्थिति में हर संभव सहायता उपलब्ध कराना हमारी पहली प्राथमिकता है।"

जल निकासी का कार्य शुरू होने से क्षेत्रीय नागरिकों ने राहत की सांस ली है। जिला मीडिया प्रभारी उमेश तिवारी ने बताया कि मौके पर मंडल अध्यक्ष धर्मेन्द्र पासी रामपलट पटेल,प्रकाश पटेल महेश सैनी शिव बाबू मोदनवाल संजय यादव जयप्रकाश पटेल चेयरमैन शोएब अंसारी आदि मौजूद रहे।

गंगा के बाढ़ के पानी में डूबने से युवक की मौत

सबसे तेज प्रयागराज

फाफामऊ। बहमलपुर गांव निवासी कविंद्र यादव (17) की बुधवार को गंगा कछार में बाढ़ के पानी में डूबने से मौत हो गई। वह सुबह करीब 10 बजे घर से तीन दिन पहले खोई भैंस की तलाश में निकला था। बाढ़ के पानी में डूबने की जानकारी पर परिजन और ग्रामीणों ने तलाश शुरू की। कुछ देर बाद उसका शव बरामद कर लिया गया। सूचना पर पहुंची थरवई पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया। घटना से परिवार में कोहराम मच गया।

ट्रांसफार्मर खराब, दर्जनों उपभोक्ता अंधेरे में

थरवई। गोडवा विद्युत उपकेंद्र के इस्माइलगंज फीडर में शाहजीपुर-पडिला मार्ग पर लगा 10 केवीए का ट्रांसफार्मर पांच दिनों से खराब है। बार-बार फ्यूज उड़ने से दर्जनों घरों में बिजली आपूर्ति बाधित है। उमस भरी गर्मी और बारिश के बीच उपभोक्ताओं को परेशानी हो रही है। सबसे अधिक दिक्कत पेयजल को लेकर है। संदीप कुमार शर्मा, धीरज कुमार विश्वकर्मा, मिठाई लाल, संजय पटेल, शिवधारी समेत अन्य उपभोक्ताओं ने अधिकारियों से जल्द ट्रांसफार्मर ठीक कराने की मांग की है।

वरिष्ठ पत्रकार कृपा शंकर बाजपेयी को भातृ शोक

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। वरिष्ठ पत्रकार कृपा शंकर बाजपेयी के बड़े भाई विजय शंकर बाजपेयी (78) का निधन सोमवार को दोपहर करीब 12 बजे हो गया। वे बीमार थे। उनका इलाज चल रहा था। विजय शंकर बाजपेयी बिक्री कर विभाग में प्रशासनिक अधिकारी के पद से रिटायर्ड होने के बाद तेलियरगंज के ओम गायत्री नगर मोहल्ले में रह रहे थे। उनकी अंत्येष्टि मंगलवार को करीब बारह बजे रसूलाबाद श्मशान घाट पर की गई। पत्रकार कृपा शंकर बाजपेयी के बड़े भाई विजय शंकर बाजपेयी के निधन पर स्थानीय पत्रकारों में शोक की लहर है।

गरीबी की कोई जाति नहीं, आर्थिक आधार पर मिले आरक्षण

'आरक्षण संशोधन आंदोलन' के अध्यक्ष ने सरकार से की मांग

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। आरक्षण संशोधन आंदोलन संगठन ने आरक्षण व्यवस्था को आर्थिक आधार पर लागू करने की मांग उठाई है। संगठन के अध्यक्ष राकेश मिश्रा ने प्रेस क्लब में पत्रकारों से वार्ता करते हुए कहा कि गरीबी की कोई जाति नहीं होती, इसलिए आर्थिक रूप से कमजोर प्रत्येक व्यक्ति को आरक्षण का लाभ मिलना चाहिए। उन्होंने कहा कि जाति आधारित आरक्षण से समाज में वैमनस्य बढ़ रहा है और जरूरतमंद लोगों तक इसका लाभ भी नहीं पहुंच पा रहा है। जाति आधारित आरक्षण व्यवस्था का लाभ वह मुट्ठीभर लोग ले रहे हैं, जो आर्थिक रूप से संपन्न हैं। युवाओं के लिए अलग-अलग वर्गों में आयु सीमा में अंतर को भी उन्होंने भेदभावपूर्ण बताया। राकेश मिश्रा ने कहा कि संविधान प्रत्येक नागरिक को समानता का अधिकार देता है। उन्होंने सरकार से भेदभावपूर्ण प्रावधानों और नए नियमों की समीक्षा कर समानता के आधार पर व्यवस्था लागू करने की मांग की। उन्होंने कहा कि देश के संसाधनों पर सभी नागरिकों का समान अधिकार है।

संगठन सृजन अभियान के तहत विधानसभा मंझनपुर के तीनों ब्लाकों की बैठक हुई सम्पन्न

ब्यूरो चीफ

सबसे तेज प्रयागराज

कौशाम्बी। मंझनपुर विधानसभा अन्तर्गत ब्लाक स्तरीय बैठक में संगठन सृजन अभियान के तहत छत्तीसगढ़ सरकार में पूर्व कैबिनेट मंत्री व पर्यवेक्षक शिव कुमार डहरिया ने ब्लाक अध्यक्षों और पदाधिकारियों के साथ बैठक की एवं ब्लाक से बूथ तक जमीनी स्थिति को समझा! इस दौरान शिव कुमार डहरिया ने कहा कि पार्टी नेतृत्व द्वारा चलाए जा रहे संगठन सृजन अभियान के तहत नए जिलाध्यक्ष चयन प्रक्रिया एवं ब्लाक,बूथ मण्डल के अध्यक्षों और पदाधिकारियों के साथ बैठक की और जमीनी हकीकत को जाना बैठकों के क्रम में आज विधानसभा मंझनपुर के ब्लाक कौशाम्बी, सरसावा, व कौशाम्बी में बैठक की।हमारा उद्देश्य है कि हम पार्टी को बूथ से ताकत प्रदान करें पार्टी की सबसे बड़ी प्राथमिकता संगठन को मजबूत करना, कमियों को दूर करना और बूथ स्तर पर एकजुट होकर काम करना है। पार्टी शीर्ष नेतृत्व के आवाहन पर आगामी 2027 के चुनावों को देखते हुए गांव-गांव और बूथ-बूथ तक संवाद और संगठन सृजन अभियान तेज कर दिया है, जिसके तहत प्रत्येक बूथ पर मजबूत टीम बनाने के निर्देश दिए गए हैं। कार्यक्रम में मुख्य रूप से सहप्रभारी के रूप में राजन दुबे, मनिंदर मिश्रा,मंजू संत सहित पार्टी के नेता व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

सीएम डैशबोर्ड की समीक्षा में लापरवाही पर कार्रवाई के निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। संगम सभागार में बुधवार को मुख्यमंत्री डैशबोर्ड एवं 50 लाख रुपये से अधिक लागत वाली परियोजनाओं की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अधिकारियों को परियोजनाओं की प्रगति में तेजी लाने तथा शासन की प्राथमिकताओं के अनुरूप समयबद्ध ढंग से कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए गए।

समीक्षा के दौरान मुख्यमंत्री डैशबोर्ड पर जुलाई 2026 में बी, सी एवं डी श्रेणी प्राप्त करने वाले कार्यक्रमों से संबंधित अधिकारियों तथा बैठक में अनुपस्थित अधिकारियों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए।

बैठक में परियोजना प्रबंधकों एवं अधिशासी अभियंताओं को निर्देशित किया गया कि जिन परियोजनाओं की पूर्णता तिथि बढ़ाया जाना आवश्यक है, उनके संबंध में समयबद्ध कार्रवाई की जाए। साथ ही अवमुक्त धनराशि के सापेक्ष शत-प्रतिशत व्यय सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं को संबंधित विभाग को समय से हस्तांतरित करने की कार्रवाई करने को भी कहा गया।

इस दौरान उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम लिमिटेड, उत्तर प्रदेश जल निगम (नगरीय), उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम लिमिटेड, उत्तर प्रदेश प्रोजेक्ट कॉरपोरेशन लिमिटेड, यूपी सिडको, सीएनडीएस, लोक निर्माण विभाग, सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग, नगर निगम प्रयागराज, उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण सहकारी संघ लिमिटेड लखनऊ, उत्तर प्रदेश राज्य निर्माण एवं श्रम विकास सहकारी संघ लिमिटेड, ग्रामीण अभियंत्रण सेवा, प्रयागराज विकास प्राधिकरण, उत्तर प्रदेश राज्य पर्यटन विकास निगम लिमिटेड तथा उत्तर प्रदेश जल निगम (ग्रामीण) से संबंधित परियोजनाओं की समीक्षा की गई।

मुख्यमंत्री डैशबोर्ड से संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि उनके विभाग से संबंधित वे सभी योजनाएं, जिन्हें डैशबोर्ड पोर्टल पर प्रदर्शित किया जाना है, उनकी गूगल शीट प्रत्येक माह की 20 तारीख के बाद प्रतिदिन अनिवार्य रूप से अपडेट की जाए। अधिकारियों को निदेर्शों का कड़ाई से अनुपालन सुनिश्चित करने को कहा गया।

तेज बारिश के बाद जल निकासी तेज, मंडलायुक्त ने प्रभावित क्षेत्रों का किया निरीक्षण

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। जनपद में तेज बारिश के बाद विभिन्न इलाकों में हुए जलभराव को लेकर प्रशासन ने जल निकासी अभियान तेज कर दिया है। मंडलायुक्त डॉ. लोकेश एम. ने बुधवार को नगर आयुक्त साई तेजा एवं संबंधित अधिकारियों के साथ जॉर्ज टाउन, टैगोर टाउन, संगम पेट्रोल पंप सहित अन्य प्रभावित क्षेत्रों का स्थलीय निरीक्षण किया। उन्होंने मौके पर जलभराव की स्थिति और जल निकासी की व्यवस्थाओं का जायजा लेते हुए अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए।

मंडलायुक्त ने निर्देशित किया कि जलभराव वाले क्षेत्रों में अतिरिक्त पंप लगाकर जल निकासी की गति और बढ़ाई जाए, ताकि लोगों को जल्द से जल्द राहत मिल सके। वर्तमान में जनपद में 43 पंपों के माध्यम से जल निकासी का कार्य कराया जा रहा है। इन पंपों की कुल पंपिंग क्षमता 132.50 एमएलडी है। संगम पेट्रोल पंप क्षेत्र में छह पंप लगाए गए हैं, जिनकी संयुक्त क्षमता 20 एमएलडी है। अधिकारियों को निर्देश दिया गया कि आवश्यकता के अनुसार अतिरिक्त संसाधन तत्काल उपलब्ध कराए जाएं और जलभराव वाले क्षेत्रों में लगातार निगरानी रखी जाए।

निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने यह भी निर्देश दिया कि जिन क्षेत्रों में जलभराव के कारण पेयजल की समस्या उत्पन्न हो रही है, वहां तत्काल जल निगम के माध्यम से पानी के टैंकर उपलब्ध कराए जाएं। उन्होंने कहा कि राहत एवं जल निकासी कार्य में किसी प्रकार की शिथिलता न बरती जाए।

मंडलायुक्त ने संबंधित अधिकारियों से कहा कि उपलब्ध संसाधनों का अधिकतम उपयोग करते हुए जलभराव की स्थिति को शीघ्र सामान्य किया जाए और जनपदवासियों को किसी प्रकार की असुविधा न होने दी जाए। प्रशासन की टीमें प्रभावित क्षेत्रों में लगातार जलनिकासी कार्य की निगरानी कर रही हैं।

हण्डिया पुलिस द्वारा वारण्टी अभियुक्त गिरफ्तार

राम सिंह यादव

सबसे तेज प्रयागराज

हंडिया । पुलिस उपायुक्त गंगानगर व अपर पुलिस उपायुक्त गंगानगर के कुशल पर्यवेक्षण में व सहायक पुलिस आयुक्त हण्डिया के कुशल नेतृत्व में गंगानगर-जोन के थाना हण्डिया पुलिस टीम द्वारा बुधवार को हत्या से सम्बन्धित वारण्टी अभियुक्त सुनील कुमार दुबे पुत्र पूरन दुबे निवासी ग्राम औरा थाना हण्डिया कमिश्नरेट प्रयागराज को थाना हण्डिया क्षेत्रान्तर्गत उसके निवास ग्राम औरा के पास से गिरफ्तार कर नियमानुसार अग्रिम विधिक कार्यवाही की गयी ।

गिरफ्तारी करने वाली पुलिस टीम

प्र0नि0 अनूप कुमार सरोज, थाना हण्डिया. उ0नि0 राधेश्याम गुप्ता. उ0नि0 राजन पाल, थाना हण्डिया प्रयागराज ।

करवरिया बंधुओं की जल्द रिहाई के लिए कौरवेश्वरनाथ महादेव मंदिर मे हुआ रूद्राभिषेक

सबसे तेज प्रयागराज

नवाबगंज। विगत वर्षों की भांति इस वर्ष भी पवित्र श्रावण मास में रूद्र सेना प्रयाग के तत्वावधान मे कुरेसर घाट मां गंगा के तट पर स्थित महाभारतकालीन पंचमुखी शिवलिंग मंदिर प्रांगण मे आयोजित 1100 पार्थिव शिवलिंग निर्माण पूजन एवं रूद्राभिषेक कार्यक्रम मे प्रमुख यजमान वैभव करवरिया पुत्र करवरिया पूर्व सांसद फूलपुर रहे पूजन के पश्चात मंदिर प्रांगण मे देववृक्ष पीपल भी रोपित किया रूद्र सेना प्रयाग के सैनिक एवं शिवभक्त ऊं नमः शिवाय के जाप के साथ सुबह 10 बजे से ही पार्थिव शिवलिंग निर्माण करना शुरू किए और 1100 पार्थिव शिवलिंग निर्माण के बाद पूजन तत्पश्चात अतिप्राचीन पंचमुखी शिवलिंग पर रूद्राभिषेक किया गया और भव्य आरती की गई और पार्थिव शिवलिंग का मां गंगा मे विसर्जन किया गया।

रूद्राभिषेक कार्यक्रम आचार्य सियाराम द्विवेदी के आचार्यत्व मे संपन्न हुआ रूद्राभिषेक कार्यक्रम मे प्रमुख रूप से क्षेत्रीय विधायक गुरूप्रसाद मौर्य सहकारी संघ के कौड़िहार के अध्यक्ष कृष्णचंद्र पाण्डेय पवन शुक्ल बसंतलाल उपाध्याय आनन्द पाण्डेय अनिल मिश्र कुलदीप शुक्ल सत्यम च गुप्ता रज्जन केसरवानी कृष्ण कुमार दुबे कृपाशंकर दुबे सुन्दरम मिश्र मोहित शुक्ल मुकेश मिश्र विक्रम यादव संजीव केसरवानी तेजस तिवारी सतीश पाण्डेय पवन केसरवानी विष्णु द्विवेदी नारायण द्विवेदी ओम जी मिश्र मनोज मिश्र आलोक तिवारी रमापति तिवारी सहित सैकड़ों शिवभक्त उपस्थित रहे।

मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव ने मुरादाबाद-गढ़मुक्तेश्वर रेलखंड विंडो ट्रेलिंग का किया निरीक्षण

मुरादाबाद। मंडल रेल प्रबंधक विनीता श्रीवास्तव ने बुधवार को मुरादाबाद से गढ़मुक्तेश्वर स्टेशन तक विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान रेलखंड में संरक्षा एवं सुरक्षा से संबंधित विभिन्न पहलुओं का गहनता से अवलोकन किया गया तथा संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। मंडल रेल प्रबंधक ने अमृत भारत स्टेशन योजना के अंतर्गत गढ़मुक्तेश्वर, गजरौला एवं अमरोहा स्टेशनों पर किए जा रहे पुनर्विकास कार्यों का भी गहन निरीक्षण किया।

उत्तर रेलवे के मुरादाबाद रेल मंडल में वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक महेश यादव ने बताया कि विंडो ट्रेलिंग निरीक्षण के दौरान रेल पथ की स्थिति, ट्रैक की संरक्षा, कर्व एवं टर्नआउट की स्थिति, ट्रैक के आसपास की स्थिति, समपार/लेवल क्रॉसिंग से संबंधित सुरक्षा व्यवस्थाओं, सिग्नल एवं दूरसंचार उपकरणों, ओवरहेड उपकरणों तथा रेल परिचालन से जुड़े अन्य संरक्षा मानकों का निरीक्षण किया गया। साथ ही रेल लाइन के आसपास अतिक्रमण, अनाधिकृत गतिविधियों, साफ-सफाई एवं अन्य संभावित सुरक्षा जोखिमों का भी अवलोकन किया गया।

गढ़मुक्तेश्वर स्टेशन के निकट गंगा नदी पर बने रेल ब्रिज का भी निरीक्षण किया गया। ब्रिज निरीक्षण के दौरान ब्रिज की समग्र संरचनात्मक स्थिति, रेल पथ एवं ब्रिज की स्थिति, गार्डर/सुपरस्ट्रक्चर, बेयरिंग, एक्सपेंशन ज्वाइंट तथा नदी के जलस्तर एवं बहाव से संबंधित स्थिति का अवलोकन किया गया।

डीएम ने विकास विद्यालय, आश्रम पद्धति, ईश्वर शरण आश्रम, सलोरी का किया औचक निरीक्षण

परिसर में साफ-सफाई की नियमित व्यवस्था सुनिश्चित कराये जाने के दिए निर्देश

सबसे तेज प्रयागराज

प्रयागराज। डीएम मनीष कुमार वर्मा बुधवार को मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह के साथ विकास विद्यालय, आश्रम पद्धति, ईश्वर शरण आश्रम, सलोरी का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने पीने के साफ पानी के लिए लगाए गए आर०ओ०, पानी की सप्लाई के लिए लगाई गई नई टंकियों, छात्रावास के कमरों के निरीक्षण सहित पढ़ाई की गुणवत्ता को जानने हेतु छात्रों से संवाद किया। उन्होंने छात्रो से परिचय प्राप्त करते हुए भविष्य में क्या बनना चाहते है, के लक्ष्य के बारे में भी चर्चा की। जिलाधिकारी ने प्रधानाचार्य सहित विद्यालय में कार्यरत सभी शिक्षकों को बच्चों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा देने तथा उनके अभिरूचि के अनुसार खेल-कूद की गतिविधियों को भी नियमित रूप से कराये जाने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि वहां पर नवाचार कार्यक्रमों के द्वारा बच्चों को नई-नई तकनीकों के बारे में जानकारियां दी जाये, जिससे कि वे आगे बढ़ सके। उन्होंने बच्चों से मेहनत व परिश्रम से पढ़ाई करने तथा अपने भविष्य को उज्ज्वल बनाने तथा अपने माता-पिता के सपनों को साकार करने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने जिला समाज कल्याण अधिकारी को जनपद में संचालित सभी आश्रम पद्धति विद्यालयों में समय-समय पर खेलकूद प्रतियोगिता आयोजित करवाने हेतु निर्देशित किया तथा खेल-कूद में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले बच्चों को सम्मानित कर उनका मनोबल बढ़ाये जाने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने वहां पर खेलकूद प्रतियोगिता के साथ चित्रकला, निबंध प्रतियोगिता एवं छात्र/छात्राओं के बीच नवाचार से सम्बंधित विषयों पर कार्यक्रम आयोजित कराये जाने के लिए कहा।

निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी हर्षिका सिंह ने छात्रों को गुणवत्तापूर्ण एवं मीनू के अनुसार भोजन की व्यवस्था सुनिश्चित करने हेतु निर्देषित किया। उन्होंने सभी संचालित कक्षाओं के निरीक्षण के साथ छात्रों से प्रष्न-उत्तर किया, छात्रों से भविश्य में उनके लक्ष्यों के बारे में पूछा। उन्होंने शौचालय सहित परिसर में साफ-सफाई की नियमित व्यवस्था भी सुनिश्चित कराये जाने के लिए कहा। इस अवसर पर नगर मजिस्टेज्ट विनय कुमार सिंह, जिला समाज कल्याण अधिकारी राम शंकर पटेल, प्रभारी क्षेत्रीय क्रीड़ा अधिकारी सहित अन्य सम्बंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

संपादकीय

आस्था का मंदिर क्यों बन जाता है मौत का कुआँ?

सभ्यता के विकास के साथ ही भारत में मंदिर, चेतना और आध्यात्मिक शांति के सर्वोच्च केंद्र रहे हैं। जब एक आम श्रद्धालु अपने घर से किसी भी तीर्थस्थल की ओर कदम बढ़ाता है, तो उसके मन में केवल अगाध श्रद्धा, आत्मिक संतोष और ईश्वर के दर्शन की लालसा होती है। लेकिन क्या वजह है कि हाल के वर्षों में भारत के, और विशेषकर बिहार के पवित्र धार्मिक परिसर अचानक मौत के कुएँ में तब्दील हो जाते हैं? क्यों आस्था के जयकारों के बीच अचानक चीखें, रुदन और अपनों को खोने का हाहाकार गूंजने लगता है? बिहार के लखीसराय स्थित अशोकधाम मंदिर में सावन के पावन महीने में घटित हुई ताजा विभीषिका ने एक बार फिर हमारी व्यवस्था के खोखलेपन, प्रशासनिक ढुलमुल रवैये और आपदा प्रबंधन के दावों की धंज्जियाँ उड़ाकर रख दी हैं। एक ऐसे समय में जब विज्ञान और तकनीकी प्रबंधन के जरिए दुनिया लाखों-करोड़ों की भीड़ को उंगली पर नचा सकती है, हमारे यहाँ त्योहारों और धार्मिक अवसरों पर उमड़ने वाली भीड़ को भगवान भरोसे छोड़ दिया जाता है। यह हादसा कोई पहला नहीं है और न ही अप्रत्याशित है; यह उन दर्जनों चेतावनियों की कड़वी कड़ी है जिन्हें नजरअंदाज करने की हमें आत्मघाती आदत हो चुकी है।

सावन मास के तीसरे सोमवार की सुबह, जब पूरा देश सूर्योदय के साथ महादेव के जलाभिषेक की तैयारी कर रहा था, लखीसराय का इंद्रदमनेश्वर महादेव (अशोकधाम) मंदिर परिसर चीखों से दहल उठा। सावन के इस पवित्र सोमवार पर बाबा भोलेनाथ पर जल चढ़ाने के लिए करीब 50,000 श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी हुई थी। मंदिर परिसर खचाखच भरा हुआ था, कतारें किलोमीटर लंबी थीं और प्रशासनिक चौकसी सिर्फ कागजों तक सीमित थी। सुबह करीब 6:30 से 6:45 के बीच जब यह हादसा हुआ, तो इसके कारणों को लेकर प्रशासन और जमीनी हकीकत यानी चश्मदीदों के बयानों में एक बड़ा विरोधाभास देखने को मिला।

लखीसराय के जिलाधिकारी शैलेंद्र कुमार और पुलिस प्रशासन का तर्क है कि सुबह के समय दो स्थानीय रेलगाड़ियों के अशोकधाम हॉल्ट पर पहुँचने से श्रद्धालुओं का दबाव अचानक अप्रत्याशित रूप से बढ़ गया था। प्रशासन के अनुसार, पुरुषों की कतार के दाहिनी ओर स्थित एक बिजली का खंभा अचानक गिर गया, जिससे भीड़ में यह अफवाह फैल गई कि कतार पर बिजली का चालू तार गिर गया है, जबकि वह केवल एक केबल वायर था। इसी अफवाह के बीच कुछ युवकों ने जबरन आगे बढ़ने की कोशिश में बैरिकेडिंग तोड़ दी, जिससे कतार में खड़ी महिलाएं एक-दूसरे के ऊपर गिर गईं और भगदड़ मच गई। इस भीषण कुप्रबंधन और हादसे में 8 श्रद्धालुओं की मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई, जबकि 12 से ज्यादा लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मारे गए लोगों में महिलाओं की संख्या अधिक थी, जो कतारों में खड़ी थीं। इस पूरी घटना ने यह साफ कर दिया कि जब बुनियादी बिजली सुरक्षा, बैरिकेडिंग की मजबूती और भीड़ नियंत्रण जैसे प्राथमिक इंतजाम ही दुरुस्त न हों, तो प्रशासनिक दावों की पोल खुलने में चंद सेकंड ही लगते हैं।

लखीसराय की यह त्रासदी कोई अकेली घटना नहीं है, बल्कि बिहार में पिछले कुछ वर्षों में धार्मिक स्थलों पर सुरक्षा के मोर्चे पर हुई आपराधिक लापरवाहियों का एक लंबा और खूनी इतिहास रहा है। यदि हम अतीत के पन्नों को पलटें, तो पाएंगे कि हर हादसे का ढर्रा बिल्कुल एक जैसा रहा है—भीड़ का अत्यधिक जुटना, किसी अफवाह या दुर्घटना का होना, और अंततः प्रशासन का लाचार होकर हाथ खड़े कर देना। उदाहरण के लिए, 12 अगस्त 2024 को जहानाबाद जिले के मखदूमपुर में स्थित बराबर पहाड़ी पर बने प्राचीन बाबा सिद्धनाथ मंदिर में ऐसी ही एक भयावह भगदड़ मची थी। सावन के सोमवार के अवसर पर ही आधी रात के बाद करीब 1:00 से 1:30 बजे के बीच यह हादसा हुआ था। पहाड़ी की संकरी सीढ़ियों और रास्तों पर हजारों श्रद्धालु जल चढ़ाने के लिए ऊपर चढ़ रहे थे, जबकि दर्शन कर चुके सैकड़ों लोग नीचे उतर रहे थे। आने और जाने का रास्ता एक होने और बेहद संकरा होने के कारण दबाव पहले से ही चरम पर था। इसी बीच स्थानीय फूल विक्रेताओं के बीच किसी बात को लेकर लाठी-डंडों से मारपीट हो गई, जिसे भीड़ ने पुलिस का लाठीचार्ज समझ लिया। इस एक अफवाह ने पहाड़ी पर मौत का तांडव शुरू कर दिया और लोग अंधेरे में संकरी सीढ़ियों पर एक-दूसरे को कुचलते हुए भागने लगे, जिससे 7 निर्दोष श्रद्धालुओं की जान

ईरान के चक्रव्यूह में फंसे ट्रंप

तनवीर जाफरी

पूरे विश्व की निगाहें इस समय अमेरिका -ईरान के मध्य चल रहे तनावपूर्ण हालात पर लगी हुई है। इस्राईल के प्रधानमंत्री बेंजमिन नेतन्याहू ने अपने छल से राष्ट्रपति ट्रंप को ईरान से एक ऐसे युद्ध में उलझा दिया है जिससे ट्रंप के लिये बड़ी परेशानी खड़ी हो गयी है। विश्व इतिहास में यह पहला मौका है जबकि ईरान जैसा देश प्रत्येक मोर्चों पर अमेरिका को बराबर की चुनौती दे रहा है। नतीजतन ट्रंप के गलत फैसलों से अब अमेरिकी सेना के जवान भी ऊब चुके हैं। पिछले दिनों अमेरिकी नौसेना के एक परमाणु ऊर्जा संचालित सुपर-कैरियर विमानवाहक पोत यूएसएस अब्राहम लिंकन उश्ठ-72 को लेकर एक ऐसी खबर आई जिसने पूरी दुनिया को हैरानी में डाल दिया। यह युद्धपोत 21 नवंबर 2025 को सैन डिएगो, कैलिफोर्निया से अपनी निर्धारित यात्रा पर निकला था। शुरूआत में इसे प्रशांत क्षेत्र और दक्षिण चीन सागर में तैनात किया जाना था, लेकिन जनवरी 2026 में इस्राईल -अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध छिड़ जाने के बाद इसे अचानक पश्चिम एशिया/अरब सागर की ओर मोड़ दिया गया। इस युद्धपोत पर लगभग 5,000 नौसैनिक और मरीन तैनात हैं। इन नौसैनिकों ने समुद्र में लगातार 250 से अधिक दिन बिताए हैं, जिसमें से करीब 200 दिन बिना किसी ह्यपोर्ट कॉलह्ल अर्थात बिना किसी बंदरगाह पर रुके हुये बीते हैं, जो आधुनिक अमेरिकी नौसेना के इतिहास में एक रिकॉर्ड है। नौसैनिकों व मरीन की इस तैनाती को मूल रूप से मई 2026 में समाप्त होना था, लेकिन ईरान के साथ जारी जंग के कारण इसे बार-बार आगे बढ़ाया गया, जिससे सैनिकों की घर वापसी अनिश्चित हो गई। सैनिकों में पैदा हुये इसी अत्यधिक मानसिक दबाव के चलते कम से कम 6 नौसैनिकों ने युद्धपोत से समुद्र में कूदकर जान देने यानी आत्महत्या करने की कोशिश की, जिन्हें उन्हीं के सैनिक साथियों द्वारा समय रहते बचा लिया गया। इस घटना को लेकर पूरी दुनिया में बड़ी चर्चा छिड़ गई है।

माइक लेविन जैसे कई अमेरिकी सांसदों और मरीन सैनिकों के परिवारों ने भी यह खुलासा किया कि युद्धपोत पर जीवन नरक जैसा हो गया है। कई हफ़्तों तक जहाज पर गर्म पानी नहीं मिलता और टॉयलेट्स व शावर आदि खराब हो चुके हैं। लॉन्ड्री सुविधा बंद रहने से सैनिक गंदे कपड़े पहनने को मजबूर हैं। युद्धपोत पर भोजन और जरूरी सामानों की भारी कमी हो गई, यहाँ तक कि राशन कम होने पर सैनिकों को भोजन में बेहद कम व सीमित मात्रा दी जा रही है। और तो और युद्ध के कारण आपूर्ति श्रृंखला बाधित होने से बहरीन जैसे अमेरिकी ठिकानों से जहाज तक रसद पहुँचाना भी मुश्किल हो गया है। इस हादसे,अमेरिकी सांसदों के दबाव और परिवारों के आक्रोश के बाद अब अमेरिकी नौसेना के कार्यवाहक सचिव हंग काओ ने घोषणा की है कि युद्धपोत को अब रोटेशन प्लान के तहत वापस बुलाया जा रहा है। मिडिल ईस्ट में इसकी जगह लेने के लिए दूसरे विमानवाहक पोत यूएसएस जॉर्ज वाशिंगटन को भेजा जा रहा है ताकि थके हुए सैनिकों को राहत मिल सके। परन्तु इस खबर ने वर्तमान समय में अमेरिकी सैनिकों की उबावपूर्ण स्थिति तो उजागर कर ही दी है। उधर ईरान की तरफ से संभावित खतरे के संदेह में राष्ट्रपति ट्रंप द्वारा अंतिम समय में विमान बदलने से जुड़ी हुई एक हैरतअंगेज खबर सामने आई।

वॉशिंगटन पोस्ट के अनुसार पिछले महीने तुर्की में नेटो शिखर सम्मेलन से निकलते समय ट्रंप ने गुपचुप तरीके से अपना विमान बदल लिया था।

दिमागी नक्सल की बहस

महेन्द्र तिवारी

स्वतंत्रता का अर्थ केवल विदेशी शासन से मुक्ति नहीं है। स्वतंत्रता का सबसे गहरा अर्थ मनुष्य की चेतना की स्वतंत्रता है। एक स्वतंत्र नागरिक वह है जो अपने विवेक से सोच सके, प्रश्न पूछ सके, किसी विचार को केवल इसलिए स्वीकार न करे कि उसे किसी प्रभावशाली व्यक्ति, संगठन या भीड़ ने सही बताया है और आवश्यकता पड़ने पर अपने प्रिय विचार की भी आलोचना कर सके। इसलिए 15 अगस्त 2026 को लाल किले की प्राचीर से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा प्रयुक्त दिमागी नक्सल शब्द को केवल राजनीतिक आरोप या राजनीतिक विवाद के रूप में देखना इस पूरे प्रसंग को बहुत छोटा कर देना होगा। इसके भीतर एक बड़ा और अधिक महत्वपूर्ण प्रश्न छिपा हैः क्या आज का युवा वास्तव में स्वयं सोच रहा है या किसी राजनीतिक, सामाजिक अथवा आभासी समूह द्वारा तैयार की गई प्रतिक्रिया को अपनी स्वतंत्र चेतना समझ रहा है?

प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि हथियारी नक्सलवाद की चुनौती काफी हद तक समाप्त हो चुकी है, लेकिन दिमागी नक्सल अवसर की तलाश में हैं और समाज को हिंसा तथा अराजकता की ओर ले जाने के रास्ते खोजते हैं। उन्होंने ऐसे लोगों को पहचानने और अलग-थलग करने तथा युवा पीढ़ी को विकसित राष्ट्र की मुख्यधारा से जोड़ने की बात कही। यह वक्तव्य स्वाभाविक रूप से राजनीतिक बहस का विषय बना है। सत्ता पक्ष ने इसे वैचारिक नक्सलवाद के विरुद्ध चेतावनी माना, जबकि विपक्ष के कुछ नेताओं ने इसे सरकार के आलोचकों को निशाना बनाने वाली भाषा बताया।

लेकिन लोकतांत्रिक समाज के लिए इससे भी बड़ा प्रश्न यह है कि विचारों पर किसी एक पक्ष का अधिकार कैसे स्थापित होता है। यदि कोई व्यक्ति सरकार की प्रत्येक बात को बिना जांचे स्वीकार करता है, तो वह स्वतंत्र चिंतक नहीं है। यदि कोई व्यक्ति सरकार की प्रत्येक बात का केवल इसलिए विरोध करता है क्योंकि वह सरकार का विरोधी है, तब भी उसकी चेतना स्वतंत्र नहीं कही जा सकती। समर्थन और विरोध दोनों के पीछे यदि विवेक के स्थान पर पूर्वनिर्धारित प्रतिक्रिया काम कर रही है, तो दोनों स्थितियों में व्यक्ति किसी न किसी तैयार वैचारिक पटकथा का पात्र बन जाता है।

आज के समय में यह समस्या और जटिल हो गई है। पहले विचारों को प्रभावित करने के लिए राजनीतिक सभाएं, समाचार पत्र, पुस्तकें और संगठन प्रमुख माध्यम हुआ करते थे। अब मनुष्य के हाथ में ऐसा उपकरण है जो चौबीसों घंटे उसके सामने विचार, समाचार, चित्र और प्रतिक्रियाएं प्रस्तुत करता रहता है। सामाजिक माध्यमों की आभासी दुनिया में एक ही विचार बार बार दिखाई देने लगता है तो व्यक्ति को लगने लगता है कि यही सर्वमान्य सत्य है। किसी घटना की पूरी जानकारी प्राप्त करने के बजाय उसके कुछ क्षणों के दृश्य देखकर प्रतिक्रिया देना सामान्य होता जा रहा है। कई बार व्यक्ति समाचार नहीं पढ़ता, केवल उस समाचार पर किसी पसंदीदा व्यक्ति की प्रतिक्रिया पढ़कर अपनी राय बना लेता है।

यहीं स्वतंत्र चिंतन की वास्तविक परीक्षा शुरू होती है। स्वतंत्र चिंतन

का अर्थ यह नहीं कि व्यक्ति किसी विचारधारा से जुड़ा ही न हो। विचारधारा मनुष्य को सामाजिक और राजनीतिक प्रश्नों को समझने का ढांचा देती है। समस्या तब उत्पन्न होती है जब विचारधारा प्रश्न पूछने की क्षमता को ही समाप्त कर देती है। जब व्यक्ति अपने पक्ष की गलती को गलती मानने से इंकार कर दे और दूसरे पक्ष की सही बात को भी केवल इसलिए अस्वीकार कर दे कि वह दूसरे पक्ष से आई है, तब विचार स्वतंत्र नहीं रह जाता।

युवा पीढ़ी के संदर्भ में यह प्रश्न और गंभीर है। युवा ऊर्जा किसी भी राष्ट्र की सबसे बड़ी शक्ति हो सकती है, लेकिन वही ऊर्जा गलत दिशा में जाने पर भीड़ की शक्ति बन सकती है। किसी आंदोलन में शामिल होना अपने आप में गलत नहीं है। सत्ता से प्रश्न करना लोकतंत्र का आवश्यक हिस्सा है। अन्याय के विरुद्ध आवाज उठाना नागरिक कर्तव्य भी हो सकता है। लेकिन किसी भी आंदोलन में शामिल होने से पहले यह पूछना आवश्यक है कि उसका उद्देश्य क्या है, उसके तथ्य क्या हैं, उसके साधन क्या हैं और उसके परिणाम क्या होंगे। केवल इसलिए किसीनारे को अपना लेना कि हजारों लोग उसे दोहरा रहे हैं, स्वतंत्र चेतना का प्रमाण नहीं है।

इसी प्रकार राष्ट्रहित के नाम पर भी विवेक को त्याग देना उचित नहीं है। देशभक्ति का अर्थ यह नहीं कि नागरिक सरकार के हर निर्णय को सही माने। लोकतंत्र में सरकार और राष्ट्र एक ही चीज नहीं हैं। सरकार बदल सकती है, नीतियां बदल सकती हैं, राजनीतिक दल बदल सकते हैं, लेकिन राष्ट्र और संविधान की संस्थाएं बनी रहती हैं।

इसलिए सरकार की आलोचना को राष्ट्रविरोध मान लेना भी उतना ही खतरनाक है जितना राष्ट्रहित के नाम पर हिंसा या अराजकता को उचित ठहराना।

प्रधानमंत्री के उसी भाषण का दूसरा पक्ष इसलिए अधिक महत्वपूर्ण हो जाता है। उनका संबोधन केवल दिमागी नक्सल शब्द तक सीमित नहीं था। उसका बड़ा हिस्सा 2047 तक विकसित भारत बनाने के संकल्प और राष्ट्र की विभिन्न शक्तियों को संगठित करने की दृष्टि पर केंद्रित था। उन्होंने शक्ति की सप्तधारा के माध्यम से निर्माण शक्ति, कृषि और खाद्य उत्पादन, प्रौद्योगिकी और नवाचार, गति शक्ति, रक्षा शक्ति, हरित और समुद्री अर्थव्यवस्था तथा भारत की सांस्कृतिक और वैश्विक प्रभाव शक्ति को आगे बढ़ाने की बात रखी।

यहां एक महत्वपूर्ण बात सामने आती है। विकसित भारत केवल सरकार की योजनाओं से नहीं बन सकता। वह तभी बनेगा जब देश के नागरिकों में विचार करने, सृजन करने, प्रश्न पूछने और नई राह खोजने की क्षमता होगी। प्रधानमंत्री ने स्वयं अपने भाषण में कहा कि कई बार संसाधनों की कमी से अधिक बड़ी बाधा सोच की सीमाएं होती हैं। उन्होंने आत्मनिर्भरता, ऊर्जा, प्रौद्योगिकी और उत्पादन जैसे क्षेत्रों में सोच का विस्तार करने की आवश्यकता पर बल दिया।

इसलिए दिमागी नक्सल शब्द की बहस को यदि व्यापक संदर्भ में देखा जाए तो हमें केवल यह नहीं पूछना चाहिए कि प्रधानमंत्री ने किसे यह कहा। हमें यह भी पूछना चाहिए कि हमारी युवा पीढ़ी को ऐसी कौन सी शिक्षा और सामाजिक चेतना दी जा रही है जिससे वह किसी भी विचार को आंख बंद करके स्वीकार न करे। उसे यह सिखाना होगा कि प्रश्न करना विद्रोह नहीं है, प्रमाण मांगना अविश्वास नहीं है और असहमति राष्ट्रद्रोह नहीं है। साथ ही यह भी सिखाना होगा कि हिंसा, अराजकता और विध्वंस को विचार की स्वतंत्रता का नाम नहीं दिया जा सकता।

स्वतंत्र चिंतन की सबसे बड़ी कसौटी यह है कि व्यक्ति अपने विरोधी की बात सुनने की क्षमता रखता हो। यदि कोई सरकार समर्थक युवक अपने प्रिय नेतृत्व की गलतियों को स्वीकार कर सकता है, तो वह स्वतंत्र चिंतन की दिशा में है। यदि कोई सरकार विरोधी युवक अपने विरोधी पक्ष की अच्छी नीति को स्वीकार करने का साहस रखता है, तो वह भी स्वतंत्र चिंतन की दिशा में है। सत्य किसी राजनीतिक दल का निजी स्वामित्व नहीं है।

आज आवश्यकता ऐसी युवा चेतना की है जो नारों से अधिक तथ्यों को महत्व दे, उत्तेजना से अधिक तर्क को महत्व दे और भीड़ से अधिक विवेक को। जिस युवक को हर विषय पर तुरंत क्रोध आता है, उसे शायद सबसे पहले रुककर सोचना चाहिए कि यह क्रोध उसका अपना है या किसी और ने उसके भीतर पैदा किया है। जिस युवक को हर प्रश्न का उत्तर पहले से मालूम है, उसे कभी कभी स्वयं से यह पूछना चाहिए कि उसने वास्तव में विचार किया है या केवल किसी तैयार उत्तर को स्वीकार किया है।

भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए केवल मजबूत कारखाने, तेज सड़कें, आधुनिक रक्षा व्यवस्था, नई ऊर्जा और उन्नत प्रौद्योगिकी पर्याप्त नहीं होंगी। इन सबके पीछे स्वतंत्र मस्तिष्क चाहिए। हमें ऐसे नागरिक चाहिए जो प्रयोग कर सकें, असफल हो सकें, फिर उठ सकें और नई राह बना सकें। हमें ऐसे युवा चाहिए जो अपने समय के प्रश्नों को समझें, लेकिन किसी विचारधारा के बंद कमरे में कैद न हो जाएं।

इस दृष्टि से दिमागी नक्सल की बहस का सबसे सार्थक निष्कर्ष किसी व्यक्ति या समूह को दोषी ठहराना नहीं, बल्कि अपनी चेतना की जांच करना होना चाहिए। कहीं ऐसा तो नहीं कि हम स्वयं भी किसी तैयार पटकथा के पात्र बन चुके हैं? कहीं ऐसा तो नहीं कि हम जिस विचार को अपना मौलिक विचार समझ रहे हैं, वह लगातार दोहराई गई किसी राजनीतिक या सामाजिक प्रतिक्रिया का परिणाम है?

सरकार ये नए युग की नई पीढ़ी का आंदोलन है अब रहे सावधान

प्रदीप शर्मा

यह अब नए युग और नई पीढ़ी का इंकलाब है। यदि ये युवा और छात्र संसद भवन के करीब जा सकते हैं अथवा रांची में विधानसभा की दहलीज पर जाकर बैठ सकते हैं और कुछ युवा विधानसभा भवन के परिसर तक पहुंच सकते हैं, तो ऐ सत्ताधीशो! सावधान, सचेत, सतर्क हो जाओ। यह पीढ़ी कहीं तक भी घुस सकती है! किसी भी सत्ता की चूलें हिला सकती है! कोई अप्रत्याशित घटना सामने आ सकती है! आप चुने हुए मुख्यमंत्री हो या मंत्री अथवा विधायक-सांसद हो, जनता ने ही आपको चुना है, जनता के ही नए प्रतिनिधि आपका निर्वाचन खारिज कर आपको सत्ता से बेदखल कर सकते हैं! झारखंड की राजधानी रांची के युवा, छात्र आंदोलन ने साबित कर दिया है कि कंटीली तारों वाले बैरिकेड्स भी इस पीढ़ी के उग्र कदमों को रोकने में असमर्थ हैं। उन पर पानी की तेज, मोटी बौछार करो, तो ये युवा शैंपो के साथ नहाने लगते हैं, होली का आनंद लूटने लगते हैं, मस्ती में नाचने लगते हैं। पुलिस का खौफ और आंसू गैस के गोलों की चुभन, दहशत और चोट की आशंकाएं सब कुछ हवा हो रहा है।

इस पीढ़ी को पुलिसिया लाठियां झेलने का अभ्यास हो गया है। अब एक लाठी शरीर पर पड़ती है, तो ये युवा जन गण मन गाने लगते हैं, लेकिन रांची की जेन जी ने यह भी साबित कर दिया है कि वे वर्दी का सम्मान करेंगे, पुलिसवालों को घेर कर नहीं पीटेंगे, उनके सिरों पर

जानलेवा हमले नहीं करेंगे। हालांकि कुछ जूते-चप्पल और पानी की बोतलें रांची आंदोलन में भी पुलिसियों की ओर उछाली गईं। अलबत्ता दिल्ली के जंतर-मंतर और रांची के छात्र आंदोलन में यही बुनियादी, व्यावहारिक और मानसिक फर्क है। रांची के छात्र, युवा आंदोलन की खूबसूरती यह रही है कि जेन जी ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन या किसी भी मंत्री का इस्तीफा नहीं मांगा। एक ही बुनियादी मांग है कि झारखंड लोक सेवा आयोग, कर्मचारी चयन आयोग में जिस तरह नौकरियों का बाजार सजा है, सरकारी पदों की बाकायदा रेटलिस्ट मौजूद, घोषित है, उसके मद्देनजर सीबीआई जांच कराई जाए।

हालांकि प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने खुद संज्ञान लेकर इस बाजार और आर्थिक लूटमारी की जांच करना तय किया है। नतीजतन दलालों और भ्रष्टाचारी चेहरों के बैंक खातों, अर्जित आय, लाखों-करोड़ों के लेन-देन, खरीद-फरोख्त के तमाम काले सच सामने आ सकते हैं! शायद मुख्यमंत्री सोरेन इन केंद्रीय जांच एजेंसियों की रणनीति जानते हैं, वह कुछ माह जेल में बिता चुके हैं, लेकिन आंदोलन के मद्देनजर सोरेन सरकार राजनीतिक प्रतिष्ठा दांव पर है।

सरकार के इकबाल और उसकी न्यायशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। मुख्यमंत्री खुद शिक्षा मंत्री भी हैं, लिहाजा क्या वह सीबीआई जांच में बेनकाब होने से डर रहे हैं? नौकरियों के बाजार में 20 लाख से 1 करोड़ रुपए तक की जो रेटलिस्ट सार्वजनिक हुई है, मुख्यमंत्री उस पर स्पष्टीकरण अथवा खंडन जारी क्यों नहीं कर रहे? एक चुनाव जीत कर और मुख्यमंत्री बनकर कोई राजा-महाराजा नहीं बन सकता और जनता को कीड़े-मकौड़े समझने की गलती नहीं कर सकता। इस आंदोलित पीढ़ी ने राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री को देश छोड़ कर भागने को विवश किया है। बेशक भारत में ऐसे उदाहरण नहीं हैं, लेकिन अब देश के विभिन्न हिस्सों में उग्र और गुस्सैल युवा पीढ़ी के आंदोलनों की खबरें आ रही हैं। कल भारत में भी, कुछ भी, अप्रत्याशित और अनहोनी घटनाएं सामने आ सकती हैं। क्या इन हालात को नजरअंदाज किया जा सकता है। रांची में युवा, छात्र सरकार के फैसलों को सतही, दिखावा मान रहे हैं, तो खुद मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन आंदोलनकारी युवाओं के पास क्यों नहीं चले जाते? अहंकार किस बात का है। आवास और सिंहासन अस्थायी हैं। विधानसभा भवन तक के मार्च में बिहार, बंगाल से लाए गए भाजपा कार्यकर्ता भी शामिल थे, ऐसे उथले, कुतर्की बयानों से युवाओं का यह इंकलाब अब शांत नहीं किया जा सकता। ये सभी देश के नागरिक और बच्चे हैं, लिहाजा उन्हें दुत्कारा नहीं जा सकता। बेरोजगारी ऐसा विकराल मुद्दा है कि युवा, छात्र इंसाफ हासिल करने को कुछ भी करने की नौबत तक बढ़ सकते हैं। मुख्यमंत्री सोरेन और जिन राज्यों में ऐसे इंकलाब दपदपा रहे हैं, वे होश में आएं और इस जेन जी को न्याय देने की सार्थक कोशिशें करें। युवाओं की मांगों को संबोधित किया जाना चाहिए, यही देश के हित में होगा।

कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने झारखंड में छात्रों के प्रदर्शन के सिलसिले में राज्य के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन को पत्र लिखकर आग्रह किया कि वह प्रदर्शनकारी छात्रों के प्रतिनिधियों से व्यक्तिगत रूप से मुलाकात करें और उनके मुद्दे के समाधान के लिए उचित कदम उठाएं।

पुस्तकें बिकती हैं, पाठकीयता नहीं

डॉ. विजय गर्ग

किताब छापी जा सकती है, प्रदर्शित की जा सकती है, उसका विज्ञापन किया जा सकता है, उस पर छूट दी जा सकती है और उसे बेचा जा सकता है। लेकिन पाठकीय संस्कृति केवल विपणन के माध्यम से पैदा नहीं की जा सकती। कोई पुस्तक पाठक की अलमारी तक तो पहुँच सकती है, लेकिन यह जरूरी नहीं कि वह उसके मन और विचारों तक भी पहुँचे। किसी पुस्तक की वास्तविक सफलता केवल उसकी बिक्री के आंकड़ों में नहीं, बल्कि इस बात में है कि कितने लोगों ने उसे पढ़ा, उसके विचारों पर चिंतन किया और उन्हें अपने जीवन में उतारने का प्रयास किया।

आज का प्रकाशन उद्योग अत्यंत प्रतिस्पर्धी हो गया है। प्रकाशक, लेखक और पुस्तक विक्रेता स्वाभाविक रूप से बिक्री, लोकप्रियता, रैंकिंग और व्यावसायिक सफलता पर ध्यान देते हैं। आकर्षक आवरण, प्रचार अभियान, सोशल मीडिया पोस्ट और ऑनलाइन प्लेटफॉर्म ने पुस्तकों को पहले की तुलना में अधिक सुलभ बना दिया है। फिर भी एक विरोधाभासी स्थिति सामने आ रही है—पुस्तकों की उपलब्धता बढ़ रही है, लेकिन निरंतर और गंभीर पढ़ने की आदत कई चुनौतियों का सामना कर रही है।

स्मार्टफोन और छोटे डिजिटल कंटेंट के बढ़ते प्रभाव ने लोगों के सूचना ग्रहण करने के तरीके को बदल दिया है। अनेक युवा वीडियो, सुर्खियों और छोटी-छोटी पोस्ट को तेजी से देखने और आगे बढ़ जाने के अभ्यस्त हो रहे हैं। किसी लंबे अध्याय को पढ़ने के लिए धैर्य, एकाग्रता और मानसिक सहभागिता की आवश्यकता होती है। छोटी डिजिटल क्लिप के विपरीत पुस्तक हमेशा तत्काल मनोरंजन या उत्तेजना प्रदान नहीं करती। वह पाठक से समय और ध्यान मांगती है।

यहीं पुस्तक बेचने और पाठक बनाने के बीच का अंतर महत्वपूर्ण हो जाता है।

कोई व्यक्ति किसी पुस्तक को सिफारिश, बेस्टसेलर के लेबल या आकर्षक विज्ञापन से प्रभावित होकर खरीद सकता है। लेकिन खरीदना केवल शुरूआत है। वास्तविक परिवर्तन तब होता है जब पाठक पुस्तक खोलता है, उसके विचारों से जुड़ता है, उन पर विचार करता है और अगली पुस्तक पढ़ने की इच्छा विकसित करता है। एक सच्ची पाठकीय संस्कृति धीरे-धीरे विकसित होती है—जिज्ञासा, पारिवारिक वातावरण, पुस्तकालयों, विद्यालयों और पुस्तकों पर सार्थक बातचीत के माध्यम से।

इस प्रक्रिया में विद्यालयों की भूमिका विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। पढ़ने को केवल परीक्षा की आवश्यकता के रूप में नहीं देखा जाना चाहिए। विद्यार्थियों को पाठ्यपुस्तकों से आगे बढ़कर कहानियाँ, जीवनियाँ, विज्ञान की पुस्तकें, इतिहास, यात्रा-वृत्तांत, कविता और उनकी आयु के अनुरूप साहित्य पढ़ने के लिए प्रेरित किया जाना चाहिए। जब पढ़ना केवल परीक्षा से जुड़ जाता है, तो वह बोझ जैसा लग सकता है।

वंदेमातरम क्यों बना राजनीतिक विवाद का विषय?

सौरभ वार्ष्णेय

वंदेमातरम केवल दो शब्दों का उच्चारण नहीं है। यह भारत के स्वतंत्रता संग्राम की स्मृतियों, राष्ट्रभक्ति की भावना और उस दौर के संघर्ष का महत्वपूर्ण प्रतीक रहा है। यह एक ऐसी ऊर्जा है जिसके गायन से देशभक्ति से वातावरण भी गुंजायमान हो जाता है। जिस गीत ने अंग्रेजी शासन के विरुद्ध भारतीयों में आत्मविश्वास और राष्ट्रीय चेतना जगाने में भूमिका निभाई, वह आज राजनीतिक बहस और विवाद का विषय बन गया है। सवाल यह नहीं है कि वंदेमातरम् का सम्मान होना चाहिए या नहीं—उसका सम्मान भारतीय इतिहास और स्वतंत्रता आंदोलन के संदर्भ में निर्विवाद रूप से होना चाहिए। असली सवाल यह है कि आखिर एक राष्ट्रीय भावना से जुड़े गीत को बार-बार राजनीतिक विवाद के केंद्र में क्यों खड़ा कर दिया जाता है? अभी १५ अगस्त को कांग्रेस के कार्यालय में फिर से इसको लेकर विरोधियों ने राजनीतिक तूफान खड़ा कर दिया। यानी देशभक्ति को भी तराजू में तोला जा रहा है। स्वस्थ लोकतंत्र के लिए यह सह नहीं है। आज देश ८० वां स्वतंत्रता दिवस मना चुका है। आगामी दिवस जब २१ साल बाद देश १०० वां स्वतंत्रता दिवस मनायेगा तब भी हम देश को उंचाइयों पर ले जाने की जगह यह विवाद कर रहे होंगे। आज के राजनेताओं को देश के लिए कुछ सोचना होगा।

भारत की सबसे बड़ी खूबसूरती उसकी विविधता है। यहां अनेक धर्म, भाषाएं, संस्कृतियां, परंपराएं और विचारधाराएं सदियों से साथ-साथ रही हैं। स्वतंत्रता आंदोलन ने भी इसी विविधता को एक साझा राष्ट्रीय उद्देश्य में जोड? का काम किया था। वंदेमातरम् उसी दौर की राष्ट्रीय चेतना का एक महत्वपूर्ण स्वर था। इसलिए जब इसे राजनीतिक बयानबाजी का हथियार बनाया जाता है, तो केवल एक गीत पर विवाद नहीं होता, बल्कि उस व्यापक राष्ट्रीय भावना पर बहस खड़ी हो जाती है, जिसने देश को स्वतंत्रता के संघर्ष में एकजुट किया था। वंदेमातरम् की ऐतिहासिक पृष्ठभूमि को समझना जरूरी है। बंकिमचंद्र चट्टोपाध्याय द्वारा रचित यह गीत उन्नीसवीं सदी के अंतिम दौर में सामने आया। बाद में यह स्वतंत्रता आंदोलन में राष्ट्रीय चेतना का महत्वपूर्ण प्रतीक बन गया। अनेक स्वतंत्रता सेनानियों ने इसे उत्साह और संघर्ष की भावना के साथ अपनाया। ब्रिटिश शासन के विरुद्ध आंदोलनों में इसके उद्घोष ने लोगों में राष्ट्रीय भावना पैदा की। यही कारण है कि वंदेमातरम् को भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन के इतिहास में एक विशिष्ट स्थान प्राप्त है। लेकिन इतिहास के साथ-साथ उस समय की सामाजिक और राजनीतिक परिस्थितियों को भी समझना होगा। भारत एक बहुधार्मिक और बहुसांस्कृतिक समाज था। राष्ट्रवादी आंदोलन को व्यापक बनाने के लिए यह आवश्यक था कि देश के सभी समुदायों को उसमें बराबर का स्थान महसूस हो। वंदेमातरम् के कुछ अंशों की धार्मिक प्रतीकात्मकता को लेकर समय-समय पर आपत्तियां भी सामने आईं। इसी पृष्ठभूमि में कांग्रेस ने 1937 में यह निर्णय लिया कि सार्वजनिक अवसरों पर गीत के शुरूआती दो पदों का उपयोग किया जाए, जिन्हें अपेक्षाकृत अधिक स्वीकार्य माना गया। यह निर्णय बताता है कि स्वतंत्रता आंदोलन के नेतृत्व ने भी राष्ट्रीय एकता और संवेदनशीलता के बीच संतुलन बनाने का प्रयास किया था।

स्वतंत्र भारत में भी वंदेमातरम् को विशेष सम्मान मिला। संविधान सभा ने 24 जनवरी 1950 को इसे राष्ट्रगान के समान सम्मान देने की बात स्वीकार की। वहीं जन गण मनज् को राष्ट्रगान और वंदेमातरम् को राष्ट्रीय गीत का दर्जा मिला। यानी भारत के संवैधानिक और राष्ट्रीय जीवन में दोनों की अपनी विशिष्ट पहचान बनी। समस्या तब पैदा होती है, जब इस ऐतिहासिक संतुलन को राजनीतिक बहस में बदलकर यह साबित करने की कोशिश की जाती है कि कौन अधिक राष्ट्रवादी है और कौन कम।राष्ट्रभक्ति किसी एक गीत, नारे या प्रतीक तक सीमित नहीं हो सकती। देश के प्रति सम्मान का अर्थ संविधान के प्रति निष्ठा, कानून का सम्मान, नागरिकों के अधिकारों की रक्षा, कर्तव्यों का पालन और राष्ट्रहित में ईमानदार योगदान भी है। यदि कोई व्यक्ति वंदेमातरम् का सम्मान करता है तो यह उसकी राष्ट्रभक्ति की अभिव्यक्ति हो सकती है, लेकिन किसी व्यक्ति की राष्ट्रभक्ति को केवल इस आधार पर मापना कि वह किसी विशेष अवसर पर किस तरह का नारा लगाता है, लोकतांत्रिक समाज के लिए स्वस्थ दृष्टिकोण नहीं माना जा सकता। दूसरी ओर, यह भी सही है कि राष्ट्रीय प्रतीकों के प्रति सम्मान की भावना समाज में बनी रहनी चाहिए। किसी राष्ट्रीय गीत या स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े प्रतीक का जानबूझकर अपमान करना भी उचित नहीं है। लोकतंत्र का अर्थ केवल अधिकार नहीं, बल्कि जिम्मेदारी भी है। इसलिए वंदेमातरम् के सम्मान और उसके राजनीतिक दुरुपयोग—दोनों के बीच स्पष्ट अंतर करना होगा।

आज राजनीतिक दलों के सामने सबसे बड़ी चुनौती यह है कि वे इतिहास को समझें, उसे चुनावी हथियार न बनाएं। वंदेमातरम् पर बहस यदि इतिहास, साहित्य, स्वतंत्रता आंदोलन और राष्ट्रीय एकता के संदर्भ में हो तो वह सार्थक हो सकती है।

स्वीकृत एवं निमार्णाधीन परियोजनाओं में शिथिलता बर्दाश्त नहीं : स्वतंत्र देव सिंह

लखनऊ।
प्रदेश के जलशक्ति मंत्री स्वतंत्र देव सिंह ने मंगलवार को कहा कि जनहित में स्वीकृत एवं निमार्णाधीन परियोजनाओं को निर्धारित समय सीमा में पूर्ण करना सरकार की प्राथमिकता है। परियोजनाओं को तेजी से पूरा करने के साथ-साथ निर्माण कार्यों की गुणवत्ता सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए। निर्माण सामग्री की गुणवत्ता, निर्धारित तकनीकी मानकों तथा स्वीकृत डिजाइन के अनुरूप कार्य सुनिश्चित किया जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि गुणवत्ता में किसी भी प्रकार की कमी पाए जाने पर संबंधित अधिकारी एवं कार्यदायी संस्था की जिम्मेदारी तय की जाएगी।

जलशक्ति मंत्री ने यह निर्देश उदयगंज स्थित सिंचाई एवं जल संसाधन विभाग के मुख्यालय के सभागार में विभागीय मुख्य अभियंताओं (सिविल/यांत्रिक) के साथ आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में दिए। बैठक में प्रदेश में संचालित स्वीकृत, नवीन एवं निमार्णाधीन परियोजनाओं की प्रगति, बजट उपयोग, कार्यों की गुणवत्ता तथा परियोजनाओं के समयबद्ध क्रियान्वयन की विस्तृत समीक्षा की गई।

उन्होंने मुख्य अभियंताओं को निर्देशित किया कि परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा केवल कागजी रिपोर्ट के आधार पर न की जाए, बल्कि स्थलीय निरीक्षण एवं वास्तविक कार्य की स्थिति के आधार पर रिपोर्ट तैयार की जाए। पूर्ण हो चुकी परियोजनाओं का भी स्थलीय निरीक्षण कर यह सुनिश्चित किया जाए कि उनका लाभ निर्धारित उद्देश्य के अनुरूप किसानों, ग्रामीणों एवं आमजन तक पहुंच रहा है।

परियोजनावार भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की गहन समीक्षा

बैठक में जलशक्ति मंत्री ने परियोजनावार भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, स्वीकृत परियोजना लागत, उपलब्ध बजट, बजट आवंटन तथा आवंटित धनराशि के सापेक्ष व्यय की गहन समीक्षा की।

उन्होंने अधिकारियों से प्रत्येक परियोजना की वर्तमान स्थिति, कार्य की गति तथा निर्धारित समयसीमा की जानकारी लेते हुए स्पष्ट निर्देश दिए कि सरकार द्वारा जनहित में स्वीकृत परियोजनाओं में किसी भी स्तर पर लापरवाही, अनावश्यक विलंब अथवा शिथिलता स्वीकार नहीं की जाएगी।

1070 परियोजनाओं के लिए 2380.69 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति

विभागीय प्रस्तुतिकरण के अनुसार वित्तीय वर्ष 2026-27 में सिंचाई परियोजनाओं के अंतर्गत विभिन्न संगठनों की 1070 नई एवं पूर्व संचालित परियोजनाओं के लिए शासन द्वारा प्रथम किश्त के रूप में कुल 23,80,69.00 लाख रुपये, अर्थात लगभग 2380.69 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है। इन परियोजनाओं पर अब तक लगभग 576.41 करोड़ रुपये का व्यय दर्ज किया गया है।

वर्तमान वित्तीय वर्ष में बाढ़ परियोजनाओं के लिए 1009.99 करोड़ रुपये की वित्तीय स्वीकृति प्रदान की गई है।

इस वर्ष अब तक 244 बाढ़ परियोजनाएं पूर्ण की जा चुकी हैं, जिससे संबंधित क्षेत्रों के जनमानस को बाढ़ से सुरक्षा एवं राहत मिली है।

जलशक्ति मंत्री ने निर्देश दिए कि स्वीकृत धनराशि का सदुपयोग सुनिश्चित करते हुए परियोजनाओं के कार्यों में निर्धारित मानकों के अनुरूप तेजी लाई जाए तथा धनराशि के उपयोग में किसी प्रकार की अनावश्यक देरी न हो। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य केवल परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करना नहीं, बल्कि उनका समयबद्ध, गुणवत्तापूर्ण एवं प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करना है, ताकि किसानों, ग्रामीणों और आमजन को योजनाओं का वास्तविक लाभ समय से मिल सके।

देवरिया : प्राथमिक विद्यालय के निरीक्षण में शिक्षक मिले अनुपस्थित, जिलाधिकारी ने दिए नोटिस जारी करने के निर्देश

देवरिया।
उत्तर प्रदेश के देवरिया जनपद के जिलाधिकारी मधुसूदन हुल्गी ने सलेमपुर ब्लॉक के प्राथमिक विद्यालय पिपरा भानुमती का बुधवार को निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान विद्यालय में विद्यार्थियों की उपस्थिति कम पाई गई, जबकि एक शिक्षक अनुपस्थित मिले। जिलाधिकारी ने इस पर संबंधित बेसिक शिक्षा अधिकारी (बीएसए) को निर्देशित किया कि संबंधित खंड शिक्षा अधिकारी (बीईओ) के माध्यम से अनुपस्थित शिक्षक को कारण बताओ नोटिस जारी कर स्पष्टीकरण तलब किया जाए।

जिलाधिकारी ने विद्यालय में डिजिटल अटेंडेंस की व्यवस्था भी प्रभावी रूप से लागू करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यार्थियों के शैक्षिक स्तर की भी जांच की। कक्षा पांच के विद्यार्थियों से हिंदी एवं अंग्रेजी विषय से संबंधित प्रश्न पूछे गए। विद्यार्थियों ने प्रश्नों के उत्तर देने और पाठ को पढ़कर समझने की क्षमता संतोषजनक पाई गई। उन्होंने शिक्षकों को निर्देशित किया कि विद्यार्थियों की सीखने की क्षमता को और बेहतर बनाने के लिए प्रभावी पेडागॉजी तकनीकों का निरंतर प्रयोग करें। शिक्षण कार्य को इस प्रकार प्रभावी बनाया जाए कि प्रत्येक बच्चा निपुण बने और विद्यालय एवं विकासखंड भी निपुणता के लक्ष्य को प्राप्त कर सके। जिलाधिकारी ने बच्चों को प्रतिदिन समय से विद्यालय आने और मन लगाकर पढ़ाई करने के लिए प्रेरित किया। साथ ही, वहां मौजूद अभिभावकों को भी अपने बच्चों को नियमित रूप से समय से विद्यालय भेजने के लिए जागरूक किया। जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग के संबंधित अधिकारियों को सतत निगरानी एवं नियमित मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि शिक्षा व्यवस्था में लगातार सुधार के लिए अधिकारी नियमित रूप से निरीक्षण करते रहें और कमियों को तत्काल दूर कराएं।

पुलिस मुठभेड़ में दो लूटेरे घायल

गाजियाबाद।
उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद के थाना नंदग्राम क्षेत्र में चेन स्नेचिंग की वारदात को अंजाम देने वाले दो बदमाशों से स्वाट और थाना पुलिस टीम ने मध्य रात्रि को एक मुठभेड़ के दौरान गिरफ्तार किया है। पुलिस की गोली दोनों बदमाशों के पैर में लगी हैं।

एसीपी नंदग्राम जियाउद्दीन अहमद ने बुधवार को बताया कि मेरठ रोड स्थित मोरटा तिराहे पर पुलिस बैरियर लगाकर मध्य रात को चेकिंग कर रही थी। तभी चेकिंग के दौरान बाइक सवार दो संदिग्ध युवक आते हुए दिखाई पड़े। पुलिस टीम ने उन्हें रुकने का इशारा किया तो बदमाशों ने पुलिस पर जान से मारने की नीयत से फायर कर दिया। पुलिस द्वारा की गई जवाबी कार्रवाई में बाइक सवार दोनों बदमाशों के पैर में गोली लगी। दोनों बदमाश घायल हो गए। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया है। पूछताछ में घायलों ने अपने नाम आरिफ और जुबैर बताया।

एसीपी ने बताया कि बदमाशों ने नंदग्राम क्षेत्र में सोसाइटी के बाहर टहल रह एक युवक के गले से सोने की चेन लूट ली थी। इनके खिलाफ कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पकड़े गए बदमाशों से दो सोने के चेन के टूटे हुए टुकड़े, चोरी की बाइक और दो तमंचे बरामद किये है।

दो पक्षों में खूनी संघर्ष, एक की मौत, कई घायल

बाराबंकी।
उत्तर प्रदेश के बाराबंकी में कोठी थाना क्षेत्र के रेवतीपुरवा गांव में जमीन के विवाद को लेकर मंगलवार देर शाम दो पक्षों के बीच हुआ संघर्ष खूनी हो गया। मारपीट के दौरान गोली लगने से गंभीर रूप से घायल 45 वर्षीय हंसराज वर्मा उर्फ पुताई की लखनऊ ट्रामा सेंटर में देर रात इलाज के दौरान मौत हो गई। घटना के बाद गांव में तनाव की स्थिति है। एहतियात के तौर पर भारी पुलिस बल तैनात किया गया है। ग्रामीणों ने सड़क जाम करने का भी प्रयास किया।

जमीन विवाद में खूनी संघर्ष

बताया जा रहा है कि हंसराज का दूसरे पक्ष से जमीन को लेकर लंबे समय से विवाद चल रहा था। विवादित जमीन को लेकर न्यायालय में मामला भी विचाराधीन बताया जा रहा है। मंगलवार को जानवरों के लिए नांद रखने को लेकर दोनों पक्षों में फिर विवाद शुरू हुआ। कहासुनी के बाद मामला मारपीट तक पहुंच गया और इसी दौरान गोली चल गई। गोली लगने से हंसराज गंभीर रूप से घायल हो गए। परिजन उन्हें आनन-फानन में सीएचसी सिद्धौर लेकर पहुंचे। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया, जहां से बेहतर इलाज के लिए लखनऊ ट्रामा सेंटर भेजा गया। इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई।

हंसराज को लगी गोली

परिजनों का आरोप है कि हंसराज पर फायरिंग मनोज यादव ने की। घटना के बाद पुलिस ने कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। हालांकि पुलिस पूरे घटनाक्रम की जांच कर रही है और फायरिंग समेत अन्य आरोपों की पुष्टि साक्ष्यों के आधार पर की जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। गांव में तनाव को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात किया गया है।

सड़क जाम करने की कोशिश

वहीं, ग्रामीणों ने आक्रोश में सड़क जाम करने का प्रयास किया, जिसे पुलिस ने समझा-बुझाकर शांत कराया। पुलिस अधीक्षक अर्पित विजयवर्गीय ने बताया कि परिजनों की तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जा रही है। गांव में तनाव को देखते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल तैनात है। दोनों पक्षों का जमीन विवाद है।

प्रयागराज में पिकअप की टक्कर से अधेड़ की मौत

प्रयागराज।
उत्तर प्रदेश के प्रयागराज जिले के झूंसी थाना क्षेत्र में बुधवार को शास्त्री पुल के समीप पिकअप वाहन की टक्कर से एक अधेड़ की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की। पुलिस उपायुक्त नगर मनीष कुमार शांडिल्य ने बताया कि हादसे में थरवई थाना क्षेत्र के फैजुल्लापुर, हेतापट्टी गांव निवासी कैलाश नाथ मिश्रा(50) पुत्र स्वर्गीय हरीशचंद्र मिश्रा की मौत हुई है। हादसे के संबंध में जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि वह नैनी स्थित एक प्राइवेट कंपनी में नौकरी करते थे। बुधवार की सुबह घर से ड्यूटी जाने के लिए बेटे की मोटरसाइकिल से झूंसी थाना क्षेत्र में स्थित लोटस अस्पताल के पास पहुंचे और बेटे को वहीं से वापस घर भेज दिया। पैदल वाहन पकड़ने के लिए सड़क पार करने लगे। इसी दौरान दारागंज की ओर से आ रही एक मालवाहक पिकअप ने उन्हें टक्कर मार दी। इससे उनकी घटनास्थल पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना पर पहुंची पुलिस टीम ने शव को कब्जे में लेकर विधिक कार्रवाई की।

जौनपुर में बारिश से पुराना मकान ढहा हादसे में कोई जनहानि नहीं

जौनपुर
यूपी के जौनपुर में नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के सिपाह मोहल्ले के चाचापुर में मंगलवार देर रात हुई बारिश के कारण एक पुराना मकान ढह गया। यह मकान महेश मौर्या का था। गनीमत रही कि इस हादसे में कोई जनहानि नहीं हुई।बताया गया है कि यह मकान काफी समय से जर्जर अवस्था में था और इसमें कोई नहीं रहता था। इसी वजह से मकान गिरने के दौरान कोई व्यक्ति हताहत नहीं हुआ।घटना की जानकारी मिलने पर मौके पर पहुंचे मोहल्ला निवासी राज्य मंत्री गिरीश चंद्र यादव के प्रतिनिधि मनीष श्रीवास्तव ने बताया कि बारिश के कारण पुराना मकान गिरा है। उन्होंने पुष्टि की कि हादसे में कोई हताहत नहीं हुआ है और मौके पर स्थिति सामान्य है। श्रीवास्तव ने यह भी बताया कि क्षति का आकलन कराया जाएगा और नियमानुसार प्रभावित परिवार को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने का प्रयास किया जाएगा।स्थानीय लोगों के अनुसार, क्षेत्र में लगातार हो रही बारिश के कारण पुराने और जर्जर मकानों के गिरने का खतरा बना हुआ है। उन्होंने प्रशासन से ऐसे भवनों का सर्वे कराकर आवश्यक सुरक्षा उपाय सुनिश्चित करने की मांग की है।

डंपर की टक्कर से स्कूटी सवार युवक की मौत, चालक गंभीर

कानपुर।
कल्याणपुर थाना क्षेत्र अंतर्गत डीपीएस स्कूल के पास बुधवार को तेज रफ्तार डंपर की टक्कर से रेपिडो स्कूटी सवार एक युवक की मौत हो गई, जबकि उसका साथी गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद डंपर चालक मौके से वाहन लेकर भाग निकला।

बर्रा निवासी फैजान (30) एसए हेल्थ टेक कंपनी में करीब तीन महीने से काम कर रहा था। बुधवार को बिठूर स्थित पारस अस्पताल में एक मरीज के हार्ट का ऑपरेशन होना था। ऑपरेशन के लिए आवश्यक मेडिकल उपकरण लेकर फैजान ने सुबह करीब सात बजे बर्रा से रेपिडो बुक की थी। स्कूटी प्रांजुल मिश्रा चला रहा था।

दोनों बिठूर की ओर जा रहे थे। डीपीएस स्कूल के पास पहुंचते ही पीछे से आए तेज रफ्तार डंपर ने स्कूटी में टक्कर मार दी। टक्कर के कारण दोनों सड़क पर जा गिरे। इसके बाद चालक डंपर लेकर भागने लगा। इसी दौरान फैजान डंपर के पहिये की चपेट में आ गया और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। प्रांजुल भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

हादसे के बाद राहगीरों ने पुलिस को सूचना दी। थाने की पुलिस मौके पर पहुंची और फैजान के शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायल प्रांजुल को उपचार के लिए निजी अस्पताल ले जाया गया। प्राथमिक उपचार के बाद हालत गंभीर होने पर उसे हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया।

कंपनी में फैजान के सहकर्मी सत्येंद्र तिवारी ने बताया कि फैजान का स्वभाव मिलनसार था और कम समय में ही वह कर्मचारियों के बीच घुल-मिल गया था। उसके माता-पिता की पहले ही मौत हो चुकी है। परिवार में उसका बड़ा भाई नूर आलम है।

घर से लाखों रुपये कीमत के जेवरात और नगदी चोरी

नोएडा।
थाना दनकौर क्षेत्र के ग्राम डेरीन गुजरान में रहने वाले एक व्यक्ति के घर का ताला तोड़कर अज्ञात बदमाशों ने घर में रखे लाखों रुपये कीमत के जेवरात और ढाई लाख रुपये नगद चोरी कर लिया है। चोर चोरी करके जाते हुए सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं।

थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि बुधवार सुबह को यशपाल नाम क व्यक्ति ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है कि वह दनकौर के डेरिंन गुजरान गांव में रहते हैं।

कच्चे मकान की दीवार ढहने से मलबे में दबकर वृद्ध महिला की मौत, दो बकरियों ने भी तोड़ा दम

अमेठी।
उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में लगातार हो रही बारिश के बीच बुधवार सुबह अमेठी कोतवाली क्षेत्र के सूबेदार का पुरवा गंगौली गांव में दर्दनाक हादसा हो गया। बारिश के कारण कमजोर हुआ कच्चा मकान अचानक भरभराकर ढह गया। हादसे के समय मकान के अंदर सो रही 65 वर्षीय वृद्ध महिला मलबे में दब गईं। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद उन्हें मलबे से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उनकी मौत हो चुकी थी।

हादसे में मकान के पास बंधी चार बकरियां भी मलबे की चपेट में आ गईं, जिनमें दो की मौत हो गई, जबकि दो गंभीर रूप से घायल बताई जा रही हैं।

अमेठी कोतवाली प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत त्रिपाठी ने बताया कि मृतका की पहचान सूबेदार का पुरवा गंगौली निवासी फूलकली यादव (65) पत्नी स्वर्गीय बाबूलाल के रूप में हुई है।

बुधवार सुबह करीब पांच बजे वह कच्चे मकान में सो रही थीं। लगातार बारिश के चलते मकान की दीवार कमजोर हो गई थी। अचानक दीवार भरभराकर गिर गई और फूलकली यादव मलबे में दब गईं।

हादसे की आवाज सुनकर आसपास के ग्रामीण मौके पर पहुंचे और तत्काल बचाव कार्य शुरू किया।

काफी प्रयास के बाद मलबा हटाकर वृद्ध महिला को बाहर निकाला गया, लेकिन उनकी जान नहीं बचाई जा सकी। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस टीम भी मौके पर पहुंची और घटनास्थल का निरीक्षण किया।

पुलिस ने मृतका के शव को कब्जे में लेकर पंचायतनामा की कार्रवाई शुरू कर दी है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा जा रहा है।

हेड कांस्टेबल के उत्पीड़न के चलते महिला कांस्टेबल ने की आत्महत्या, मुकदमा दर्ज

गाजियाबाद।
उत्तर प्रदेश के जनपद गाजियाबाद में थाना साहिबाबाद क्षेत्र के राजेंद्र नगर स्थित एक निजी होटल में दिल्ली पुलिस की महिला हेड कांस्टेबल के द्वारा आत्महत्या करने के मामले में बीती रात को उसके साथी हेड कांस्टेबल के खिलाफ पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है ।हेड कांस्टेबल पर मृतका के पिता ने आत्महत्या के लिए उकसाने और शादी का झांसा देकर संबंध बनाने का आरोप लगाया है।

सहायक पुलिस आयुक्त अमित सक्सेना ने बताया कि गाजियाबाद के मसूरी थाना क्षेत्र के एक गांव के निवासी दिल्ली पुलिस में तैनात महिला कांस्टेबल के पिता ने पुलिस को दी शिकायत में बताया कि उनकी बेटी दिल्ली के एक थाने में तैनात थीं। वह कुछ समय से परेशान दिख रही थीं। 14 अगस्त को बेटी ने अपनी मां को बताया था कि दिल्ली पुलिस के जिस थाने में तैनात है उसी थाने में तैनात हेड कांस्टेबल गाजियाबाद लोनी निवासी सचिन कुमार उसे काफी दिनों से परेशान कर रहा है।

पीड़ित के अनुसार 16 अगस्त को उनकी बेटी का फोन नहीं लगा, इससे उनको घबराहट हुई। बाद में उन्हें राजेंद्र नगर पुलिस चौकी से सूचना मिली कि उनकी बेटी होटल में मृत पाई गई है।

पिता ने आरोप लगाया कि सचिन कुमार ने खुद को अविवाहित बताकर उनकी बेटी को प्रेमजाल में फंसाया। सचिन ने उनकी बेटी का शारीरिक और मानसिक शोषण किया। पिता का आरोप है कि सचिन कुमार ही उनकी बेटी की मौत का मुख्य कारण है। उन्होंने सचिन के खिलाफ कठोर कार्रवाई की मांग की है।

वहीं पुलिस को जांच में पता चला है कि मृतक महिला कांस्टेबल और आरोपी हेड कांस्टेबल उक्त होटल में इसे पूर्व दर्जनों बार आ चुके हैं। दोनों इस होटल में काफी समय से आते-जाते थे, तथा काफी समय तक एक दूसरे के साथ समय बिताते थे।

महोबा: 25 हजार का इनामी जुआ माफिया जहांगीर गिरफ्तार, लंबे समय से था फरार

महोबा।
उत्तर प्रदेश के महोबा जनपद में संगठित रूप से जुआ खिलाने वाले गिरोह पर पुलिस ने बड़ी कार्रवाई की है। थाना कबरई पुलिस, एसओजी और सर्विलांस की संयुक्त टीम ने 25,000 रुपये के इनामिया वांछित अभियुक्त जहांगीर को गिरफ्तार किया है। पुलिस की कार्रवाई से जुआरियों में हड़कंप मच गया है। आरोपी काफी समय से फरार चल रहा था।

जनपद के एसपी शशांक सिंह के निर्देशन में वांछित अपराधियों की गिरफ्तारी अभियान के तहत मंगलवार की रात यह कार्रवाई हुई। थाना कबरई प्रभारी निरीक्षक संतोष कुमार सिंह के नेतृत्व में टीम ने 25 हजार के ईनामी वांछित अभियुक्त जनपद मुख्यालय के रामनगर निवासी जहांगीर पुत्र अब्बास अली को पुलिस लाइन मोड़ के पास से गिरफ्तार किया है। बुधवार को सदर क्षेत्राधिकारी रविकांत गौड़ ने बताया कि जनपद में जुआ और अन्य संगठित अपराधों के खिलाफ अभियान लगातार चलाया जा रहा है, जो आगे भी जारी रहेगा। आरोपी संगठित रूप से जुआ खिलाने वाले गिरोह में संलिप्त था और काफी समय से फरार चल रहा था। उस पर 25,000 रुपये का इनाम घोषित था।

शौचालय की खुदाई में निकले 29 भारी धातु के गोले, पुरातत्व विभाग की जांच से खुलेगा राज

अमेठी।
उत्तर प्रदेश के अमेठी जिले में मुसाफिरखाना तहसील क्षेत्र के भनौली गांव में शौचालय निर्माण के लिए की जा रही खुदाई के दौरान 29 भारी धातु के गोलाकार टुकड़े मिलने से ग्रामीणों में कौतूहल और हलचल मच गई। एक साथ बड़ी संख्या में धातु के गोले मिलने की सूचना पर पुलिस और राजस्व विभाग की टीम मौके पर पहुंची और पूरे मामले की जानकारी जुटाई।

भनौली निवासी मो. इकबाल अपने भूखंड पर शौचालय बनवाने के लिए गड्ढे की खुदाई करा रहे थे। इसी दौरान मजदूरों को जमीन के अंदर से भारी धातु की गोलाकार वस्तुएं दिखाई दीं। मजदूरों ने इसकी जानकारी मकान मालिक को दी। इसके बाद मंगलवार सुबह मो. इकबाल ने मुसाफिरखाना कोतवाली में इसकी लिखित सूचना दी। सूचना मिलते ही प्रभारी निरीक्षक विवेक कुमार सिंह पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। जांच के दौरान कुल 29 धातु के गोले बरामद किए गए। सभी गोलों का वजन करीब आठ से दस किलोग्राम के बीच बताया जा रहा है। गोलों की बनावट और उनमें बने छिद्र को देखते हुए इनके पुराने तोप के गोले होने की आशंका जताई जा रही है, लेकिन अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं हुई है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने खुदाई वाले स्थान की घेराबंदी कर दी और वहां पुलिसकर्मियों की तैनाती कर दी।

निर्माण कार्य को भी फिलहाल रोक दिया गया है। ग्रामीणों को घटनास्थल से दूर रखा गया, ताकि किसी तरह की अप्रिय स्थिति न बने। नायब तहसीलदार राम लखन वर्मा के साथ राजस्व विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। टीम ने बरामद सभी 29 गोलों को सुरक्षित तरीके से बोरियों में रखवाया। प्रशासन ने मामले की जानकारी पुरातत्व सर्वेक्षण विभाग, लखनऊ को भी दे दी है।

एसडीएम मुसाफिरखाना नितेश राज ने बताया कि भनौली में खुदाई के दौरान 29 गोलाकार धातु की वस्तुएं मिली हैं, जिनका वजन लगभग आठ से दस किलोग्राम है।

प्रकरण की जांच के लिए एएसआई को सूचना दी गई है और टीम के गांव पहुंचकर इन वस्तुओं की जांच करने की उम्मीद है।

अब सभी की निगाहें पुरातत्व विभाग की जांच पर टिकी हैं।

जांच के बाद ही यह पता चल पाएगा कि जमीन के नीचे मिले ये भारी धातु के गोले वास्तव में पुराने तोप के गोले हैं या किसी अन्य काल अथवा उपयोग से जुड़ी वस्तुएं।

सोना-चांदी धड़ाम! एक दिन में 3,500 रुपए तक टूटे दाम

सोना 1,55,070 रुपए प्रति 10 ग्राम, चांदी का भाव 2,35,450 रुपए प्रति किलोग्राम

नई दिल्ली ।

सोने और चांदी की कीमतों में मंगलवार को बड़ी गिरावट दर्ज की गई। बाजार खुलते ही सोने के दाम 1,000 रुपये तक और चांदी 2,600 रुपये तक नीचे आ गई। सुबह एक घंटे के भीतर दोनों कीमती धातुओं में करीब 3,500 रुपये तक की गिरावट देखी गई, जिसने सोमवार की पूरी बढ़त को खत्म कर दिया। घरेलू वायदा बाजार मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज (एमसीएक्स) पर सुबह बाजार खुलने के बाद 5 अक्टूबर की डिलीवरी वाला सोना 870 रुपये की गिरावट के साथ 1,55,070 रुपये प्रति 10 ग्राम पर ट्रेड करता दिखा। वहीं 4 सितंबर की डिलीवरी वाली चांदी में 2,598 रुपये की कमी आई और यह 2,35,450 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव पर कारोबार कर रही थी। मंगलवार को सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोने का भाव 15,589 रुपये प्रति ग्राम रहा, जबकि 22 कैरेट सोना 14,290 रुपये प्रति ग्राम और 18 कैरेट सोना 11,692 रुपये प्रति ग्राम पर बिका। चांदी का भाव 250 रुपये प्रति ग्राम और 2.50 लाख रुपये प्रति किलोग्राम रहा। देश के अलग-अलग शहरों में सोने-चांदी की कीमतों में मामूली अंतर देखने को मिला।सतीश

भारत सरकार ने 400 टन चांदी आयात को दी मंजूरी

जयपुर ।

नए लाइसेंसिंग नियमों के कारण करीब छह महीने तक प्रभावित रहने के बाद भारत में चांदी का आयात अब धीरे-धीरे बढ़ने लगा है। घरेलू बाजार में अंतरराष्ट्रीय कीमतों के मुकाबले चांदी के ऊंचे भाव और आगामी त्योहारों व शादियों के सीजन को देखते हुए आयात में तेजी आई है। गुजरात की गिफ्ट सिटी स्थित इंडिया इंटरनेशनल बुलियन एक्सचेंज के जरिए अब तक 89.81 टन चांदी भारत पहुंच चुकी है। वहीं सरकार ने कारोबारियों और बैंकों को करीब 400 टन चांदी के आयात के लिए लाइसेंस मंजूर किए हैं। चांदी की मांग बढ़ने के पीछे राखी, गणेश चतुर्थी और नवरात्र जैसे त्योहारों के साथ-साथ दिवाली और शादी का सीजन प्रमुख कारण हैं। इसके अलावा चांदी के सिक्कों, उपहारों और अन्य उत्पादों की मांग भी बढ़ी है। आयात बढ़ने से घरेलू बाजार में चांदी की उपलब्धता बेहतर होने की उम्मीद है।

आईनॉक्स क्लीन एनर्जी ने वेना एनर्जी का 6,000 करोड़ में अधिग्रहण किया

नई दिल्ली ।

आईनॉक्स क्लीन एनर्जी ने ब्लैकरॉक के स्वामित्व वाली जीआईपी की वेना एनर्जी इंडिया होल्डिंग्स पीटीई लिमिटेड का करीब 6,000 करोड़ रुपये में अधिग्रहण पूरा कर लिया है। वेना एनर्जी इंडिया, वेना समूह का भारत में नवीकरणीय ऊर्जा मंच है। कंपनी के मंगलवार को जारी बयान के अनुसार कई हितधारकों और वित्तपोषण भागीदारों की भागीदारी के बावजूद यह सौदा दो महीने के भीतर पूरा हुआ। यह नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में समझौते पर हस्ताक्षर से लेकर उसे पूरा करने तक के सबसे तेज सौदों में से एक है। आईनॉक्सजीएफएल समूह के कार्यकारी निदेशक ने बयान में कहा, वेना एनर्जी इंडिया का अधिग्रहण पूरा होना हमारी तेजी से काम पूरा करने की क्षमता को दर्शाता है। आईनॉक्स क्लीन, आईनॉक्सजीएफएल समूह का एकीकृत नवीकरणीय ऊर्जा मंच है। यह अपनी अनुषंगी आईनॉक्स नियो के जरिये नवीकरणीय आईपीपी (स्वतंत्र बिजली उत्पादक) कारोबार और आईनॉक्स सोलर लिमिटेड के जरिये सौर विनिर्माण कारोबार संचालित करता है।

शेयर बाजार गिरावट पर बंद

सेंसेक्स 492, निफ्टी 132 अंक नीचे आया

मुंबई

भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को गिरावट के साथ बंद हुआ। बाजार में ये गिरावट दूनिया भर से मिले कमजोर संकेतों के साथ ही बिकवाली हावी रहने से आई है। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने भी निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया जिससे भी घरेलू बाजार पर दबाव आया है। इसी कारण दिन भर के कारोबार के बाद 30 शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स अंत में 492.70 अंक टूटकर 77,235.46 और 50 शेयरों वाला एनएसई निफ्टी 132.75 अंक फिसलकर 24,154.90 पर बंद हुआ।

बाजार में गिरावट के पीछे मुख्य रुप से आईटी शेयरों का नीचे आना रहा। आज निफ्टी आईटी में सबसे अधिक गिरावट रही। निफ्टी रियल्टी , निफ्टी पीएसयू बैंक, निफ्टी एफएमसीजी, निफ्टी सर्विसेज , निफ्टी मेटल , निफ्टी कंजप्शन और निफ्टी इन्फ्रा के शेयरों में भी गिरावट रही। दूसरी ओर निफ्टी इंडिया डिफेंस , निफ्टी मीडिया, निफ्टी ऑटो, निफ्टी हेल्थकेयर और निफ्टी ऑयल एंड गैस तेजी के साथ बंद हुआ। आज लार्जकैप के साथ ही मिडकैप शेयरों में दबाव रहा। निफ्टी मिडकैप इंडेक्स 277.60 अंक फिसलकर 63,539.40 पर बंद हुआ। वहीं निफ्टी स्मॉलकैप इंडेक्स करीब 19,808.85 पर

बंद हुआ। आज सेंसेक्स पैक में एक्सिस बैंक, पावर ग्रिड, एमएंडएम, बजाज फाइनेंस, एलएंडटी, बजाज फिनसर्व और एनटीपीसी के शेयर सबसे अधिक लाभ में रहे थे जबकि एशियन पेंट्स, इन्फोसिस, एचसीएल टेक, भारती एयरटेल, टीसीएस, एचयूएल, अल्ट्राटेक सीमेंट, इंडिगो, आईटीसी, कोटक महिंद्रा बैंक, एसबीआई, एचडीएफसी बैंक, टेक महिंद्रा और मारुति सुजुकी के शेयरों में गिरावट रही। वहीं इससे पहले आज सुबह बाजार में शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान पर खुले। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 260 अंक गिरकर 77,468.44 पर और निफ्टी 52 अंक की गिरावट के साथ 24,234.75 पर कारोबार कर रहा था।

रुपया सात पैसे टूटकर 95.68 प्रति डॉलर पर

रुपया पिछले दिन 95.61 पर बंद हुआ था

मुंबई ।

अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में मंगलवार के कारोबारी दिन रुपया 95.68 प्रति डॉलर पर खुला जो पिछले बंद भाव से सात पैसे की गिरावट दर्शाता है। रुपया सोमवार को 19 पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.61 पर बंद हुआ था। इस बीच दुनिया की छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.01 प्रतिशत टूटकर 99.63 पर रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि ब्रेंट कच्चा तेल की कीमत के करीब 91 डॉलर प्रति बैरल पहुंचने से तेल से संबंधित डॉलर की मांग में वृद्धि हुई है। साथ ही भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की रियायती एफसीएनआर (बी) विदेशी मुद्रा अदला-बदली सुविधा को अनुमान से पहले बंद किए जाने से भविष्य में डॉलर के प्रवाह को लेकर चिंता भी बढ़ी है।

मारुति फ्रोंक्स ने रचा इतिहास, 2 लाख यूनिट एक्सपोर्ट का आंकड़ा पार

- सिर्फ 38 महीने में हासिल किया कीर्तिमान

मुंबई ।

मारुति सुजुकी की कॉम्पैक्ट एसयूवी फ्रोंक्स ने वैश्विक बाजारों में धूम मचाते हुए एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। कंपनी ने घोषणा की है कि फ्रोंक्स ने लॉन्च के मात्र 38 महीने के भीतर 2 लाख यूनिट्स के निर्यात का आंकड़ा पार कर लिया है। यह उपलब्धि फ्रोंक्स को भारत से सबसे तेजी से निर्यात होने वाली एसयूवी बनाती है, जो इसकी बढ़ती अंतरराष्ट्रीय मांग और मेक इन इंडिया पहल की सफलता को दर्शाती है। मारुति सुजुकी फ्रोंक्स का निर्यात जून 2023 में शुरू हुआ था। इसके बाद फ्रोंक्स ने पहले 1 लाख यूनिट का आंकड़ा 25 महीने से भी कम समय में छुआ, जबकि अगले 1 लाख यूनिट सिर्फ 13 महीने में एक्सपोर्ट हुईं, जो इसकी बढ़ती वैश्विक मांग को दर्शाता है। गुजरात के हंसलपुर स्थित कंपनी के मैन्युफैक्चरिंग प्लांट में निर्मित यह एसयूवी अब जापान सहित करीब 90 देशों में निर्यात की जा रही है। जापान जैसे विकसित बाजारों में इसकी पहुंच भारतीय निर्मित वाहनों की गुणवत्ता और लोकप्रियता का प्रमाण है। कंपनी का कहना है कि फ्रोंक्स की बढ़ती विदेशी मांग उसके निर्यात कारोबार को मजबूत करने में अहम भूमिका निभा रही है। वित्त वर्ष 2024-25 से मारुति सुजुकी फ्रोंक्स भारत की सबसे ज्यादा एक्सपोर्ट होने वाली पैसेंजर गाड़ी रही है।

टाटा समूह का विशाल निवेश चक्र, फंडिंग की जिम्मेदारी टाटा संस पर

सेमीकंडक्टर से एआई तक फैले निवेश में स्थापित कंपनियां आंतरिक संसाधनों से जुटाएंगी पूंजी

नई दिल्ली ।

टाटा समूह सेमीकंडक्टर फैब्रिकेशन, विमानन, बैटरी और एआई जैसे विविध क्षेत्रों में कई लाख करोड़ रुपये के विशाल पूंजी निवेश चक्र में प्रवेश कर रहा है। इस महत्वाकांक्षी विस्तार के लिए पूंजी की व्यवस्था समूह के भीतर एक स्पष्ट विभाजन को दर्शाती है। टाटा समूह अपने नए पूंजी निवेश चक्र में कई लाख करोड़ रुपये का निवेश कर रहा है, जिसका दायरा सेमीकंडक्टर, विमानन, बैटरी, वाहन, स्टील, बिजली, होटल और आर्टिफिशल इंटेलिजेंस (एआई) बुनियादी ढांचे तक फैला हुआ है। हालांकि, इस निवेश के लिए पूंजी जुटाना समूह के लिए एक बड़ी चुनौती है। इस निवेश को मुख्य रूप से दो श्रेणियों में बांटा गया है। टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), टाटा मोटर्स और टाटा स्टील जैसी स्थापित सूचीबद्ध कंपनियां अपनी विस्तार योजनाओं के लिए मुख्य रूप से आंतरिक नकदी प्रवाह, ऋण और बाहरी निवेशकों पर निर्भर करेंगी। दूसरी ओर, टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स, एयर इंडिया, एग्रेटास (बैटरी विनिर्माता) और टाटा डिजिटल जैसे समूह के नए कारोबार, जो अभी घाटे में चल रहे हैं या अपनी प्रमुख परिसंपत्तियों का निर्माण कर रहे हैं, इक्विटी पूंजी के लिए काफी हद तक अपनी होल्डिंग कंपनी टाटा संस पर निर्भर रहेंगे। टाटा संस की वित्तीय स्थिति काफी मजबूत दिखती है। नवीनतम वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, होल्डिंग कंपनी ने वित्त वर्ष 2026 को 21,841 करोड़ रुपए की शुद्ध नकदी और बिना किसी ऋण बोझ के समाप्त किया। मार्च 2026 तक सूचीबद्ध कंपनियों में उसका निवेश लगभग 11.68 रुपए लाख करोड़ था। वित्त वर्ष 2026 में टाटा संस ने 25,544 करोड़ रुपए का परिचालन नकदी प्रवाह अर्जित किया, जिसमें मुख्य योगदान 32,528 करोड़ रुपए की लाभांश आय का रहा। टाटा संस ने पिछले दो वर्षों में सहायक इकाइयों और संयुक्त उद्यमों में 37,500 करोड़ रुपए से अधिक का इक्विटी निवेश किया है।

टीवी रेटिंग्स ठप- विज्ञापन बाजार पर मंडराया संकट

विज्ञापन खर्च घटकर 2025 में 26,300 करोड़ रहने का अनुमान

नई दिल्ली ।

भारत के दूसरे सबसे बड़े टीवी बाजार में टेलीविजन दर्शकों की माप और रेटिंग का काम 1 जुलाई से पूरी तरह ठप पड़ा है। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने ब्रॉडकास्ट ऑडियंस रिसर्च काउंसिल (बीएआरसी) को नई टेलीविजन रेटिंग नीति के तहत उसके पंजीकरण नवीनीकरण पर फैसला होने तक यह काम रोकने का निर्देश दिया है। इस अनिश्चितता ने विज्ञापन उद्योग में चिंता बढ़ा दी है, खासकर त्योहारी सीजन के मद्देनजर। एक महीने से अधिक समय से दुनिया के दूसरे सबसे बड़े टीवी बाजार में टीवी रेटिंग का काम पूरी तरह ठप है। यह आदेश तब तक लागू रहेगा जब तक नई टेलीविजन रेटिंग नीति के तहत बीएआरसी के पंजीकरण के नवीनीकरण के आवेदन पर फैसला नहीं हो जाता। मौजूदा समय में पारंपरिक टीवी पर विज्ञापन खर्च लगातार घट रहा है, जो 2023 में 31,200 करोड़ रुपये से घटकर 2025 में 26,300 करोड़ रुपये रहने का अनुमान है। हालांकि, जुलाई में विज्ञापन खर्च पर तत्काल कोई बड़ा असर नहीं दिखा, क्योंकि अधिकांश सौदे पहले ही हो चुके थे। लेकिन अगस्त से शुरू हो रहे त्योहारी सीजन में टीवी पर विज्ञापन खर्च सबसे अधिक होता

है ।

यदि रेटिंग आंकड़ों का यह संकट जारी रहता है, तो कई विज्ञापनदाता टीवी पर अपने खर्चों पर पुनर्विचार कर सकते हैं। इस स्थिति का असर विभिन्न प्रसारण कंपनियों पर अलग-अलग पड़ेगा। जियोस्टार, ज़ी या सोनी जैसे बड़े नेटवर्क शायद पुराने दर्शक आंकड़ों और उनकी बाजार हिस्सेदारी के आधार पर विज्ञापन प्राप्त कर लें, लेकिन क्षेत्रीय भाषाओं या छोटे भौगोलिक क्षेत्रों को लक्षित करने वाले छोटे ब्रांडों और चैनलों को सबसे ज्यादा नुकसान उठाना पड़ सकता है। नई टेलीविजन रेटिंग नीति का मूल उद्देश्य अच्छा है, जिसका लक्ष्य रेटिंग के क्षेत्र में दूसरी कंपनियों के लिए भी प्रवेश आसान करना है।

आरबीआई के अप्रत्याशित कदम से रुपया 19 पैसे टूटा

नई दिल्ली।

भारतीय रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 19 पैसे कमजोर होकर 95.61 पर बंद हुआ। यह गिरावट भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) द्वारा रियायती फॉरेक्स स्वैप सुविधा को तय समय से एक महीने पहले, यानी 31 अगस्त को बंद करने के अप्रत्याशित ऐलान के बाद आई। इस कदम ने बाजार में डॉलर की उपलब्धता और तरलता (लिक्विडिटी) को लेकर नई चिंताएं बढ़ा दी हैं। आरबीआई के इस अप्रत्याशित निर्णय से फॉरेन एक्सचेंज मार्केट में डॉलर की आवक पर नकारात्मक असर पड़ने की आशंका है। इसके परिणामस्वरूप, रुपए पर दबाव और बढ़ गया है। केवल आरबीआई का फैसला ही नहीं, बल्कि आयातकों द्वारा डॉलर की लगातार मांग और अंतरराष्ट्रीय बाजार में ब्रेंट क्रूड ऑयल का 88 डॉलर प्रति बैरल पर कारोबार करना भी रुपए की कमजोरी के प्रमुख कारण बने हुए हैं। इन दबावों के चलते बेंचमार्क 10 वर्षीय सरकारी बांड की यील्ड बढ़कर 6.81 प्रतिशत हो गई। वित्तीय सलाहकार फर्म फिनरेक्स के अनुसार, 13 अगस्त तक कुल इनफ्लो 56.8 अरब डॉलर था, लेकिन मौजूदा परिस्थितियों में बाजार में अनिश्चितता बनी हुई है, जिससे रुपए में और उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकता है।

वैश्विक तनाव से घरेलू शेयर बाजार फिसला

सेंसेक्स 300 अंक टूटकर 77,460 और निफ्टी 24,230 पर

मुंबई ।

भारतीय शेयर बाजार में मंगलवार को शुरुआती कारोबार में गिरावट दर्ज की गई। पश्चिम एशिया में बढ़ते तनाव और कच्चे तेल की बढ़ती कीमतों ने निवेशकों की धारणा को प्रभावित किया। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों लाल निशान पर खुले। सुबह शुरुआत में सेंसेक्स 260 अंक गिरकर 77,468.44 पर और निफ्टी 52 अंक की गिरावट के साथ 24,234.75 पर कारोबार कर रहा था। शुरुआती कारोबार में निफ्टी50 में इंफोसिस सहित कई आईटी शेयरों में बिकवाली का दबाव देखा गया। सेक्टरों में आईटी और रियल्टी सबसे ज्यादा कमजोर रहे, जबकि निफ्टी ऑटो और निफ्टी फार्मा ने बाजार की गिरावट के बीच मजबूती दिखाई। बाजार के जानकारों के मुताबिक निफ्टी लगातार पांचवें कारोबारी सत्र में गिरा है। पश्चिम एशिया में बढ़ता तनाव और कच्चे तेल की कीमतें बाजार की धारणा पर लगातार दबाव डाल रही हैं। उन्होंने

24,150 को तत्काल सपोर्ट और 24,450-24,500 को अहम रेजिस्टेंस बताया। बाजार में सुधार कच्चे तेल की कीमतों में नरमी या भू-राजनीतिक तनाव कम होने पर निर्भर करेगा। वहीं सोमवार को शेयर बाजार में भारी गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 281 अंक और निफ्टी 78 अंक से अधिक टूटा। बढ़ती तेल कीमतों और बिकवाली के दबाव से निवेशकों के करीब 79,000 करोड़ रुपये डूब गए।

भारत में 2026 में हरित विमान ईंधन पर वैश्विक मंथन, 25 देश होंगे शामिल

दिल्ली में 28-29 सितंबर को होगा इंडिया एसएएफ सम्मेलन 2026

नई दिल्ली।

नई दिल्ली में 28 और 29 सितंबर को इंडिया एसएएफ सम्मेलन 2026 आयोजित होगा, जहां 25 से अधिक देशों के प्रतिनिधि पर्यावरण अनुकूल विमान ईंधन (एसएएफ) के भविष्य पर मंथन करेंगे। गैर-लाभकारी एसएएफ एसोसिएशन द्वारा आयोजित इस दो दिवसीय सम्मेलन में 1,000 से अधिक प्रतिनिधियों और 100 से ज्यादा अंतरराष्ट्रीय वक्ताओं के भाग लेने की उम्मीद है। यह सम्मेलन एसएएफ उत्पादन, आपूर्ति श्रृंखला, प्रौद्योगिकी और परियोजना वित्तपोषण जैसे अहम विषयों पर गहन चर्चा का मंच बनेगा। एसएएफ एसोसिएशन के एक अे धिकारी ने बताया कि भारत के पास टिकाऊ विमान ईंधन का वैश्विक केंद्र बनने का अवसर है, जिसके लिए सरकार, उद्योग, प्रौद्योगिकी, वित्त और वैश्विक भागीदारों को एक साथ लाकर एक पूर्ण परिवेश विकसित करना होगा। एसएएफ, इस्तेमाल किए गए खाना पकाने के तेल, पशु वसा और कृषि अवशेष जैसे नवीकरणीय स्रोतों से बनता है, जो विमानन क्षेत्र के 2.5त्न वैश्विक कार्बन उत्सर्जन को कम करने में सहायक है।

इसके अतिरिक्त, एसएएफ उत्पादन से किसानों की आय में प्रति हेक्टेयर 15,000 से 29,000 रुपये तक की वृद्धि संभव है, जिससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था को भी बल मिलेगा। इस पहल को पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय जैसे प्रमुख संस्थानों का समर्थन प्राप्त है।

किसानों को राहत, फसल बीमा कराने की अंतिम तिथि 31 अगस्त तक बढ़ी

मौसम की मार से निपटने का अतिरिक्त समय मिला

नई दिल्ली

खरीफ 2026 की फसलें खेतों में उम्मीद जगा रही हैं, लेकिन बेमौसम बारिश, ओलावृष्टि, जलभराव या कीट-रोग का खतरा हमेशा मंडराता रहता है।

ऐसे में किसानों की महीनों की मेहनत को सुरक्षित रखने के लिए प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना (पीएमएफबीवाय) एक मजबूत आर्थिक सहारा बन सकती है। सरकार ने ऋणी किसानों के लिए अपनी फसलों का बीमा कराने की अंतिम तिथि को बढ़ाकर 31 अगस्त 2026 कर दिया है, जिससे उन्हें मौसम की मार से निपटने का अतिरिक्त समय मिल गया है। केसीसी धारकों के लिए अहम जानकारी किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) धारक किसानों के लिए 24 अगस्त 2026 की तारीख बेहद महत्वपूर्ण है।

यदि कोई ऋणी किसान फसल बीमा नहीं कराना चाहता है, तो उसे इस तिथि तक अपनी संबंधित बैंक शाखा में लिखित रूप से ऑप्ट-आउट आवेदन जमा करना होगा। ऐसा न करने पर, बैंक निर्धारित नियमों के अनुसार किसान के खाते से प्रीमियम काटकर फसल का बीमा कर देगा। व्यापक कवरेज, कई आपदाओं में सुरक्षा यह योजना केवल बाढ़ या सूखे तक सीमित नहीं है, बल्कि कई आपदाओं को कवर करती है। सूखा, बाढ़, ओलावृष्टि, जलभराव, तूफान, चक्रवात, आकाशीय बिजली, रोग और कीट से खड़ी फसल को हुए नुकसान पर बीमा का लाभ मिलेगा।

इसके अतिरिक्त, प्रतिकूल मौसम के कारण बुवाई प्रभावित होने, या बुवाई के एक माह बाद से कटाई के 15 दिन पहले तक संभावित उपज में 50 प्रतिशत से अधिक नुकसान होने पर भी सहायता प्रदान की जाएगी। स्थानीय आपदाओं जैसे ओलावृष्टि, भूस्खलन, बादल फटना और आकाशीय बिजली से आग लगने पर भी किसान लाभ उठा सकते हैं। कटाई के बाद खेत में सुखाने के लिए रखी फसल को 14 दिन तक ओलावृष्टि या बेमौसम बारिश से हुए नुकसान को भी योजना में शामिल किया गया है। प्रीमियम और बीमित राशि (खरीफ 2026) खरीफ 2026 के लिए इफको टोकियो जनरल इंश्योरेंस कंपनी लिमिटेड को नामित किया गया है। धान के लिए 86 हजार रुपये प्रति हेक्टेयर की बीमित राशि पर किसान को 1,720 रुपये प्रति हेक्टेयर प्रीमियम देना होगा।

पेटीएम में हिस्सेदारी बिक्री से वीएसएस को नहीं होगा लाभ, एंटफिन को मिलेगा पूरा पैसा

मुंबई।

वन97 कम्युनिकेशंस (पेटीएम) में रेजिलिएंट एसेट मैनेजमेंट बीवी की 4.98 प्रतिशत हिस्सेदारी की प्रस्तावित बिक्री से पेटीएम संस्थापक विजय शेखर शर्मा को कोई सीधा वित्तीय लाभ नहीं मिलेगा। इस सौदे से मिलने वाला पूरा पैसा एंटफिन के खाते में जाएगा। शेयर बाजार को दी गई जानकारी के अनुसार यह बिक्री शर्मा की पूर्ण स्वामित्व वाली इकाई रेजिलिएंट एसेट मैनेजमेंट बीवी और एंटफिन के बीच अगस्त 2023 से चले आ रहे वैकल्पिक रूप से परिवर्तनीय ऋणपत्र समझौते (ओसीडी) के तहत हो रही है। इस लेनदेन से प्राप्त पूरी राशि एंटफिन को ही मिलेगी, जबकि शर्मा की पेटीएम में लगभग नौ प्रतिशत प्रत्यक्ष हिस्सेदारी में कोई बदलाव नहीं आएगा। यह उनके कंपनी के प्रति निरंतर प्रतिबद्धता को दर्शाता है। अगस्त 2023 में, रेजिलिएंट ने एंटफिन से पेटीएम की लगभग 10.2 प्रतिशत हिस्सेदारी खरीदी थी और बदले में एंटफिन को ओसीडी जारी किए थे।

तब से, इन शेयरों पर आर्थिक हित एंटफिन का रहा है, जबकि कानूनी एवं मतदान संबंधी अधिकार रेजिलिएंट के पास हैं। पेटीएम ने स्पष्ट किया है कि वह इस प्रस्तावित बिक्री में पक्षकार नहीं है। यह घटनाक्रम ऐसे समय में सामने आया है जब पेटीएम की लाभप्रदता में लगातार सुधार हो रहा है।

100 छक्के, सबसे तेज

पंत ने टेस्ट में रचा इतिहास, गेंद हो या पारी, सब में गिलक्रिस्ट को पछाड़ा

गॉल, एजेंसी। श्रीलंका के खिलाफ गॉल टेस्ट की दूसरी पारी में जब भारत दबाव में था, तब ऋषभ पंत ने अपने अंदाज में बल्लेबाजी करते हुए ऐसा रिकॉर्ड बना दिया, जो टेस्ट क्रिकेट के इतिहास में लंबे समय तक याद रखा जाएगा। पंत ने 69 गेंदों में आठ चौके और दो छक्कों की मदद से 66 रन बनाए और इसी दौरान टेस्ट क्रिकेट में अपने 100 छक्के पूरे कर लिए।

पंत ने यह मुकाम अपनी 89वीं टेस्ट पारी में हासिल किया। इसके साथ ही वह टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज 100 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व विकेटकीपर बल्लेबाज एडम गिलक्रिस्ट का रिकॉर्ड पीछे छोड़ा, जिन्होंने 130 पारियों में यह उपलब्धि हासिल की थी। पंत से पहले सिर्फ तीन बल्लेबाज टेस्ट क्रिकेट में 100 या उससे ज्यादा छक्के लगा पाए थे। इंग्लैंड के बेन स्टोक्स 138 छक्कों के साथ इस सूची में सबसे ऊपर हैं, जबकि न्यूजीलैंड के ब्रेंडन मैकुलम 107 छक्कों के साथ दूसरे स्थान पर हैं। गिलक्रिस्ट के नाम भी 100 छक्के हैं।

पहले टेस्ट में बदला अंदाज, दूसरी पारी में बरसे पंत

इस मुकाबले में पंत की बल्लेबाजी को लेकर पहले से चर्चा थी। उनकी आक्रामक शैली अक्सर क्रिकेट प्रशंसकों और विशेषज्ञों के बीच बहस का विषय रहती है। पहली पारी में उन्होंने 62 गेंदों पर 39 रन बनाए थे, जो उनके सामान्य आक्रामक अंदाज की तुलना में काफी संयमित पारी थी।लेकिन दूसरी पारी में भारतीय टीम को तेजी से रन जोड़ने की जरूरत थी। कप्तान शुभमन गिल के आठ रन पर आउट होने के बाद पंत 81/3 के स्कोर पर क्रीज पर आए। शुरुआत में उन्होंने थोड़ा समय लिया और अपनी पहली बाउंड्री 13वीं गेंद पर लगाई।इसके बाद उन्होंने लाहिरू कुमारा को निशाना बनाया। कुमारा की वापसी पर पंत ने एक जोरदार छक्का लगाया, जिसके बाद गेंद स्टेडियम से बाहर चली गई और अंपायरों को नई गेंद मंगानी पड़ी। यही पंत के 100वें टेस्ट छक्के की शुरुआत थी।लंच के आसपास भारत ने देवदत्त पडिक्कल और ध्रुव जुरेल के विकेट गंवाए, लेकिन पंत ने अपना गियर बदल दिया। उन्होंने ऑफ स्पिनर केशरा नुवांथा के एक ओवर में लगातार तीन चौके लगाए। अगले ही ओवर में उन्होंने कुमारा को फिर छक्का जड़कर अपने 100 टेस्ट छक्के पूरे कर लिए।इसके बाद पंत ने कुछ बेहद आक्रामक और अपने खास अंदाज वाले शॉट खेले। हालांकि वह 66 रन बनाकर आउट हो गए, लेकिन तब तक वह इतिहास में अपना नाम दर्ज करा चुके थे।

89 पारियों में कर दिखाया ये कमाल

पंत की इस उपलब्धि की खास बात सिर्फ 100 छक्के पूरे करना नहीं है, बल्कि जिस तेजी से उन्होंने यह मुकाम हासिल किया, वह इसे और खास बनाता है। पंत ने केवल 89 टेस्ट पारियों में 100 छक्के पूरे किए। इस मामले में गिलक्रिस्ट को 130 पारियां लगी थीं, जबकि बेन स्टोक्स ने 151 और ब्रेंडन मैकुलम ने 170 पारियों में 100 छक्के पूरे किए थे। यानी पंत ने गिलक्रिस्ट से 41 पारियां कम खेलकर यह उपलब्धि हासिल की। पंत ने सिर्फ पारियों के मामले में ही नहीं, बल्कि गेंदों के मामले में भी यह रिकॉर्ड बनाया। उन्होंने 100 छक्के लगाने के लिए 4,918 गेंदों का सामना किया। गिलक्रिस्ट को इसके लिए 6,578, स्टोक्स को 9,042 और मैकुलम को 9,756 गेंदें खेलनी पड़ी थीं।

टेस्ट में सबसे ज्यादा छक्के

बल्लेबाज	छक्के
बेन स्टोक्स	138
ब्रेंडन मैकुलम	107
ऋषभ पंत	100*
एडम गिलक्रिस्ट	100
टिम साउदी	98

सबसे तेज 100 टेस्ट छक्के

बल्लेबाज	पारी
ऋषभ पंत	89
एडम गिलक्रिस्ट	130
बेन स्टोक्स	151
ब्रेंडन मैकुलम	170

संक्षिप्त समाचार

जोदर चौथे दौर में पहुंचे, अल्काराज और शेल्टन की बराबरी

मेसन, ओहायो (एजेंसी)। 19 वर्षीय स्पेनिश टेनिस स्टार जोदर ने सिनसिनाटी ओपन में शानदार प्रदर्शन करते हुए एलेजांद्रो टैबिलो को सीधे सेटों में 6-2, 6-1 से हराकर चौथे दौर में जगह बना ली। इस जीत के साथ उन्होंने इस दशक में सिनसिनाटी के राउंड ऑफ-16 में पहुंचने वाले कार्लोस अल्काराज और बेन शेल्टन जैसे खिलाड़ियों की सूची में अपना नाम शामिल कर लिया। जोडर ने अपने शुरुआती मुकाबले में डेनिस शापोवालोव के खिलाफ शानदार वापसी करते हुए मैच प्वाइंट बचाया था। निर्णायक सेट में वह 1-5 से पिछड़ रहे थे, लेकिन इसके बाद उन्होंने लगातार छह गेम जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया था। इस जीत ने जोदर का

आत्मविश्वास बढ़ाया और टैबिलो के खिलाफ उन्होंने शुरुआत से ही आक्रामक खेल दिखाया। स्पेनिश खिलाड़ी ने सिर्फ 75 मिनट में मुकाबला खत्म किया और कुल 26 विनर्स लगाए। टैबिलो के खिलाफ यह जोदर की लगातार दूसरी जीत भी रही। इससे उनकी इस खिलाड़ी के खिलाफ हेड-टू-हेड रिकॉर्ड 2-1 हो गया। इससे पहले उन्होंने करीब 15 दिन पहले वॉशिंगटन में भी चिली के इस खिलाड़ी को हराया था। जोडर ने मैच के बाद अपनी शानदार वापसी का जिक्र करते हुए कहा कि शापोवालोव के खिलाफ मुकाबले ने उन्हें काफी आत्मविश्वास दिया। उन्होंने कहा कि उस मैच में उन्होंने खुद को अपनी सीमा तक धकेला और जीत हासिल करने के लिए काफी मेहनत की। जोदर ने यह भी माना कि भले ही टैबिलो के खिलाफ स्कोरलाइन आसान नजर आ रही हो, लेकिन मुकाबला बिल्कुल आसान नहीं था।

उन्नति की शानदार जीत, रोहन-रुथविका पहले दौर में बाहर

नई दिल्ली (एजेंसी)। भारत की युवा बैडमिंटन स्टार उन्नति हुड्डा ने मंगलवार को नई दिल्ली के इंदिरा गांधी स्टेडियम में बीडब्ल्यूएफ विश्व चैंपियनशिप 2026 में जीत के साथ अपने अभियान की शुरुआत की। डेब्यू मुकाबले में उन्नति ने म्यांमार की थेत हतार थुजार को सीधे गेमों में 22-20, 21-16 से हराकर दूसरे दौर में जगह बनाई। पहले गेम में दोनों खिलाड़ियों के बीच कड़ा मुकाबला देखने को मिला। उन्नति और थुजार ने लगातार अंक बटोरे और किसी भी खिलाड़ी को बड़ी बढ़त नहीं लेने दी। 21 मिनट तक चले रोमांचक गेम में उन्नति ने दबाव के बीच धैर्य बनाए रखा और 22-20 से पहला गेम अपने नाम किया। दूसरे गेम में भारतीय शटलर ने शुरुआत से ही आक्रामक रुख अपनाया। उन्नति ने एक समय 11-1 की बड़ी बढ़त बना ली। हालांकि थुजार ने वापसी करते हुए अंतर को 20-16 तक कम किया, लेकिन उन्नति ने अपना संयम नहीं खोया और लगातार बेहतर खेल दिखाते हुए गेम 21-16 से जीतकर मुकाबला अपने नाम कर लिया। अब उनका सामना कनाडा की 13वीं वरीयता प्राप्त मिशेल ली से होगा। दूसरी ओर, मिश्रित युगल में रोहन कपूर और रुथविका शिवानी गड्डे की भारतीय जोड़ी को कनाडा के जोनाथन लाई और क्रिस्टल लाई के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। इस हार के साथ भारतीय जोड़ी का विश्व चैंपियनशिप अभियान शुरुआती दौर में ही समाप्त हो गया। भारत के लिए मंगलवार को कई और अहम मुकाबले होने हैं। लक्ष्य सेन पुरुष एकल के पहले दौर में ऑस्ट्रिया के कॉलिन्स फिलिमोन से भिड़ेंगे। वहीं, अशित सूर्य और अमृता प्रमुथेश की जोड़ी का सामना तुर्की के एमरे सोनेमेज और यासेमेन बेक्टास से होगा। महिला युगल के दूसरे दौर में ट्रीसा जॉली और गायत्री गोपीचंद की जोड़ी अमेरिका की लॉरेन लैम और एलिसन ली से खेलेगी।

हैमिल्टन-कर्दाशियन की बढ़ीं नजदीकियां!

हॉलीवुड और स्पोर्ट्स की दुनिया के दो बड़े नाम किम कर्दाशियन और लुईस हैमिल्टन एक बार फिर सुर्खियों में हैं। दोनों के बीच लंबे समय से चल रही रोमांस की अटकलों के बीच अब उनकी समर वेकेशन की तस्वीरों ने फैंस को फिर चर्चा का मौका दे दिया है। किम ने इंस्टाग्राम पर अपनी फैमिली वेकेशन की कई तस्वीरें शेयर कीं।इनमें सबसे ज्यादा ध्यान उस तस्वीर ने खींचा, जिसमें वह लुईस हैमिल्टन के साथ बीच पर टहलती नजर आ रही हैं। तस्वीर में हैमिल्टन ने किम के कंधे पर हाथ रखा हुआ है, जबकि किम उनका हाथ पकड़े हुए दिखाई दे रही हैं। किम ने पोस्ट को कैप्शन दिया- Somewhere over the rainbow यानी इंद्रधनुष के उस पार कहीं।

मिरर सेल्फी ने खींचा फैंस का ध्यान

किम की पोस्ट में सिर्फ बीच वॉक ही नहीं थी। उन्होंने हैमिल्टन के साथ एक कोजी मिरर सेल्फी भी शेयर की। इसके अलावा पोस्ट में उनके बच्चों के साथ बिताए गए छुट्टियों के पल भी नजर आए। यही वजह है कि सोशल मीडिया पर फैंस का ध्यान एक बार फिर किम और हैमिल्टन की केमिस्ट्री पर गया। दोनों ने अब तक अपने रिश्ते को लेकर सार्वजनिक तौर पर कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की है, लेकिन हाल के महीनों में साथ नजर आने की उनकी तस्वीरें और सोशल मीडिया पोस्ट लगातार इन अटकलों को हवा दे रहे हैं।

हैमिल्टन ने भी शेयर की छुट्टियों की झलक

किम की पोस्ट से कुछ समय पहले लुईस हैमिल्टन ने भी अपनी समर वेकेशन की तस्वीरें साझा की थीं। उनकी पोस्ट में किम की एक तस्वीर भी शामिल थी, जिसमें वह एक झूले पर बैठी नजर आ रही थीं और हैमिल्टन उन्हें पीछे से धक्का देते दिखे। हैमिल्टन ने अपनी पोस्ट के साथ लिखा, 'मेरी गर्मियों की छुट्टियों की बस कुछ झलकियां। इन छुट्टियों के दिनों के लिए आभारी हूं। अब ट्रैक पर वापस लौट रहा हूं, पूरी तरह तरोताजा और तैयार हूं।' उनकी इस पोस्ट ने भी दोनों के रिश्ते को लेकर चल रही चर्चाओं को और दिलचस्प बना दिया।

डेविड वॉर्नर दोषी करार, कोर्ट ने सुनाई दो सजा

सिडनी (एजेंसी)। ऑस्ट्रेलिया के पूर्व स्टार बल्लेबाज डेविड वॉर्नर को शराब पीकर गाड़ी चलाने का दोषी पाया गया है. जिसकी वजह से कोर्ट ने उन पर जुर्माना लगाने के साथ साथ उन्हें गाड़ी चलाने के लिए इंटरलॉक डिवाइस का इस्तेमाल करना का भी आदेश दिया।सिडनी की एक अदालत ने डेविड वॉर्नर के अपना गुनाह कबूल करने के बाद उन्हें सजा सुनाई है. वॉर्नर पर 1,500 ऑस्ट्रेलियाई डॉलर (1,01,912 इंडियन रुपये) का जुर्माना लगाया गया।

बता दें कि 5 अप्रैल को सिडनी के पूर्वी इलाके में सड़क किनारे हो रहे रैंडम ब्रेथ टेस्ट में वॉर्नर पर कानूनी सीमा से दोगुने से ज्यादा अल्कोहल पीकर गाड़ी चलाने का आरोप लगा था. पिछले महीने, वॉर्नर ने सिडनी की अदालत में ड्रिंक-ड्राइविंग के आरोप को स्वीकार भी कर लिया था।कोर्ट में सुनवाई के दौरान डेविड वॉर्नर के वकील ओवैस अहमद ने अदालत से उन्हें दोषी न ठहराने का अनुरोध किया. उन्होंने कहा कि वॉर्नर की गलती को दुनिया भर के मीडिया ने कवर किया था, जिससे उनके फाइनेंशियल कॉन्ट्रैक्ट्स को नुकसान पहुंचा है।वॉर्नर को तब गिरफ्तार किया गया था जब वह पाकिस्तान से ईस्टर की छुट्टी पर घर लौट रहे थे. पाकिस्तान में उन्होंने पाकिस्तान सुपर लीग में कराची किंग्स की कप्तानी की थी. हालांकि, आरोप लगने के बाद वह अपना पीएसएल अभियान जारी रखने के लिए पाकिस्तान लौट गए थे। अवैस ने अपराध की मामूली प्रकृति को देखते हुए वॉर्नर की गिरफ्तारी के बारे में प्रेस रिलीज जारी करने के पुलिस के फैसले पर भी सवाल उठाए. वकील ने कहा, इसके बाद मीडिया की तरफ से बहुत ज्यादा आलोचना हुई।जज क्लेयर फार्नन ने कहा कि वॉर्नर और उनकी पत्नी कैंडिस वॉर्नर के बारे में सोशल मीडिया पर क्रूर टिप्पणियां किए जाने के सबूत थे. लेकिन उन्होंने कहा कि उन्हें दोषी ठहराने के फैसले में सबसे अहम बात लोगों को शराब पीकर गाड़ी चलाने से रोकना था, और अपराध इसलिए और गंभीर हो गया क्योंकि उस समय कार में बच्चे भी मौजूद थे।

भारत की दूसरी पारी 193 रनों पर सिमटी श्रीलंका को मिला 372 रनों का लक्ष्य

गॉल (एजेंसी)। श्रीलंका ने गॉल टेस्ट के चौथे दिन भारत की दूसरी पारी को 193 रनों पर समेट दिया है. जिसकी वजह से अब उन्हें ये मैच जीतने के लिए 372 रन बनाने होंगे. भारत की तरफ से दूसरी पारी में ऋषभ पंत ने सबसे ज्यादा 66 रन बनाए. जबकि पडिक्कल ने 44 और केएल राहुल ने 35 रनों का योगदान दिया. इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका. वहीं श्रीलंका की तरफ से असिथा फर्नांडो सबसे सफल गेंदबाज रहे. उन्होंने कुल 4 विकेट लिए. इसके अलावा प्रभात जयसूर्या ने तीन विकेट हासिल किया. जबकि लहिरू कुमार को दो विकेट और केशरा को एक विकेट मिला. भारत को पहली पारी में 178 रनों की बड़ी बढ़त मिली थी. मेजबान टीम ने पहली पारी में 284 रन बनाए थे जबकि भारत ने पहली पारी में 462 रन बनाए थे।

श्रीलंका की खराब शुरुआत

372 रनो के लक्ष्य का पीछा करते हुए श्रीलंका ने अपना पहला विकेट 13 के स्कोर पर खो दिया है. निशान मदुष्का 27 गेंद में 6 रन बनाकर आउट हुए. उनको मोहम्मद सिराज ने प्रसिद्ध कृष्णा के हाथों कैच आउट कराया. इसके बाद दांए हाथ से बल्लेबाज पसिंदु सोरियाबंडारा क्रीज पर आए, जिनको चांडीमल की जगह कन्कशन के तौर पर रिप्लेस किया गया था. ये सोरियाबंदरा का पहला टेस्ट मैच है. लेकिन वो ज्यादा देर तक क्रीज पर नहीं टिक सके और शून्य पर आउट हो गए. उनको मानव सुथार ने एलबीडब्ल्यू आउट किया. इसके साथ श्रीलंका ने 14 के स्कोर पर अपना दूसरा विकेट भी खो दिया।

श्रीलंका ने गॉल टेस्ट के चौथे दिन भारत की दूसरी पारी को 193 रनों पर समेट दिया. श्रीलंका के तेज गेंदबाज असिथा फर्नांडो 4 विकेट लेकर सबसे सफल गेंदबाज रहे. इसके अलावा स्पिनर प्रभात जयसूर्या ने तीन, लहिरू कुमार ने दो और केशरा को एक विकेट मिला.

श्रीलंका को लगा बड़ा झटका, चंडीमल को ले जाया गया अस्पताल

भारत के खिलाफ पहले टेस्ट के चौथे दिन श्रीलंका को एक बड़ा झटका लगा, जब उनका अनुभवी बल्लेबाज दिनेश चंडीमल फील्डिंग के दौरान कंधे और गर्दन में गंभीर चोट आई, जिसकी वजह से उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा. इसके बाद चंडीमल को स्कैन के लिए अस्पताल भेज दिया गया है।श्रीलंका क्रिकेट ने कहा, मैदान पर टीम के फिजियोथेरेपिस्ट और डॉक्टर ने उनकी जांच की और एहतियात के तौर पर स्कैन के लिए अस्पताल ले जाया गया है. साथ ही कहा कि स्कैन के नतीजे आने के बाद आगे की जानकारी दी जाएगी। जब भारतीय बल्लेबाज केएल राहुल ने डीप बैकवर्ड स्क्वायर लेग की तरफ स्वीप शॉट खेला, जहां चंडीमल बाईं ओर से दौड़कर आए और बाउंड्री रोकने के प्रयास में डाइव करते हुए गेंद को रोक दिया. डाइव करते समय उनके शरीर का पूरा वजन उनकी गर्दन पर आ गया. मैच के दौरान चंडीमल अपनी गर्दन के पिछले हिस्से को पकड़े हुए दिखे. मैदान से बाहर ले जाए जाने से पहले फिजियो ने आकर उन्हें देखा।

वहीं भारत की तरफ से दूसरी पारी में ऋषभ पंत सबसे ज्यादा 66 रन बनाने वाले बल्लेबाज रहे. जबकि पडिक्कल ने 44 और केएल राहुल ने 35 रनों का योगदान दिया. इसके अलावा कोई भी बल्लेबाज दोहरे अंक तक नहीं पहुंच सका. अब श्रीलंका को ये मैच जीतने के लिए 372 रन बनाने होंगे।

विश्व कप हॉकी

भारत और पाकिस्तान के बीच महामुकाबला

एम्सटेलवीन (नीदरलैंड) (एजेंसी)। पिछले एक दशक से पाकिस्तान से नहीं हारी भारतीय टीम को एफआईएच विश्व कप के दूसरे दौर में प्रवेश के लिए अपने डिफेंस को दुरूस्त करते हुए बुधवार को होने वाले मुकाबले में चिर प्रतिद्वंद्वी को हराना होगा या कम से कम ड्रॉ खेलना होगा। पहले मैच में वेल्स को 3-1 से हराने के बाद दुनिया की तीसरे नंबर की टीम इंग्लैंड के खिलाफ भारत को डिफेंस की गलतियों का खामियाजा भुगतना पड़ा।

पहले हाफ में बढ़त बनाने के बावजूद आखिरी दो क्वार्टर में लचर डिफेंस के कारण भारत को 2-4 से पराजय झेलनी पड़ी। अब पूल डी में इंग्लैंड दोनों मैच जीत कर शीर्ष पर रहकर दूसरे दौर में पहुंच चुका है। वहीं भारत के एक जीत और एक हार के बाद तीन अंक है जबकि इंग्लैंड से 1-4 से हारने और वेल्स से 3-3 से ड्रॉ के बाद पाकिस्तान एक अंक लेकर तीसरे और वेल्स एक हार, एक ड्रॉ के साथ एक अंक लेकर चौथे स्थान पर है।

पाकिस्तान अगर हारता है तो बाहर हो जाएगा जबकि वेल्स को अगले दौर में जाने के लिए इंग्लैंड को काफी बड़े अंतर से हराना होगा क्योंकि भारत का गोल औसत उससे बेहतर है। अगर भारत दूसरे दौर में जाता है तो इस पूल से

उसके कोई अंक आगे नहीं जाएंगे जबकि भारत को हराने के कारण इंग्लैंड तीन अंक लेकर जाएगा। आठ बार की ओलंपिक चैम्पियन भारत और चार बार की विश्व कप विजेता पाकिस्तान के बीच भले ही मैदानी प्रतिद्वंद्विता का गौरवशाली इतिहास रहा हो लेकिन एशियाई दिग्गजों के बीच पिछले लगभग सभी मुकाबले बेमेल रहने से वह रोमांच खत्म हो गया है।

मौजूदा फॉर्म को देखते हुए भारत का पलड़ा भारी लग रहा है लेकिन पाकिस्तान के खिलाफ मैच सिर्फ कौशल का नहीं होता, खिलाड़ियों को जज्बात पर काबू रखकर भी खेलना होगा। भारतीय टीम ने हालांकि विश्व कप से ठीक पहले लंदन में प्रो लीग के यूरोप चरण में पाकिस्तान पर 7-1 और 4-3 से जीत दर्ज की थी। पाकिस्तानी टीम ने आखिरी बाद भारत को 2016 चैम्पियंस ट्रॉफी में हराया था। उसके बाद से भारत और पाकिस्तान के प्रदर्शन ग्राफ में जमीन आसमान का अंतर आ गया है। भारतीय टीम लगातार दो ओलंपिक पदक जीत चुकी है जबकि विश्व कप की सबसे सफल टीम रही चार बार की चैम्पियन पाकिस्तान टूर्नामेंट में आठ साल बाद लौटी है। एफआईएच प्रो लीग में सारे मैच हारकर आखिरी स्थान पर रही थी और टूर्नामेंट से ठीक पहले कोच हरमान करूस के लौट जाने से तैयारियों पर भी असर पड़ा है। भारत के लिए 419 अंतरराष्ट्रीय मैच खेल चुके सबसे अनुभवी खिलाड़ी मनप्रीत सिंह ने हालांकि कहा कि विश्व कप में किसी भी टीम को हलके में नहीं लिया जा सकता और भारत को गलतियों में सुधार करके उतरना होगा। उन्होंने कहा, पाकिस्तान से मैच अच्छा होगा लेकिन हम उन्हें कमतर नहीं आंक रहे हैं। उनके पास भी अच्छे ड्रैग फ्लिकर हैं लिहाजा हमें उन्हें पेनल्टी कॉर्नर देने से बचना होगा। इसके अलावा अपने लिए मौके बनाने होंगे और उन्हें भुनाना भी होगा।

केसर मलाई पेड़ा

सामग्री : 4 कप स्किम्ड मिल्क, केसर के कुछ धागे, एक चुटकी सिट्रिक एसिड, 2 टी स्पून कॉर्नफ्लोर (2 टेबल स्पून दूध में घुला हुआ), 1/4 टी स्पून हरी इलायची पाउडर, 8 कटे हुए बादाम, 10 चम्मच या स्वादानुसार शुगर फ्री नैचुरा।

विधि : एक गहरे पैन में दूध डालकर एक उबाल दें। फिर आंच धीमी करके आधा होने तक पकाएं। केसर डालकर अच्छी तरह मिलाएं। दो टी स्पून पानी में सिट्रिक एसिड मिलाएं और गाढे किए हुए दूध में मिलाएं। घुला हुआ कॉर्नफ्लोर मिलाएं और एकदम गाढा होने तक लगातार चलाएं। इलायची पाउडर और शुगर फ्री नैचुरा डालकर मिलाएं। फिर आंच से उतारकर ठंडा होने के लिए अलग रखें। मिश्रण को बराबर-बराबर आठ भागों में बांटकर गोल-गोल पेडे बनाएं। ऊपर से बादाम बुरक कर सर्व करें।

पौधों से सजाएं घर आंगन

इनडोर प्लांट्स घर को चार चांद लगा देते हैं। लेकिन, इनका चयन सही होना चाहिए। तभी इंटीरियर आकर्षक लगेगा।

पौधों का चुनाव

- जो भी पौधा आप खरीदें, यह जरूर देखें कि उसकी पत्तियों में छेद तो नहीं है या वे मुरझाई हुई तो नहीं हैं।
- फूलों वाले पौधे खरीदते समय ऐस पौधों का चुनाव करें, जिन पर फूलों के साथ-साथ कलियां भी लगी हों।
- गमले के अनुपात में लगभग मध्यम ऊंचाई तक विकसित स्वस्थ पौधा चुनें। लटकने वाले पौधे गमले के चारों ओर समान रूप से लटकें, तो सुंदर लगेंगे।
- कमरे में पौधों को रखने से पहले उनकी सड़ी-गली और पीली पत्तियों को अवश्य काट लें।
- पौधे तैयार करने के लिए अच्छी क्वालिटी के बीजों का चुनाव करें।

गमले का चुनाव

- आजकल बाजार में तरह-तरह के गमले मिलते हैं, लेकिन केवल मिट्टी के गमले ही पौधों के लिए उपयुक्त रहते हैं, क्योंकि ये गमले न तो बहुत भारी होते हैं और न ही बहुत हल्के। अन्य गमलों के मुकाबले में इनके दाम भी कम होते हैं। इन गमलों में लगे पौधों की जड़ों को हवा मिलने से उनका विकास अच्छा होता है।
- गमले का चुनाव पौधे के अनुसार ही करना चाहिए, जैसे पांच-दस इंच के पौधे के लिए छह इंच का गमला लेना उचित रहेगा।
- गमला खरीदने से पहले यह जरूर देख लें कि उसमें छेद हो। छेद इतना बड़ा होना चाहिए कि छोटी उंगली आसानी से आर-पार हो जाए। वैसे सजावटी पौधों के लिए आप महंगे गमलों का भी चुनाव कर सकते हैं।

स्थान का चयन

- कमरे के खाली कोनों में अधिक या थोड़ी ऊंचाई के पौधों से सजावट करें। एक से अधिक पौधे लगाने पर

ध्यान रखें कि सभी पौधों की ऊंचाई अलग-अलग हो।
- कोने मे लटकते लैंप के नीचे बैठने की व्यवस्था नहीं की जा सकती, इसलिए इस स्थान को खूबसूरत पौधों से जीवंत बनाएं। लंबे लैम्प के आगे मध्यम ऊंचाई के पौधे स्टूल पर रखें। लैम्प के पास कम ऊंचाई के पौधों से भी सजावट की जा सकती है।
- दो सोफों के मध्य भी पौधा रख सकते हैं, लेकिन ध्यान रहे बैठकर बात करने वालों को अड़चन न आए।
- टेलीफोन की रैक के नीचे या बगल में भी पौधा रखा जा सकता है। ध्यान रखें कि बगल में रखा पौधा टेलीफोन तक पहुंचने में रूकावट न बने।
- सजावटी पौधे टीवी के पास या शयन कक्ष के उपेक्षित कोनों में भी रखे जा सकते हैं। भोजन या कक्ष या स्नानघर में लगे वॉशबेसिन के निकट पौधा रखने से वहां की सुंदरता बढ़ जाती है।
- छोटे गमलों में लगाए गए पौधे रसोइघर की खिड़की या स्लैब पर भी सजाए जा सकते हैं।
- कमरे के आकार को ध्यान में रखकर ही पौधों की संख्या निश्चित करें। कांटेदार पौधों को बच्चों व पालतू जानवरों की पहुंच से दूर रखें। विशेष अवसरों पर गमले के चारों ओर सीपी और शंखों को छितराकर उन्हें अधिक आकर्षक बनाएं।
- घर के अंदर रखे जाने वाले पौधों में पानी कम दें, क्योंकि अधिक पानी देने से कमरे में नमी बढ़ेगी, जिससे स्वस्थ पर बुरा असर पड़ सकता है।
- पौधों को गोबर की खाद देने से पहले खाद के ढेलों को तोड़कर या बारीक करके डालें। संभव हो सके, तो गमलों में खाद छानकर ही डालें।

घरेलू फेस पैक बढ़ाए सौंदर्य

- एक बड़े चम्मच भर दूध में पिसी हल्दी मिलाकर गाढ़ा लेप बना लें और चेहरे पर लगाएं। यह लेप चेहरे का रंग साफ करता है और त्वचा को कांतिपूर्ण रखता है।
- जायफल को दूध में घिसकर चेहरे पर लगाने से कील-मुंहासे और झाईयां दूर होकर चेहरा साफ हो जाता है।
- चावल का आटा दूध में घोलकर चेहरे पर गाढ़ा लेप करें।
- चेहरे पर दो चम्मच बेसन, एक चम्मच दही व चुटकी भर हल्दी का लेप करें।
- गाय के दूध में एक चम्मच चिरौंजी पीसकर इसका लेप चेहरे पर लगाकर मसलें।
- मसूर की दाल दो चम्मच लेकर बारीक पीस लें। इसमें थोड़ा सा दूध और घी मिलाकर फेंट लें और पतला-पतला लेप बना लें। इस लेप को मुंहासों पर लगाएं।
- आक के पत्तों को पीसकर दूध और पिसी हल्दी मिलाकर इस लेप को चेहरे के काले दाग-धब्बों, झाईयों, कील-मुंहासों पर लगाएं।
- संतरे के सूखे छिलकों का चूर्ण, थोड़ा सा दही, चुटकी भर हल्दी, नींबू के रस की 5-6 बूंदें मिलाकर लेप करें।
- गुलाब के फूल की पंखुड़ियां दूध के साथ पीसकर लेप करें।
- ये सभी गुणकारी उपाय त्वचा को स्वस्थ, निरोगी, उज्ज्वल और चमकीला बनाते हैं व त्वचा को साफ रंग प्रदान करने वाले हैं।

अच्छे सौंदर्य की मालकिन बनें

- चेहरे की रंगत निखारने के लिए और बालों को छुपाने के लिए 15 दिन के अंतराल पर ब्लीचिंग करवाएं। ब्लीच कराने से बालों का रंग त्वचा के रंग के अनुरूप हो जाएगा।
- अपने हाथों पर सुबह और रात के समय हैंड बाडी लोशन लगाएं। घरेलू कार्य करने के बाद हाथों पर क्रीम अवश्य लगाएं। सप्ताह में एक बार मेनीक्योर कराएं या घर पर स्वयं भी कर सकती हैं।
- चमकदार और मुलायम केशों के लिए केशों को धोने से पूर्व कुनकुने तेल से मालिश जरूर करें। केशों को सौम्य शैम्पू से ही साफ करें। शैंपू के पश्चात् कंडीशनिंग भी अवश्य करें। कंडीशनर के रूप में आप नींबू का रस, चाय की पत्ती, अंडे, हिना का प्रयोग कर सकती हैं।
- ब्लैक हैड्स से सुरक्षा पाने के लिए त्वचा को अच्छी तरह साफ करें ताकि रोमकूपों में जमी गंदगी समाप्त हो जाए।
- ब्लैकहैड्स को साफ करने के लिए सप्ताह में एक बार 5 मिनट तक भाप लें। इससे रोमकूपों में जमे ब्लैकहैड्स बाहर आ जाएंगे और आप ब्लैकहैड्स रिमूवर से इन्हे साफ कर लें।
- त्वचा को मुलाम बनाए रखने के लिए सप्ताह में एक बार स्नान से पहले संपूर्ण शरीर पर बाडी आयल या लोशन से त्वचा की मसाज करें। इससे त्वचा की सौम्यता व प्राकृतिक नमी बनी रहेगी।
- चेहरे पर कोई भी उबटन, क्रीम या मेकअप लगाएं तो उसे गर्दन पर भी जरूर लगाएं अन्यथा चेहरे और गर्दन के रंग में फर्क नजर आएगा।
- नहाते समय लंबे हैंडल वाले ब्रश या तौलिए से पीठ को रगड़ें। इससे पीठ की मृत त्वचा साफ होगी और त्वचा के रोमछिद्र खुलेंगे।

बच्चों के कमरे का ऐसे रखें ध्यान

प्राचीन भारतीय संस्कुति एवं परंपरा में रोजमर्रा के जीवन की दैनिक, व्यावहारिक एवं अलिखित आचार संहिता के एक भाग को 'विचार' कहा गया है। कहा जाता है कि हर छोटी-बड़ी क्रिया का संबंध हमारी सुख-समृद्धि, शांति, विकास, स्वास्थ्य एवं सामाजिक मर्यादाओं से होता हैं। यहां हम उन विचारों के कुछ प्रमुख बिंदु प्रस्तुत करने जा रहे हैं, जिनको आज विश्व की ज्यादातर संस्कृतियों ने वास्तु, फेंगशुई, शमन-कल्चर, जियोमेंसी या ऐसे ही अन्य नाम से अपने जीवन में काफी महत्व दिया हैं। हालांकि ये सभी विचार आदि काल से ही मानव सभ्यता का अंग रहे हैं, लेकिन कालांतर में जीवन की गति, व्यस्तता, आधुनिकता आदि के कोहरे में धुंधला गए थे, लेकिन आज जब हम अपने जीवन के सभी सुखों के प्रति कुछ ज्यादा ही सचेत रहने लगे हैं, तो इसकी जरूरत और ज्यादा हो गई है।

विचारों की इस श्रृंखला में सबसे पहले बच्चों का कमरा :-

- बच्चों के कमरे में रोजना की जरूरत की कुछ ऐसी चीजें जैसे-कम्प्यूटर, किताबें, स्कूल बैग, पढ़ने की कुर्सी, मेज, अल्मारी आदि होती हैं, जिनके रख-रखाव पर पूरा ध्यान देना चाहिए।
- बच्चे के टेबल पर या ड्रावर में पुराने टूटे-फूटे पेन, खिलौने, दर्पण, कटे-फटे कागज या बेकार सामान, कूड़ा-कबाड़ आदि एकत्र न करे।
- स्कूल बैग व किताबों को थोड़ी ऊंचाई पर इस तरह से रखें कि चलते-फिरते, पढ़ते या उठते-बैठते समय वे पांवों से न टकराएं। इससे विद्या की देवी 'सरस्वती' का अपमान होता है और उनकी पढ़ाई पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।
- बच्चे अपने अध्ययन या कोर्स के अंतर्गत यदि कम्प्यूटर का प्रयोग करते है, तो इसे सदैव पूर्व या उत्तर की ओर मुख करके प्रयोग करना चाहिए।
- यदि बच्चों का पलंग या बिस्तर भी इसी कमरे में हो, तो कम्प्यूटर की स्क्रीन को सोने से पूर्व एक कवर या कपड़े से ढंक देना चाहिए।

टाईम पास

आज का राशिफल

मेष (चू चे चो ला ली लू ले लो आ): व्यापार व व्यवसाय में स्थिति उत्तम रहेगी। नौकरी में पदोन्नति की संभावना है। शारीरिक सुख के लिए व्यसनों का त्याग करें। संतान पक्ष की समस्या समाप्त होगी। पठन-पाठन में स्थिति कमजोर रहेगी। नौकरी में अपने अधीनस्थ लोगों से कम सहयोग मिलेगा। कार्यक्षेत्र में संतोषजनक सफलता मिलेगी। शुभांक-2-4-6

वृष (इ उ ए ओ वा वी वू वे वो): कामकाज में आ रहा अवरोध दूर होकर प्रगति का रास्ता मिल जाएगा। अच्छे कार्य के लिए रास्ते बना लेंगे। अपने हित के काम सुबह-सवेरे ही निपटा लें। रुपए पैसों की सुविधा नहीं मिल पाएगी। कामकाज सीमित तौर पर ही बन पाएंगे। स्वास्थ्य का पाया भी कमजोर बना रहेगा। शुभांक-3-5-7

मिथुन (का की कू घ ड छ के को हा): यात्रा प्रवास का सार्थक परिणाम मिलेगा। मेल-मिलाप से काम बनाने की कोशिश लाभ देगी। अपने काम में सुविधा मिल जाने से प्रगति होगी। समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। यात्रा शुभ रहेगी। काम को प्राथमिकता से करें। कारोबारी काम में बाधा उभरने से मानसिक अशांति बनी रहेगी। शुभांक-2-4-6

कर्क (ही हू हे हो डा डी डू डे डो): आगे बढ़ने के अवसर लाभकारी सिद्ध होंगे। कुछ आर्थिक संकोच पैदा हो सकते हैं। कोई प्रिय वस्तु अथवा नवीन वस्त्राभूषण प्राप्त होंगे। आशा और उत्साह के कारण सक्रियता बढ़ेगी। मान-सम्मान बढ़ेगा। धार्मिक आस्थाएं फलीभूत होंगी। पारिवारिक विवाद टालें। अच्छे समय का इन्तजार करें। शुभांक-1-5-6

सिंह (मा मी मू मे मो टा टी टू टे): लाभकारी गतिविधियों में सक्रियता रहेगी। रुका हुआ लाभ आज प्राप्त हो सकता है। व्ययाधिक्य का अवसर आ सकता है। कामकाज की अधिकता रहेगी। लाभ होगा और पुराने मित्रों से समागम भी होगा। व्यवसायिक अभ्युदय व प्रसन्नताएं भी बढ़ेगी। सुख-सुविधा में वृद्धि होगी। शुभांक-3-5-7

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो): कामकाज की व्यस्तता से सुख-चैन प्रभावित होगा। धर्म-कर्म के प्रति रुचि जागृत होगी। मानसिक एवं शारीरिक शिथिलता पैदा होगी। श्रेष्ठजनों की सहानुभूति मिलेगी। लाभमार्ग प्रशस्त होगा। नवीन उद्योगों के अवसर बढ़ेगे व अभिलाषाएं पूर्ण होंगी। कुछ भ्रामक धारणाओं का खंडन होगा। शुभांक-3-4-7

तुला (रा री रु रे रो ता ती तू ते): समाज में मान-सम्मान बढ़ेगा। आय-व्यय की स्थिति समान रहेगी। शैक्षणिक कार्य आसानी से पूरे होते रहेंगे। स्वास्थ्य उत्तम रहेगा। व्यापार व व्यवसाय में ध्यान देने से सफलता मिलेगी। अपनों का सहयोग प्राप्त होगा। पत्नी व संतान पक्ष से थोड़ी चिंता रहेगी। शिक्षा में आशानुकूल कार्य होने में संदेह है। शुभांक-3-5-6

वृश्चिक (तो ना नी नू ने नो य यी यू): व्यापार में स्थिति नरम रहेगी। शत्रुभय, चिंता, संतान को कष्ट, अपव्यय के कारण बनेंगे। संतोष रखने से सफलता मिलेगी। नौकरी में स्थिति सामान्य ही रहेगी। जीवनसाथी का परामर्श लाभदायक रहेगा। समय नकारात्मक परिणाम देने वाला बना रहेगा। कर्ज लेने से बचें। शुभांक-3-5-7

धनु (ये यो भा भी भू): यात्रा का दूरगामी परिणाम मिल जाएगा। कामकाज में आ रही बाधा को दूर कर लेंगे। सुविधा और समन्वय बना रहने से कामकाज में प्रगति बन जाएगी। आर्थिक हित के काम को साधने में मदद मिल जाएगी। यात्रा शुभ रहेगी। अपने काम पर पैनी नजर रखिए।

संरक्षक: संजय शुक्ला,(सत्यम शिवम शुभम पीजी व लां कॉलेज टिकरी)

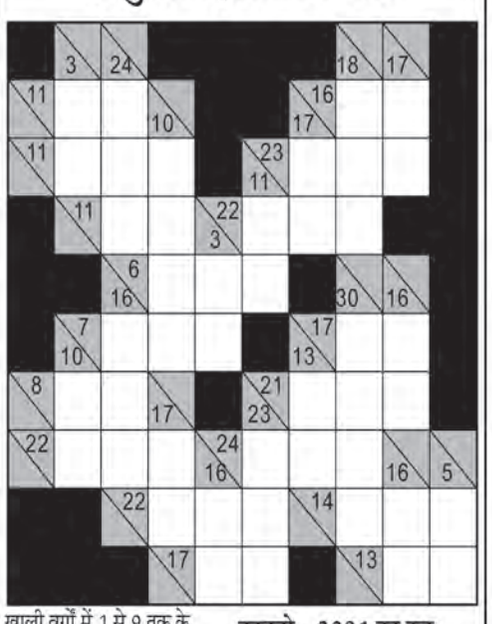

सलाहकार संपादक: रिजवान सैफ खान

सह सपांदक: मोहम्मद दानिश फारुकी ,

सह संपादक: राम सिंह यादव उपसंपादक राकेश द्विवेदी

उक्त सभी पद अवैतनिक है

काकुरो पहेली - 3982

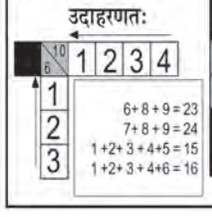

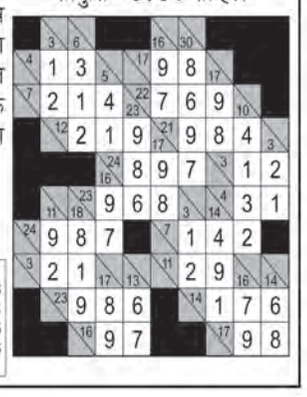

खाली वर्गों में 1 से 9 तक के अंक लिखकर नीचे से ऊपर व दाएं से बाएं की जोड़ हल्के रंग के आधे वर्ग की संख्या से मेल खानी चाहिए. किसी भी अंक का उस जोड़ में पुनः उपयोग नहीं किया जा सकता.

उदाहरणतः:

6+8+9=23
7+8+9=24
1+2+3+4+5=15
1+2+3+4+6=16

काकुरो - 3981 का हल

हंसी के फूव्वारें

एक व्यक्ति ने डाक्टर को धन्यवाद देते हुए कहा-'डाक्टर साहब! मैं आपका बहुत एहसानमन्द हूँ. आपके इलाज से मुझे बहुत फायदा पहुँचा है.'

'मगर.....?' डाक्टर ने चौंकते हुए कहा-'मैंने तो कभी आपका इलाज नहीं किया.'

'आपने मेरा तो नहीं, मगर मेरे करोड़पति चाचाजी का इलाज किया था. पिछले सप्ताह उनका देहान्त हो गया और मैं उनका एकमात्र वारिस हूँ.'

एक पिता मृत्यु की घड़ियां गिन रहा था . उसके तीन पुत्र आपस में बहस कर रहे थे. बड़ा पुत्र बोला-'एम्बूलेंस मंगा लेनी चाहिए.'

मंझला-'नहीं ! बैल ठेला कर लेंगे !'

छोटा-'कन्धे पर डालकर ले चलो !'

सुनकर पिता से रहा नहीं गया, बोला-'तुम मेरी चप्पलें ला दो, मैं खुद ही चला जाऊंगा.'

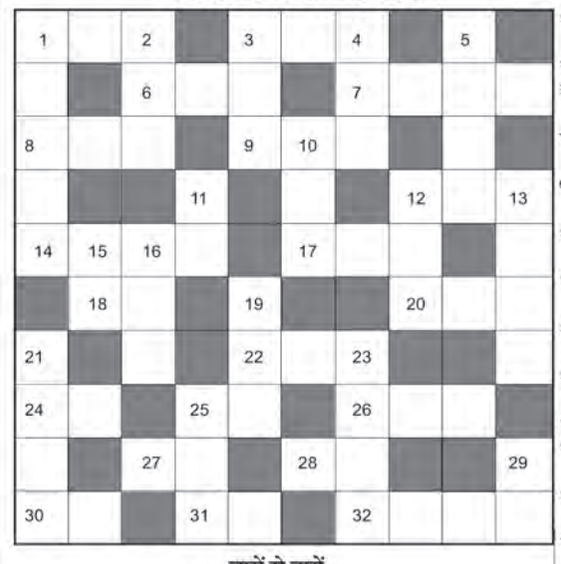

□ □ □

सीता-'मेरे बाप ने तो तैरने का रिकार्ड तोड़ दिया. पूरे तीन दिन बाद वापस लौटे हैं.'

गीता-'वह तो ठीक है. लेकिन तुम्हारे बाप हमारे बाप के सामने तो टिक नहीं सकते !'

'कैसे ?'

'मेरे बाप चार वर्ष पहले तैरने गये थे और आज तक वापस नहीं आये हैं.'

फिल्म वर्ग पहेली- 3982

बायें से दायें:-

१. 'सारे शहर में आप सा कोई' गीत वाली फिल्म-३
३. 'जब जब प्यार पे पहरा हुआ' गीत वाली की फिल्म-३
६. मिथुन, मधु, रंभा की 'तुम्हें हम बहुत प्यार करने लगे' गीत वाली फिल्म-३
७. 'तेरी प्यारी प्यारी' गीत वाली राजेंद्र कुमार, बी. सरोजादेवी की फिल्म-४
८. बॉबी देओल, रानी मुखर्जी की 'आँखों के रस्ते दिल में' गीत वाली फिल्म-३
९. राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-३
१४. 'सरकाय लेओ खटिया' गीत वाली गोविंदा, करिश्मा की फिल्म-२,२
१७. फिल्म 'शहीद' में नायिका ?-३
१८. 'आई बहार खिलते हैं दिल' गीत वाली सलमान, रेवती की फिल्म-२
२०. शशिकपूर, रेखा की 'जाने कैसे बीतेंगी ये बरसातें' अभिनीत फिल्म-३
२२. 'मच गया शोर सारी' गीत वाली अमिताभ, परवीन की फिल्म-३
२४. ऋषि, टीना की 'एक हसीना थी एक दीवाना था' गीतवाली फिल्म-२
२५. धर्मेन्द्र, मनोजकुमार, सायराबनो की फिल्म-२
२६. रणधीरकपूर, रेखा की 'हो देख तुझको दिल ने कहा' गीत वाली फिल्म-३
२७. 'मैं नये जमाने की' गीत वाली अजय देवगन, रवीना की फिल्म-२
२८. अक्षयकुमार, रवीना टंडन की 'दीवाने हैं दीवानों से तू' गीत वाली फिल्म-२
३०. 'आइये आ जाइये, आ ही जाइये' गीत वाली अनिलकपूर, जैकीश्रॉफ, मनीषा, सोनाली, रेखा की फिल्म-२
३१. राजेश खन्ना, राखी, शर्मिला की 'नी मैं यार मनाना' गीत वाली फिल्म-२
३२. अमिताभ, जीनत की फिल्म-४

ऊपर से नीचे:-

१. 'बचपन की मोहब्बत को' गीत वाली भारतभूषण, मीना की फिल्म-२,३
२. सुनील दत्त, मीना की फिल्म-३
३. 'ऐ जिंदगी गले लगा ले' गीत वाली कमल हासन, श्रीदेवी की फिल्म-३
४. लकी अली, मीरा की 'जाना है जाना है चलते ही' गीत वाली फिल्म-३
५. 'मेरे सपनों की रानी कब' गीत वाली राजेश खन्ना, शर्मिला की फिल्म-४
१०. नसीरूद्दीनशाह, शबाना की 'सीली हवा छू गई' गीत वाली फिल्म-३
११. 'ऐसी रंग दे पिया' गीत वाली राजेश खन्ना, हेमा मालिनी की फिल्म-२
१२. सनी, अमृता की 'ये मेरी जिंदगी बेजान लाश थी' गीत वाली फिल्म-३
१३. 'ठहरो तो सही सोचो तो' गीत वाली गोविंदा, मनीषा कोइराला की फिल्म-४
१५. 'एक लड़की बस गई' गीतवाली फिल्म-२
१६. 'भोर आई गया अंधियारा' गीत वाली राजेश खन्ना, जया की फिल्म-३
१९. कमल सदाना, काजोल की 'जब ना माना दिल दीवाना' गीत वाली फिल्म-३
२१. 'आशायें खिलें दिल की' गीत वाली नसीर, श्रेयस, श्वेता की फिल्म-४
२३. अनिलकपूर, फरहा की 'पूछ रही है लड़की हैदराबादी' गीत वाली फिल्म-४
२५. 'आपका खत मिला' गीत वाली जीतेंद्र, रामेश्वरी, सारिका की फिल्म-३
२९. संजयदत्त, अभिषेक, जायेदखान, ईशा देओल, राइमासेन, शिल्पा की फिल्म-२

फिल्म वर्ग पहेली- 3981

सूडोकु -3982

		5			8			3
	7			3	5			
3						6		
							8	5
	6			7			1	
4	2							
		1						8
			7	4			3	
6			2			7		

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु -3981 का हल

9	4	8	7	5	1	6	2	3
3	7	5	6	4	2	1	8	9
6	2	1	3	9	8	4	7	5
4	1	3	8	6	7	9	5	2
5	8	6	9	2	4	3	1	7
2	9	7	5	1	3	8	4	6
8	6	4	2	7	9	5	3	1
7	3	9	1	8	5	2	6	4
1	5	2	4	3	6	7	9	8

शब्द पहेली - 3982

बाएँ से दाएँ

1.ईश्वर,करतार-3
3.मुस्कुराहट-3
5.ईख-2
6.रजनीगंधा -2,1,2
9.समुद्र तट (अंग्रेजी-2)
11.ताकत,दम-2
12.अमिताभ व किमी काटकर की फिल्म-2
13.वेतन,पगार-3
16.मनोनीत,नामकृत-3
18.बंधक,गिरवी वस्तु-3
20.निशा,रात्री-3
22.वचन,प्रतिज्ञा-3
23.श्रीनगर की झील-2
24.मूल्य,कीमत-2
25.असावधान-3
28.धिक्कार,फटकार-3
30.हवा,पवन-3
31.झाझर,कुंभ-3
33.चिंतन-3
35.संस्कृत में मेरा-2
36.मादा का विलोम-2
38.कुबेर,भूत-2
40.परोपकारी,जितेंद्र की एक फिल्म-5
41.फलों का राजा-2
42.फूल चुननेवाली-3
43.घोड़ों की देखभाल करनेवाला-3

ऊपर से नीचे

1.तमिल भाषा में बड़ा भाई-2
2.बेकार-3
3.दीवान,खजांची-3
4.पैगंबर,रसूल-2
5.झूठ,मिथ्या -3
7.तेल में पकाना-3
8.आराम,मदद-3
10.गुलिस्ता-3
14.नरकभोगी-5
15.खुजली-2
17.सखा,दोस्त-2
18.मजा,आनंद-2
19.स्वदेशवासी-5
21.सुई (अंग्रेजी-3)
22.विष्णुप्रिया-3
26.पुनः,वापस-2
27.मर्करी,पारद-2
29.भीगा हुआ-2
30.वक्त,टाईम-3
31.अच्छी बुद्धि-3
32.निम्नता-3
34.मुलायम-3
35.बड़ा,विशाल-3
37.धनवान-3
39.माफी-2
41.उम्मीद-2

शब्द पहेली -3981 का हल

सबसे तेज प्रयागराज, मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी संपादक हनुमान प्रसाद शुक्ल द्वारा विपिन इंटरप्राइजेस 1/6सी/1 मास्टर जरूहुल हसन रोड़, कटरा, प्रयागराज से मुद्रित कराकर, करीमुददीनपुर पोस्ट अटरामपुर नवाबगंज प्रयागराज से प्रकाशित। मो नं. 9452842169। इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं संपादन हेतु पी.आ.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद का निपटारा इलाहाबाद न्यायालय में होगा। आपत्तियां एक सप्ताह के अंदर ही स्वीकार की जाएगी। समाचार पत्र की जिम्मेदारी लेखक व संवाददाता की होगी